RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :15 । अंक:262। पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, (गुरुवार) 14 मई 2026 || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

नीट-यूजी पेपर लीक

सीबीआई ने अहिल्यानगर से 3 और पुणे से एक महिला को हिरासत में लिया

एजेंसी

मुंबई । नीट-यूजी 2026 पेपर लीक मामले की जांच बुधवार को और तेज हो गई, जब केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने महाराष्ट्र के अहिल्यानगर जिले से पूछताछ के लिए तीन संदिग्धों और पुणे से एक महिला को हिरासत में लिया। आगे की जांच केंद्रीय एजेंसी को सौंपी गई है। अधिकारियों ने बताया कि तीनों संदिग्धों से इस समय अहिल्यानगर के पुलिस अधीक्षक के दफ़्तर में पूछताछ की जा रही है। सूत्रों के मुताबिक, एजेंसी जिन तीन लोगों से पूछताछ कर रही है, उनमें आरोपी धनंजय लोखंडे भी शामिल हो सकता है। देश भर में हुए परीक्षा पेपर लीक

● अब सीबीआई इस लीक में कथित तौर पर शामिल बड़े नेटवर्क की जांच कर रही है, जिसमें कई राज्यों में फैले संदिग्ध बिचौलिए, वितरक और लाभार्थी शामिल हैं।

मामले की जांच के सिलसिले में मुंबई से आई सीबीआई की एक टीम मंगलवार से ही अहिल्यानगर में डेरा डाले हुए है। जांचकर्ता उन कई अन्य लोगों की संभावित भूमिका की भी जांच कर रहे हैं, जो जांच के दौरान एजेंसी की नजर में आए हैं। अधिकारियों ने बताया कि इस पूछताछ का मकसद यह पता लगाना है कि लीक हुए 'नीट' परीक्षा पेपर को कथित तौर पर फैलाने और बांटने में इन तीनों संदिग्धों की असल भूमिका क्या थी। अहिल्यानगर में सीबीआई की यह कार्रवाई शुभम खैरनार के कथित खुलासों के बाद हुई।

खैरनार को इस मामले में पहले नासिक से गिरफ्तार किया गया था। शक है कि खैरनार ने लीक हुए पेपर को हासिल करने और उसे अलग-अलग राज्यों में बांटने में अहम भूमिका निभाई थी। इस बीच, पुणे पुलिस ने पुष्टि की है कि इस मामले में एक महिला को भी हिरासत में लिया गया था, और बाद में उसे आगे की जांच के लिए सीबीआई को सौंप दिया गया। पुणे शहर के पुलिस कमिश्नर अमितेश कुमार ने बताया कि महिला को पुणे के बिबवेवाड़ी इलाके से हिरासत में लिया गया था। कुमार ने बताया, 'हमने उससे पूछताछ की और उसे आगे की जांच के लिए सीबीआई को सौंप दिया। '

हालांकि, पुलिस कमिश्नर ने कथित पेपर लीक नेटवर्क में महिला की असल भूमिका के बारे में और ज्यादा जानकारी देने से इनकार कर दिया। ये ताजा घटनाक्रम नीट-यूजी 2026 विवाद की बढ़ती जांच के बीच सामने आए हैं। इस विवाद के चलते 3 मई को देश भर में 22 लाख से ज्यादा छात्रों के लिए हुई परीक्षा रद्द कर दी गई थी, क्योंकि आरोप लगे थे कि परीक्षा शुरू होने से पहले ही प्रश्न पत्र लीक हो गया था।

मंत्री और विधायक सिर्फ फोटो खिंचवाने के लिए खरीद रहे इलेक्ट्रिक वाहन : आदित्य ठाकरे

एजेंसी

मुंबई । शिवसेना (यूबीटी) नेता और पूर्व मंत्री आदित्य ठाकरे ने बुधवार को दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पश्चिम एशिया संघर्ष के कारण 'ऊर्जा बचत' अपनाने की अपील के बाद कुछ मंत्री और विधायक सिर्फ फोटो खिंचवाने के लिए इलेक्ट्रिक वाहन खरीद रहे हैं। आदित्य ठाकरे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए पूछा, ''जो लोग ऐसा नहीं कर सकते, उनका क्या? क्या बेस्ट बस का टिकट फिर से सस्ता होगा? क्या दूसरे सार्वजनिक परिवहन पर सब्सिडी मिलेगी? क्या मेट्रो टिकट के दाम कम होंगे?'' उन्होंने आगे कहा, ''हमारी 2021 की ईवी नीति में तय किया गया था कि 2022 के बाद सभी मंत्री, सरकारी विभाग और शहरी स्थानीय निकाय अगर नई गाड़ियां खरीदेंगे या किराए पर लेंगे, तो सिर्फ इलेक्ट्रिक वाहन ही लेंगे। सरकार बदलने के बाद नीति के इस हिस्से को हटा दिया गया। इसके अलावा यह भी जरूरी था कि ईवी के लिए बिजली सस्ती हो और साफ ऊर्जा स्रोत से आए, लेकिन वह भी अब पुरानी बात बन गई है।'' वरिष्ठ एनसीपी (एसपी) नेता और पूर्व मंत्री जयंत पाटिल ने कहा कि मध्यम वर्ग हमेशा अपनी जिम्मेदारी निभाता है, लेकिन सरकार को भी उदाहरण पेश करना चाहिए।

● उन्होंने मुख्यमंत्री, मंत्रियों और अधिकारियों के बड़े-बड़े काफिलों की आलोचना करते हुए कहा कि 'नेशन फर्स्ट' नीति अपनाते हुए उनके निजी और सरकारी काफिलों में गाड़ियों की संख्या कम की जानी चाहिए।

15-20 मई तक पांच देशों की यात्रा पर प्रधानमंत्री मोदी

यूएई के बाद करेंगे यूरोप का रुख

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पांच दिवसीय विदेश यात्रा पर 15 मई को रवाना होंगे। विदेश मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि दौरे की शुरुआत यूएई से और समापन इटली में होगी। प्रधानमंत्री की यात्रा पर विदेश मंत्रालय के सचिव (पश्चिम) सिबी जॉर्ज ने कहा, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 15 से 20 मई तक पांच देशों की यात्रा करेंगे, जिसमें यूएई और चार यूरोपीय देश–नीदरलैंड्स, स्वीडन, नॉर्वे और इटली शामिल हैं। 15 मई को यूएई में वे राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायेद अल नाहयान से मुलाकात करेंगे। इस दौरान द्विपक्षीय संबंधों, ऊर्जा सहयोग और क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा होगी। भारत और यूएई के बीच एक व्यापक रणनीतिक साझेदारी है, और वहां 45 लाख से ज्यादा भारतीय रहते हैं।' इसके बाद प्रधानमंत्री 15 से 17 मई तक, नीदरलैंड्स में रहेंगे। 2017 के बाद यह उनकी दूसरी यात्रा है और यह द्विपक्षीय संबंधों के एक अहम मोड़ पर हो रही है। इसमें तीसरा भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन भी शामिल है, जिसका मुख्य जोर व्यापार, निवेश, हरित प्रौद्योगिकी और नवाचार पर होगा। इन चार यूरोपीय देशों की यात्रा ऐसे समय में हो रही है, जब हमने इस साल की शुरुआत में भारत-ईयू एफटीए को अंतिम रूप दिया था। ' जॉर्ज ने आगे कहा, 'इस दौरे के दौरान प्रधानमंत्री नीदरलैंड के प्रधानमंत्री के साथ द्विपक्षीय बातचीत करेंगे। वे वहां के सम्राट विलेम-अलेक्जेंडर और महारानी मैक्सिमा से भी मुलाकात करेंगे। प्रधानमंत्री के भारतीय समुदाय को संबोधित करने और नीदरलैंड के शीर्ष कारोबारी नेताओं से मिलने की भी उम्मीद है। ' नीदरलैंड के बाद प्रधानमंत्री स्वीडन जाएंगे। 17 मई को प्रधानमंत्री स्वीडन के गोथनबर्ग की आधिकारिक यात्रा करेंगे। यह प्रधानमंत्री मोदी की स्वीडन की दूसरी यात्रा होगी। इससे पहले, 2018 में, वह पहले भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन के लिए स्वीडन गए थे।

चारधाम यात्रा में रिकॉर्ड श्रद्धालु, 25 दिनों में 12.60 लाख ने किए दर्शन

एजेंसी

देहरादून। उत्तराखंड की विश्वप्रसिद्ध चारधाम यात्रा इस वर्ष नए रिकॉर्ड की ओर बढ़ती दिखाई दे रही है। यात्रा शुरू होने के महज 25 दिनों के भीतर ही श्रद्धालुओं की संख्या 12 लाख 60 हजार के पार पहुंच गई है। विशेष रूप से केदारनाथ धाम में श्रद्धालुओं का उत्साह लगातार बढ़ रहा है, जहां 22 दिनों में ही पांच लाख से अधिक भक्त दर्शन कर चुके हैं। राज्य सरकार यात्रा को सुरक्षित और व्यवस्थित बनाए रखने के लिए लगातार निगरानी कर रही है। उच्च हिमालयी क्षेत्रों में मौसम की संवेदनशीलता को देखते हुए मुख्यमंत्री धामी ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि प्रतिकूल मौसम की स्थिति में यात्रियों की सुरक्षा और सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा जाए। 19 अप्रैल से शुरू हुई यात्रा में 13 मई तक कुल 12,60,478 श्रद्धालु चारों धामों के दर्शन कर चुके हैं। इनमें सबसे अधिक 5,23,582 श्रद्धालु केदारनाथ धाम पहुंचे हैं।

एनआईए की बड़ी कामयाबी

पुर्तगाल से प्रत्यर्पण के बाद हिजबुल का नारको-आतंकवादी शेरा गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (NIA) ने एक बड़ी कूटनीतिक और कानूनी सफलता हासिल करते हुए वांछित नारको-आतंकवादी इकबाल सिंह उर्फ शेरा को गिरफ्तार कर लिया है. शेरा को पुर्तगाल से प्रत्यर्पित (E&tradition) कर भारत लाया गया है. हिजबुल मुजाहिदीन (HM) के आतंकी वित्तपोषण (Terror Financing) मामले के मास्टरमाइंड शेरा को आज दिल्ली हवाई अड्डे पर उतरते ही एनआईए की टीम ने हिरासत में ले लिया. वह साल 2020 से फरार था और पुर्तगाल में छिपा हुआ था. वारंट और नोटिस : शेरा के खिलाफ अक्टूबर 2020 से गैर-जमानती वारंट और जून 2021 से इंटरपोल नोटिस जारी था.

नारको-टेरर मॉड्यूल : जांच में सामने आया कि शेरा पाकिस्तान से हेरोइन की तस्करी करने वाले मॉड्यूल का मुख्य साजिशकर्ता था।

हवाला नेटवर्क और ड्रग्स का खेल : अमृतसर (पंजाब) का रहने वाला शेरा पाकिस्तान और कश्मीर स्थित हिजबुल मुजाहिदीन के गुर्गों को आतंकी गतिविधियों के लिए धन मुहैया कराता था.

तस्करी : उसने पाकिस्तान से सीमावर्ती राज्यों में नशीले पदार्थों की तस्करी का समन्वय किया.

हवाला नेटवर्क : ड्रग्स की बिक्री से मिलने वाले पैसे को हवाला नेटवर्क के जरिए आतंकी गतिविधियों के लिए भेजा जाता था.

आतंकी गिरोह : उसने पंजाब में सहयोगियों का एक गिरोह बनाया था जो भारी मात्रा में हेरोइन की तस्करी और धन के लेन-देन में लगा हुआ था।

नितिन गडकरी बस से करेंगे सफर

● प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील के बाद बड़ा फैसला

एजेंसी

नई दिल्ली । ईंधन की खपत बचाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील पर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने बड़ा फैसला लिया। वह ईंधन बचाने के लिए अपने काफिले में गाड़ियों की संख्या कम करेंगे और खुद बस से सफर करेंगे। भारत सरकार के सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने एक पत्र जारी कर इसकी जानकारी दी। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने पुणे पुलिस कमिश्नर, डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर और दूसरे सीनियर अधिकारियों को पत्र लिखकर कहा कि केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी 'बस' से संत ज्ञानेश्वर महाराज और संत तुकाराम महाराज पालकी मार्ग का निरीक्षण करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी के आह्वान के बाद केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने इस बार काफिले में गाड़ियों की संख्या 50 प्रतिशत कम करने का फैसला किया है। नितिन गडकरी ने पत्र के जरिए कहा कि मेरा कार्यक्रम 14-15 मई को संत ज्ञानेश्वर महाराज

और संत तुकाराम महाराज पालखी मार्ग परियोजनाओं का निरीक्षण करने का है। प्रधानमंत्री की सलाह के अनुसार, राष्ट्रीय ऊर्जा सुरक्षा के हित में परिवहन उद्देश्यों के लिए ईंधन की खपत को कम करना आवश्यक है, इसलिए मैंने अपने साथ आए अधिकारियों, पत्रकारों और सुरक्षा कर्मियों के साथ बस से यात्रा करने का निर्णय लिया है। इससे बेहतर यातायात प्रबंधन और जनता की सुविधा भी सुनिश्चित होगी। उन्होंने आगे कहा कि अनुरोध है कि दौरे के दौरान काफिले में वाहनों की संख्या को सामान्य तैनाती के 50 प्रतिशत तक कम कर दिया जाए। साथ ही उचित व्यवस्था करने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी किए जाएं।

नितिन गडकरी पुणे में बस से करेंगे परियोजनाओं का निरीक्षण

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी 14-15 मई को संत ज्ञानेश्वर महाराज और संत तुकाराम महाराज पालखी मार्ग परियोजनाओं के निरीक्षण के दौरान बस यात्रा करेंगे। इस यात्रा में अधिकारी, पत्रकार और सुरक्षा कर्मी भी बस से उनके साथ सफर करेंगे। गडकरी ने आधिकारिक पत्र में कहा कि प्रधानमंत्री के सुझाव के अनुसार ईंधन की खपत कम करना राष्ट्रीय ऊर्जा सुरक्षा के हित में आवश्यक है। बस से यात्रा करने से न केवल ईंधन की बचत होगी बल्कि यातायात प्रबंधन और जनसुविधा भी बेहतर होगी। इसी कारण उन्होंने दौरे के दौरान सुरक्षा काफिले में तैनात वाहनों की संख्या सामान्य तैनाती की तुलना में 50 प्रतिशत तक घटाने का निर्देश दिया है।

आज होगा केरल के नए मुख्यमंत्री का एलान

● कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने दी जानकारी

एजेंसी

नई दिल्ली। केरल में नए मुख्यमंत्री के चेहरे को लेकर कांग्रेस पार्टी ने अपनी सभी चर्चाएं और आंतरिक बैठकें पूरी कर ली हैं। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने जानकारी दी कि इस मुद्दे पर अब अंतिम निर्णय कल घोषित किया जाएगा। जयराम रमेश ने कहा कि केरल कांग्रेस विधायक दल (CLP) के सदस्यों की मंजूरी के बाद पार्टी हाईकमान ने सभी जरूरी विचार-विमर्श पूरे कर लिए हैं। कांग्रेस ने स्पष्ट किया है कि मुख्यमंत्री पद के चेहरे की घोषणा कल सार्वजनिक रूप से की जाएगी। इसके साथ ही केरल की राजनीति में एक नया अध्याय शुरू होने की संभावना है।

सीएलपी की मंजूरी के बाद हाईकमान का फैसला

कांग्रेस नेतृत्व के अनुसार, केरल में मुख्यमंत्री के चयन को लेकर पार्टी के भीतर व्यापक चर्चा हुई है। अब यह निर्णय पूरी तरह अंतिम चरण में पहुंच चुका है। पार्टी का कहना है कि सभी संबंधित नेताओं से विचार-विमर्श के बाद एक नाम पर अंतिम सहमति बनाई गई है, जिसकी आधिकारिक घोषणा कल की जाएगी।

तीन दिग्गजों में है मुख्य मुकाबला

सीएम की रेस में तीन बड़े नाम सबसे आगे चल रहे हैं। इनमें रमेश चेन्निथला, वीडी सतीशन और एआईसीसी महासचिव केसी वेणुगोपाल शामिल हैं। राहुल गांधी ने इन नामों पर राय जानने के लिए वीएम सुधीरण, एमएम हसन और के सुधाकरण जैसे आठ पूर्व अध्यक्षों से वन-टू-वन बात की है। मुल्लापल्ली रामचंद्रन से फोन पर चर्चा की गई।

धर्म के सौदागरों का 'डेथ वारंट'

मुनिश्री के खिलाफ रची गई 'हनीट्रैप' की खूनी साजिश का महा-विस्फोट!

करोड़ों की फिरौती का 'जहरीला प्लान' बेनकाब

संतों की साख पर हमला करने वाले सफेदपोश भेड़िये अब सलाखों के पीछे होंगे!

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

अहमदाबाद: गुजरात की संस्कारी माटी को कलंकित करने वाले 'सफेदपोश शैतानों' के अंत का समय आ गया है। जैन मुनि राजतिलक सागरजी महाराज को बदनाम करने के लिए जो गंदा और घिनौना 'हनीट्रैप' बिछाया गया था, वह केवल एक साजिश नहीं बल्कि जैन धर्म की अस्मिता पर किया गया एक सोची-समझी 'सर्जिकल स्ट्राइक' है। महानगर मेट्रो के पास मौजूद पुख्ता सबूत गवाही दे रहे हैं कि यह न्याय की लड़ाई नहीं, बल्कि करोड़ों की वसूली का काला बाजार है।

स्कैम का ब्लूप्रिंट: हलफनामा नहीं, ये 'पाप की पोटली' है!

किरण दोषी और उसकी गैंग ने मुनिश्री को फंसाने के लिए जो पटकथा लिखी, वह किसी फिल्मी विलेन की सोच से भी ज्यादा डरावनी है। जांच में जो तथ्य सामने आए हैं, वे रोंगटे खड़े कर देने वाले हैं:

हनीट्रैप का खौफनाक जाल: एक महिला को मोहरा बनाकर मुनिश्री को

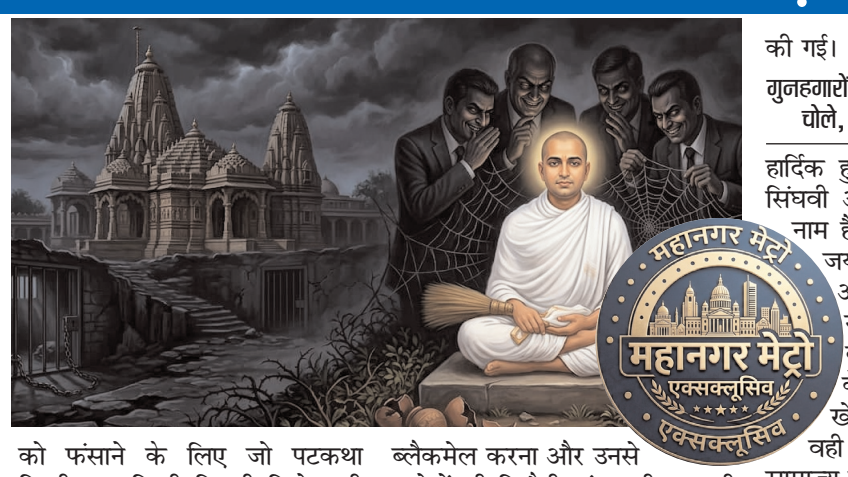

ब्लैकमेल करना और उनसे करोड़ों की फिरौती मांगना ही इस पूरी टोली का एकमात्र मकसद था।

चरित्र की हत्या: जब पैसे नहीं मिले, तो एक पवित्र संत के चरित्र पर कीचड़ उछालकर उन्हें समाज में अप्रासंगिक बनाने की नीच कोशिश की गई।

गुनहगारों की 'गंदी टोली': ओढ़े हैं धर्म के चोले, पर दिल में पल रहे हैं शोले!

हार्दिक हुडिया, जगत पारेख, विक्रम सिंघवी और विक्रम बाफना– ये वे नाम हैं जो दिन में धर्म की जय-जयकार करते हैं और रात के अंधेरे में संतों को मिटाने की साजिश रचते हैं। शासन रक्षा का ढोंग करने वाले इन 'धर्म के दलालों' ने जिस आग से खेलने की कोशिश की है, अब वही आग इनके अपने ही पाप के साम्राज्य को राख कर देगी।

कड़वे और सणसणते सवाल: जवाब तो देना ही होगा!

1.वसूली का माफिया: क्या यह गैंग एक संगठित 'ब्लैकमेलिंग सिंडिकेट' है? इस खेल में पर्दे के पीछे बैठे असली आका कौन हैं?

2.पुलिस का हंटर: क्या प्रशासन इन रसूखदार 'सफेदपोश गुंडों' को उनकी सही जगह यानी जेल की कालकोठरी दिखा पाएगा?

3.जैन समाज का फैसला: क्या समाज इन धोखेबाजों को पहचान कर इनका हुक्का-पानी बंद करेगा?

महानगर मेट्रो की ललकार:

'जिसने साधुता को चुनौती दी है, जिसने अहिंसा के मार्ग पर चलने वाले संतों को डराने का दुस्साहस किया है, उन 'गद्दारों' को महानगर मेट्रो चौराहे पर नंगा करेगा। यह लड़ाई अब इंसाफ की है, और इंसाफ होकर रहेगा! '

पर्दा अभी गिरा नहीं है... असली चेहरों के नकाब उतरना बाकी हैं। देखते रहिए महानगर मेट्रो!

हरियाणा में विकास, सुशासन पर जनता ने लगाई मुहर: मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हरियाणा के नगर निकाय चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जीत पर राज्य की जनता का आभार जताते हुए कहा कि इस परिणाम से विकास और सुशासन की नीतियों पर लोगों के अटूट विश्वास की पुष्टि हुई है। मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, 'हरियाणा के नगर निकाय चुनावों में भाजपा की शानदार विजय के लिए राज्य के मेरे परिवारजनों का बहुत-बहुत आभार। ' उन्होंने कहा कि इस जीत से एक बार फिर स्पष्ट हो गया है कि जनता-जनार्दन का भाजपा-राजग सरकार द्वारा किए जा रहे विकास और सुशासन की नीतियों पर अटूट विश्वास है। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह विजय राज्य की 'डबल इंजन सरकार' पर हरियाणा के लोगों के भरोसे का भी प्रतीक है। उन्होंने इस अवसर पर पार्टी कार्यकर्ताओं की सराहना करते हुए कहा कि भाजपा की इस जीत में अहम भूमिका निभाने वाले सभी कार्यकर्ताओं का वह हृदय से अभिनंदन करते हैं।

सप्ताह में एक दिन सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करें सभी मंत्री: मुख्यमंत्री

एजेंसी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश मंत्रिमंडल के सदस्यों से सप्ताह में कम से कम एक दिन सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करने का आह्वान किया। उन्होंने शासन में मितव्ययिता, ऊर्जा संरक्षण और जनप्रेरक आचरण की नई कार्यसंस्कृति विकसित करने का संदेश दिया है। उन्होंने मंत्रीगणों से अपनी वाहन फ्लीट को 50 प्रतिशत तक कम करने का भी आह्वान किया है। साथ ही मुख्यमंत्री ने अगले छह माह तक प्रदेश सरकार के सभी मंत्रियों एवं वरिष्ठ अधिकारियों को अपरिहार्य परिस्थितियों को छोड़कर विदेश यात्राओं से परहेज करने के निर्देश दिए हैं। मंत्रिमंडल विस्तार के बाद बुधवार को पहली बैठक में मुख्यमंत्री ने शासन-प्रशासन की कार्यप्रणाली को अधिक उत्तरदायी, अनुशासित और संसाधन-संवेदनशील बनाने के उद्देश्य से कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में ईंधन संरक्षण केवल आर्थिक आवश्यकता नहीं, बल्कि राष्ट्रीय दायित्व भी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पेट्रोल और डीजल की खपत को न्यूनतम रखने संबंधी आह्वान का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश मंत्रिमंडल को स्वयं आदर्श प्रस्तुत करना चाहिए।मुख्यमंत्री ने कहा कि मंत्रीगण सप्ताह में एक निर्धारित दिन मेट्रो, बस, ई-रिक्शा, कारपूलिंग अथवा साइकिल जैसी सुविधाओं का उपयोग करें।

● अगले छह माह तक विदेश यात्राओं से परहेज करें मंत्री और वरिष्ठ अधिकारी-प्रदेश में हर स्तर पर हाइब्रिड बैठकों, डिजिटल कार्यसंस्कृति और 'वर्क फ्रॉम होम' पर जोर-विस्तारित मंत्रिमंडल के साथ मुख्यमंत्री ने की पहली बैठक, नए मंत्रियों ने जताया आभार

अहमदाबादः NEET पेपर लीक पर NSUI का जमकर विरोध, गुजरात यूनिवर्सिटी के पास कार्यकर्ता हिरासत में

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। NEET यानी नेशनल एलिजिबिलिटी एंड एंट्रेंस टेस्ट में पेपर लीक को लेकर जहां पूरे देश में विवाद चल रहा है, वहीं अहमदाबाद में भी इसके बुरे नतीजे देखने को मिले हैं। आज (13 मई) को नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया ने अहमदाबाद में गुजरात यूनिवर्सिटी के गेट के पास जमकर विरोध प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने नेशनल टेस्टिंग एजेंसी के खिलाफ नारे लगाए और इस पर बैन लगाने की मांग की।

स्टूडेंट्स के भविष्य से छेड़छाड़ का आरोप

हस्ट्ठ कार्यकर्ता गुजरात यूनिवर्सिटी के मेन गेट के पास इकट्ठा हुए और हाथों में पोस्टर और बैनर लेकर नारे लगाए। NSUI नेताओं ने आरोप लगाया कि NEET जैसे अहम एग्जाम में पेपर लीक होने से लाखों मेहनती स्टूडेंट्स के भविष्य के साथ गलत हो रहा है। सरकारी सिस्टम और एग्जाम कराने वाली एजेंसियों की लापरवाही से होनहार स्टूडेंट्स का भविष्य खतरे में है।

पुलिस से झड़प और हिरासत में

प्रदर्शन के दौरान हालात बिगड़ते देख बड़ी संख्या में पुलिस मौके पर पहुंच गई। जब NSUI के कार्यकर्ता हिंसक प्रदर्शन कर रहे थे, तो पुलिस ने उन्हें हिरासत में लेने की प्रक्रिया शुरू कर दी। इस दौरान पुलिस और कार्यकर्ताओं के बीच झड़प के सीन भी बने। पुलिस ने कई कार्यकर्ताओं को हिरासत में लेकर स्थिति को कंट्रोल में कर लिया।

पूरे राज्य में आंदोलन की धमकी

NSUI ने साफ चेतावनी दी है कि NEET एग्जाम में हुई गड़बड़ियों की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। पीड़ित छात्रों को जल्द से जल्द सही न्याय मिलना चाहिए। अगर सरकार या अधिकारी छात्रों के हित में कोई फैसला नहीं लेते हैं, तो आने वाले दिनों में पूरे राज्य में उग्र आंदोलन किया जाएगा। फिलहाल, गुजरात यूनिवर्सिटी इलाके में पुलिस ने कड़ी सुरक्षा का इंतजाम किया है और इस मुद्दे पर राजनीतिक गरमाहट भी तेज हो गई है।

खेड़ा पुलिस या 'हफ्ता' क्राइम ब्रांच? LCB के 'केवल' राज में बुकी और बुटलेगरों की मौज!

खेड़ा पुलिस या 'हफ्ता' क्राइम ब्रांच? LCB के 'केवल' राज में बुकी और बुटलेगरों की मौज!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

खेड़ा। गुजरात के खेड़ा जिले में कानून व्यवस्था की धज्जियां उड़ती नजर आ रही हैं। जिन कंधों पर सुरक्षा की जिम्मेदारी थी, वे आज अपराधियों के आगे नतमस्तक हैं। खेड़ा लोकल क्राइम ब्रांच के केवल वेकरिया और उनके दो तथाकथित 'वहीवटदार' (बिचौलिए)– मुकेश बारोट और जयेश रबारी ने मिलकर पूरे जिले को भ्रष्टाचार की प्रयोगशाला बना दिया है। सूत्रों की मानें तो साहब का फरमान साफ हैः 'जनता सुरक्षित रहे न रहे, हफ़्ते का टारगेट पूरा होना चाहिए!

खाकी की आड़ में 'गुंडाराज': बिचौलियों की समानांतर सरकार मुकेश बारोट और जयेश रबारी, ये दो नाम आज खेड़ा पुलिस के चेहरे पर कालिख पोत रहे हैं। पुलिस की वर्दी का रौब दिखाकर ये लोग जिले में समानांतर सत्ता चला रहे हैं। डेली कलेक्शन का खेलः चर्चा है कि PI वेकरिया ने इन बिचौलियों को वसूली का 'डेली टारगेट' दिया है। इसे पूरा करने के लिए जुआरियों और शराब तस्करों को खुली छूट दी जा रही है।

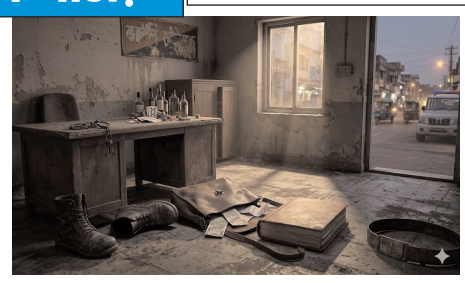

संरक्षण की गारंटीः अगर 'हफ्ता' समय पर पहुंच गया, तो LCB अपराधी का कवच बन जाती है। जिले में चर्चा है कि यह खेड़ा पुलिस नहीं, बल्कि 'केवल एंड कंपनी' का प्राइवेट लिमिटेड कलेक्शन सेंटर है। तड़ीपार बना 'किंग नियमों की धज्जियां तो तब उड़ती हैं जब वडोदरा पुलिस द्वारा तड़ीपार किया गया अपराधी अरुण उर्फ 'मेलियो' नडियाद के कनीपुरा कब्रिस्तान चौकड़ी के पास सरेआम जुआ घर चला रहा है। बड़ा सवालः क्या LCB की आंखों पर पट्टी बंधी है? या फिर 'मेलिया' के हफ़्ते की गर्मी PI साहब के AC ऑफिस को ठंडा रख रही है? पाप के ठिकानेः कहाँ-कहाँ चल रही है हफ़्ते की 'हाट' स्थान अपराधी संचालक स्थिति टुंडेल-दावड़ा (बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट) प्रवीण और वसीम लाखों का जुआ, वसो पुलिस और LCB का मौन समर्थन। पीज चौकड़ी रंजीत (लिस्टेड बुटलेगर) शराब की नदियाँ, पार्षद पुत्र से भिड़ने का दुस्साहस। हाईवे (दिखावा) अज्ञात 7 तरबूज की आड़ में शराब पकड़कर वाह-वाही लूटना, जबकि अंदरूनी अड्डों पर मेहरबानी

सियासी आका और खाकी का 'अपवित्र' गठबंधन

यह भ्रष्टाचार बिना राजनीतिक संरक्षण के संभव नहीं है। नडियाद के पूर्व और पश्चिम के दो 'दादा' नेताओं के आशीर्वाद की चर्चाएं आम हैं। राजनीतिक दबाव और लालच के इस गठबंधन ने खेड़ा को 'उड़ता खेड़ा' बनाने की राह पर धकेल दिया है। युवा पीढ़ी नशे और अपराध के दलदल में धंस रही है, जबकि पुलिस तिजोरियां भरने में व्यस्त है।महानगर मेट्रो के सीधे सवालः

1.PI वेकरियाः क्या आपकी प्राथमिकता जनता की सुरक्षा है या वसूली का टारगेट?

2. मुकेश और जयेशः किस अधिकार से आप पुलिस के नाम पर हफ्ता वसूल रहे हैं? क्या आपको कानून का डर नहीं?

3. गृह राज्य मंत्रीः क्या आपके 'पारदर्शी प्रशासन' में ऐसे भ्रष्ट अधिकारियों और 'केवल राज' के लिए कोई जगह है? खेड़ा जिले की जनता अब इस गुंडाराज को बर्दाश्त करने के मूड में नहीं है। 'महानगर मेट्रो' इस भ्रष्टाचार की तह तक जाएगा.

सेल्स गर्ल ने करोड़ों के सोने के गहने चुराए, शोरूम से अंगूठी, चेन, लकी चार्म, पायल, मंगलसूत्र लेकर भागी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक साल तक सोना न खरीदने की अपील की है, वहीं अहमदाबाद के निकोल इलाके में सोने-चांदी के ज्वैलर्स के शोरूम में सेल्स गर्ल का काम करने वाली एक लड़की 20-25 लाख नहीं, बल्कि 1.66 करोड़ रुपये के सोने के गहने लेकर फरार हो गई है। मालिक ने उसे सोने के गहने शोरूम की यूनिफॉर्म, सूट और पैंट में रखकर छुट्टी दे दी है। इसलिए वह शोरूम से यह कहकर निकल गई कि वह जा रही है। निकोल पुलिस ने पूरे मामले में केस दर्ज कर लिया है और आरोपी महिला की तलाश शुरू कर दी है। मिली

जानकारी के मुताबिक, दर्शनभाई शाह शहर के कृष्णानगर इलाके में नयननगर सोसाइटी में अपने परिवार के साथ रहते हैं। वह निकोल इलाके में अनमोल सर्कल के पास ग्रेविटी शॉपिंग मॉल में आभूषण नाम का सोने-चांदी का शोरूम चलाते हैं। दर्शनभाई के शोरूम में मैनेजर, सेल्समैन, मार्केटिंग समेत कुल 19 लोग काम करते हैं। 11 महीने पहले, हर्षिदा शेट्टी नाम की एक लड़की शोरूम में सेल्स गर्ल के तौर पर शामिल हुई थी। 11 मई, 2026 को, जब दर्शनभाई लंच के लिए घर गए, तो चोरी होने पर शोरूम के मैनेजर और स्टाफ मौजूद थे। सेल्स गर्ल उन्हें बिना बताए चली गई और CCTV चेक किया गया जब दर्शनभाई शाम 5 बजे शोरूम आए, तो एक कस्टमर कुछ खरीदने के लिए शोरूम आया, और स्टाफ कांजीभाई ने देखा कि ट्रे में रखा एक सोने का सिक्का गायब है। कांजीभाई ने कस्टमर के जाने के बाद यह बताया। इसलिए, शोरूम में सेल्स गर्ल के तौर पर काम करने वाली हर्षिदा शेट्टी मौजूद नहीं थी। इसलिए जब उनसे इस बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि आप छुट्टी लेकर इमरजेंसी काम की वजह से शाम 4:30 बजे चली गई थीं। दर्शनभाई ने कोई छुट्टी नहीं दी और बिना बताए जाते समय CCTV चेक किया। करने पर पता चला कि हर्षिदाबेन शाम 4 से 4:30 बजे के बीच सीट के पीछे अलमारी में रखे सोने के गहने निकालकर अपनी जेब में रख रही थी। फिर वह दुकान की दूसरी मंज़िल पर स्टोर रूम की तरफ गई और स्टोर रूम से अपना बैग लेकर निकल गई।

पुलिसवालों के लिए घर का संकट, रिटायर्ड और ट्रांसफर हुए लोगों ने किया 'गैरकानूनी कब्ज़ा'

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। में कानून-व्यवस्था बनाए रखने वाले पुलिसवाले खुद आजकल घर के इंतज़ाम को लेकर बहुत परेशानी झेल रहे हैं। एक तरफ जहाँ 1,061 पुलिसवाले लंबे समय से गांधीनगर पुलिस लाइन में कानूनी तौर पर रहने का इंतज़ार कर रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ यह बात सामने आई है कि रिटायर्ड या ट्रांसफर हुए लोगों ने कई फ्लैट पर 'गैरकानूनी' कब्ज़ा कर लिया है।

नियमों का बड़ा उल्लंघन

सरकारी नियमों के मुताबिक, किसी भी पुलिसवाले को अपने ट्रांसफर या रिटायरमेंट के 3 महीने के अंदर सरकारी घर खाली करना ज़रूरी है। लेकिन, गांधीनगर के अलग-अलग सेक्टरों में पुलिसवालों के घरों में कई परिवार नियमों के खिलाफ गैरकानूनी तरीके से रह रहे हैं। इसके अलावा, कुछ ऐसे मामले भी सामने आए हैं जिनमें पुलिसवालों ने गांधीनगर में अपने प्राइवेट फ्लैट होने के बावजूद पुलिस लाइन में सरकारी घर पर कब्ज़ा कर लिया है।

ऑन-ड्यूटी कर्मचारियों में भारी गुस्सा

इस अफ़रा-तफ़री की वजह से, अभी गांधीनगर में काम कर रहे कांस्टेबल और सब-इंस्पेक्टर में भारी गुस्सा है। एलिजिबल होने के बावजूद, रहने की जगह न मिलने की वजह से पुलिसवाले ज़्यादा किराए पर प्राइवेट घरों में रहने को मजबूर हैं। पिछले कुछ सालों से पुलिस हेडक्वार्टर में रहने की जगह की ठीक से चेकिंग न होने की वजह से यह हालत और खराब हो गई है।

स्टैटिस्टिकल डिटेल्स और अभी की हालत

गांधीनगर पुलिस डिपार्टमेंट के हाउसिंग डिपार्टमेंट के डेटा के मुताबिक, 1,061 पुलिसवाले रहने की जगह अलॉट होने का इंतज़ार कर रहे हैं। रहने की जगह की कमी अब बहुत ज़्यादा हो गई है, जिसकी वजह से नए भर्ती हुए या ट्रांसफर हुए जवानों को रहने की जगह की बड़ी दिक्कत हो गई है। नियमों के बावजूद 'अनऑथराइज़्ड' रहने वालों पर कोई सख्त एक्शन क्यों नहीं लिया जा रहा है? क्या पुलिस डिपार्टमेंट अपने ही कर्मचारियों से नियमों के मुताबिक रहने की जगह खाली करवाने में फेल रहा है? ये सवाल अब पुलिस डिपार्टमेंट में चर्चा का टॉपिक बन गए हैं। अब देखना यह है

कुबेरनगर में एक शादी में बिरयानी की जगह पुलाव परोसने पर दूल्हा-दुल्हन में झगड़ा, दो लोग गिरफ्तार

लोहे की रॉड और किचन के बर्तनों से हुई मारपीट में दोनों पक्षों के लोग लहूलुहान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। शहर के कुबेरनगर में सिंधु हॉल में एक शादी में एक आम सी लगने वाली बात लड़ाई के मैदान में बदल गई। दूल्हा-दुल्हन इस बात पर आमने-सामने आ गए कि डिनर में बिरयानी की जगह पुलाव क्यों परोसा गया और वह टेस्टी नहीं था। इस झगड़े में उन्होंने एक-दूसरे पर चाकू, लोहे की रॉड और फ्राइंग पैन जैसे किचन के बर्तनों से हमला कर दिया, जिसमें खून बहने पर दोनों पक्षों के लोगों को सिविल हॉस्पिटल ले जाया गया। पुलिस ने इस मामले में शिकायत दर्ज कर दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया है।

दुल्हन पक्ष का आरोप

दिल्ली की रहने वाली 23 साल की दुल्हन कशिश कछवाया की शिकायत के मुताबिक, उसकी शादी 12 मई को वस्त्राल के रहने वाले सागर वाणी से तय थी। 11 मई की रात को सिंधु हॉल में पुलाव की खराब क्वालिटी को लेकर दो पक्षों में आम बहस हुई थी, जो तब तक शांत हो गई थी। लेकिन, देर रात करीब 1 बजे सागर, उसका भाई अमृत और उनके दोस्त वहां आए और गाली-गलौज करते हुए झगड़ा शुरू कर दिया। इस दौरान अमृत के दोस्त ने मेरे पिता के बाएं हाथ में चाकू मार दिया। जबकि चेतन नाम के एक व्यक्ति ने बीच-बचाव में आंटी सारिका के हाथ की हथेली में चाकू मार दिया। सागर, अमृत और अन्य दोस्तों ने मेरी दादी, मां और भाई के साथ भी मारपीट की। इस अफरा-तफरी में कशिश का सोने का मंगलसूत्र, अंगूठी और आंटी का सोने का धागा खो गया। घायलों को इलाज के लिए सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है और सागर, अमृत, चेतन और दो अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। दूल्हे पक्ष का जवाबी आरोप दूसरी ओर, दूल्हे के दोस्त आकाश सिंह परिहार ने दुल्हन पक्ष के खिलाफ जवाबी शिकायत दर्ज कराई है। उनके मुताबिक, रात में डिनर के समय दुल्हन के भाई ऋतिक की यह कहकर बहस हुई कि, 'तुमने बिरयानी की जगह पुलाव क्यों बनाया?' उस समय पुलिस ने आकर सुलह करा दी। लेकिन, देर रात करीब 1:30 बजे ऋतिक ने फिर से गाली-गलौज शुरू कर दी। जब दूल्हे पक्ष के लोग उसे समझाने गए तो ऋतिक ने गुस्से में आकर लोहे की रॉड से आकाश सिंह के सिर पर वार कर दिया। दूसरे लोगों ने सूरज के सिर और चेहरे पर बड़े तवे और धारदार हथियार से वार किया। बीच-बचाव करने आए मदन के भी कंधे में हथियार लगने से खून बहने लगा। आकाश सिंह ने दुल्हन के भाई ऋतिक, पिता कमलेश और एक अन्य व्यक्ति के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है।

पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायतों के आधार पर जांच शुरू कर दी है

कुबेरनगर पुलिस ने मामले को गंभीरता से लिया है और दोनों पक्षों की शिकायतों के आधार पर जांच शुरू कर दी है। शादी जैसा खुशी का मौका खाने को लेकर खूनी लड़ाई में बदल गया, जिससे पूरे इलाके में बहस छिड़ गई। फिलहाल, पुलिस ने इस घटना के सिलसिले में दो लोगों को हिरासत में लिया है और कानूनी कार्रवाई कर रही है।

काशी जैसा जगन्नाथ मंदिर हेरिटेज कॉरिडोर, 35 मंदिरों का होगा रेनोवेशन, 20 करोड़ रुपये का आवंटन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। में साबरमती नदी के किनारे सप्तऋषि के आरा से जगन्नाथ मंदिर तक 35 मंदिरों का रेनोवेशन करने और रास्ता बनाने के लिए 20 करोड़ रुपये का टेंडर मंजूर हो गया है। नगर निगम के मिशन मंदिर प्रोजेक्ट के तहत दो किलोमीटर के एरिया को तीन फेज में मंदिर लिंक सर्किट के तौर पर डेवलप किया जाएगा। डेवलपमेंट पैटर्न वाराणसी जैसा ही होगा। निगम चुनाव खत्म हो गए हैं। अब दूसरे फेज के टेंडर को मंजूरी मिलने के बाद काम शुरू होगा। जगन्नाथ मंदिर से सालाना जल यात्रा के रूट पर सरकारी जमीन पर बने स्लम एरिया में बने घरों को EWS हाउसिंग स्कीम का रूप दिया

जाएगा। इस वजह से तीसरे फेज के टेंडर की रकम काफी बड़ी होने की संभावना है। गुजरात पवित्र तीर्थ विकास बोर्ड द्वारा 155 करोड़ रुपये की ग्रांट के लिए शुरुआती मंजूरी देने के बाद नगर निगम को पंद्रह करोड़ रुपये की ग्रांट आवंटित की गई है। लगभग दो दशकों से कागज़ों पर चल रहा यह प्लान अब हकीकत की ओर बढ़ रहा है। BJP के राज में, कॉर्पोरेशन ने 2015 से 20 के कार्यकाल में जगन्नाथ मंदिर के आसपास के इलाके के डेवलपमेंट के लिए एरियल सर्वे पूरा कर लिया था। लेकिन उस समय यह प्लान ठंडे बस्ते में चला गया था क्योंकि यह तय नहीं हो पा रहा था कि मंदिर के आसपास की झुग्गियों और क्वार्टरों के रीडेवलपमेंट का क्या किया जाए। साल 2025 में, इस प्रोजेक्ट को एक बार फिर नए रूप में एडमिनिस्ट्रेशन ने पेश किया और मंज़ूरी मांगी। वसंत चौक, भद्रा और अटल घाट जो एलिस ब्रिज और नेहरू ब्रिज के बीच हैं। इस इलाके और इसके आसपास मौजूद पुराने मंदिर के रेनोवेशन के लिए 19.61 करोड़ रुपये का टेंडर मंज़ूर किया गया। दूसरे फेज़ में, हेरिटेज सेंटर के साथ मल्टी-लेवल पार्किंग और फ़ूड प्लाज़ा बनाने के लिए 70 करोड़ रुपये से ज़्यादा का टेंडर मंज़ूरी प्रोसेस में है। नए पदाधिकारियों और कमेटियों के बनने के बाद मंज़ूरी प्रोसेस पूरा होने के बाद, टेम्पल लिंकिंग सर्किट प्रोजेक्ट का काम शुरू होने की संभावना है।

पुलिस ने नरेंद्र मोदी स्टेडियम और वस्त्राल में रेड मारी, IPL पर सट्टा लगाते दो लोग पकड़े गए

महानगर मेट्रो ब्यूरो

चांदखेड़ा। पुलिस स्टेशन के स्टाफ नरेंद्र मोदी स्टेडियम में गुजरात टाइटन्स और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच मैच के दौरान सिक्योरिटी चेक कर रहे थे। इस दौरान पुलिस की नजर ब्लॉक-ञ्च में बैठे एक व्यक्ति पर पड़ी। आरोपी की पहचान खेड़ा जिले के सेवलिया के 30 साल के तोसिफ पोरा के रूप में हुई है। आरोपी स्टेडियम की सीट नंबर 40 पर बैठकर मोबाइल एप्लीकेशन के जरिए सट्टा लगाता था। पुलिस ने उसके पास से 25,000 रुपये का मोबाइल जब्त किया है। पूछताछ में पता चला कि उसने पंचमहल के कमलकुमार रमेशभाई पटेल से 42,000 रुपये में बेटिंग ढ्ढष्ठ खरीदी थी। वस्त्राल में वेबसाइट पर बेटिंग मिली जानकारी के आधार पर, रामोल पुलिस स्टेशन की एक टीम ने रात 1 बजे छापा मारा और 27 साल के रोनकसिंह बोडाना को हिरासत में लिया, जो ऑनलाइन बेटिंग कर रहा था। आरोपी ALLPANELwy|.COM नाम की वेबसाइट के ज़रिए लाइव IPL मैचों पर बेटिंग कर रहा था। पुलिस ने आरोपी के पास से 20,000 रुपये का मोबाइल फ़ोन ज़ब्त किया और गैंबलिंग एक्ट की धारा 12 के तहत मामला दर्ज किया। अहमदाबाद पुलिस ने दोनों मामलों में गुजरात गैंबलिंग एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है और आगे की जांच कर रही है। पुलिस ने यह पता लगाने के लिए जांच तेज़ कर दी है कि इस बेटिंग के तार कहां तक जुड़े हैं और इस ऑनलाइन सिंडिकेट के पीछे और कितने लोग शामिल हैं।

PM मोदी के बाद अमित शाह गुजरात आएंगेः 16 और 17 मई को अहमदाबाद-गांधीनगर में प्रोग्राम में शामिल होंगे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। पश्चिम बंगाल समेत राज्यों में शानदार जीत के बाद केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह पहली बार गुजरात आने वाले हैं। वे 16 और 17 मई को अहमदाबाद और गांधीनगर में प्रोग्राम में शामिल होंगे। वे नगर निगम के नए बने कॉर्पोरेटर से मिलेंगे। वे अहमदाबाद और गांधीनगर लोकसभा के डेवलपमेंट कामों को लेकर नगर निगम के अधिकारियों के साथ मीटिंग भी करेंगे। संभावना है कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में अहमदाबाद के मेयर समेत पांच खास पदाधिकारियों की नियुक्ति की जाएगी।

16 और 17 मई को गुजरात के दो दिन के दौरे पर आएंगे गांधीनगर लोकसभा के सांसद और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 16 और 17 मई को अहमदाबाद आएंगे। पश्चिम बंगाल समेत राज्यों में BJP की शानदार जीत और राज्य में हुए लोकल बॉडी इलेक्शन के बाद यह पहली बार है जब गृह मंत्री गुजरात आ रहे हैं। राज्य के सभी म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन, नगर पालिकाओं, ज़िला पंचायतों और तालुका पंचायतों में प्रेसिडेंट और मुख्य पदाधिकारियों की नियुक्ति अभी बाकी है, लेकिन संभावना है कि गृह मंत्री के गुजरात दौरे के दौरान नामों की घोषणा की जाएगी। अमित शाह की मौजूदगी में अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के पदाधिकारियों की नियुक्ति हो सकती है। 14 मई के बाद, सभी म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन में मेयर और डिप्टी मेयर के पदों के लिए चुनाव कराने के लिए म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन में कमिश्नर द्वारा एक आम बैठक बुलाई जाएगी और स्टैंडिंग चेयरमैन के लिए घोषणा की जाएगी। इसलिए, इस बात की पूरी संभावना है कि अहमदाबाद में भी केंद्रीय गृह मंत्री की मौजूदगी में मेयर समेत मुख्य पदाधिकारियों की घोषणा की जाएगी। अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन राज्य का सबसे बड़ा म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन है, इसलिए मेयर समेत पदाधिकारियों की नियुक्ति के लिए चर्चा के बाद नामों की घोषणा की जाएगी। स्ष्ट 16 मई को विकास के कामों पर अधिकारियों के साथ मीटिंग करेगी केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह 16 मई को अहमदाबाद में साउथ वेस्ट ज़ोन के ऑफिस में गांधीनगर लोकसभा के तहत अहमदाबाद में करोड़ों रुपये के विकास के कामों, झीलों को जोड़ने, मानसून में मिशन 5 मिलियन पेड़ लगाने जैसे कई मुद्दों पर म्युनिसिपल कमिश्नर और दूसरे बड़े अधिकारियों के साथ मीटिंग करेंगे। गांधीनगर लोकसभा के तहत आने वाले इलाकों में विकास के कामों को तेज़ी से पूरा करने पर भी चर्चा हो सकती है और गांधीनगर इलाके के विकास के कामों पर भी मीटिंग होगी। गांधीनगर मधुर डेयरी के मिल्क प्रोसेसिंग प्लांट के उद्घाटन समारोह में शामिल होंगे 17 मई को, केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह गांधीनगर डिस्ट्रिक्ट मिल्क प्रोड्यूसर्स कोऑपरेटिव सोसाइटी द्वारा चलाए जा रहे मधुर डेयरी के नए मिल्क प्रोसेसिंग प्लांट के उद्घाटन समारोह में शामिल होंगे। वह चिलोडा के पास दशेला के पास नए बने मिल्क प्रोसेसिंग प्लांट का उद्घाटन करेंगे और एक पब्लिक मीटिंग को भी संबोधित करेंगे। प्रोग्राम दोपहर 1:00 बजे तय है। केंद्रीय गृह मंत्री पूरे मिल्क प्लांट का निरीक्षण करेंगे और फिर मीटिंग की जगह पर लोगों को संबोधित करेंगे।

महतारी वंदन योजना के तहत विशेष शिविर आयोजित, बड़ी संख्या में महिलाओं ने करवाया ई-केवाईसी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। माताओं एवं बहनों को राज्य शासन की महत्वाकांक्षी महतारी वंदन योजना का पूर्ण लाभ दिलाने तथा कोई भी पात्र हितग्राही योजना से वंचित न रहे, इसी उद्देश्य को लेकर आज वार्ड क्रमांक 46, तेली पारा स्थित अम्बेडकर भवन में विशेष शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में क्षेत्र की महिलाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए बड़ी संख्या में पहुंचकर अपना ई-केवाईसी पूर्ण कराया एवं योजना का लाभ प्राप्त किया। शिविर के दौरान महिलाओं को महतारी वंदन योजना से संबंधित आवश्यक जानकारी भी प्रदान की गई तथा पात्र हितग्राहियों की समस्याओं का त्वरित समाधान करते हुए उन्हें आवश्यक मार्गदर्शन दिया गया। महिलाओं की भारी उपस्थिति और सकारात्मक सहभागिता यह दर्शाती है कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाएं अब अंतिम व्यक्ति तक प्रभावी रूप से पहुँच रही हैं। शिविर के आयोजक भाजयुमो जिला मंत्री सुनील सेन ने कहा हमारा निरंतर प्रयास है कि सरकार की प्रत्येक जनहितकारी एवं जनकल्याणकारी योजना का लाभ सरल, पारदर्शी एवं सुगम तरीके से समाज के हर जरूरतमंद व्यक्ति तक पहुँचे, ताकि कोई भी पात्र हितग्राही अपने अधिकार एवं लाभ से वंचित न रहे। इस शिविर में विशेष रूप से माधव साहू (माधव ग्राहक सेवा केंद्र), शैलेन्द्र सिंह, तीरथ साहू, विनोद यादव, टिकेश्वर राजपूत (टिंकू) आंगनबाड़ी कार्यकर्ता तरुणा दीदी एवम देवकुमारी दीदी का सहयोग रहा।

पीएम-आशा योजनांतर्गत दलहन-तिलहन फसलों की खरीदी पर किसानों को 1.86 करोड़ रूपए का भुगतान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव. भारत सरकार की प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान (पीएम-आशा) योजना अंतर्गत जिले में दलहन एवं तिलहन फसलों की समर्थन मूल्य पर खरीदी का कार्य निरंतर जारी है। अब तक जिले में चना, मसूर, सरसों, अरहर एवं सोयाबीन फसलों का उपार्जन केन्द्रों में विक्रय किया जा चुका है। जिसमें 428 कृषकों को लगभग 1.86 करोड़ रूपए की राशि उनके बैंक खातों में हस्तांतरित की जा चुकी है। शेष राशि के भुगतान की प्रक्रिया जारी है। उप संचालक कृषि टीकम सिंह ठाकुर ने बताया कि जिले में प्रधानमंत्री आशा योजना के तहत प्राथमिक कृषि सहकारी समितियों के 15 उपार्जन केन्द्रों तथा एक एफपीओ स्वर्ण उपज महिला किसान उत्पादक प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड सुकुलदैहान द्वारा दलहन-तिलहन फसलों की खरीदी की जा रही है। जिले में चना के पंजीकृत 8942 हेक्टेयर रकबे से 10717.50 क्विंटल, मसूर के 2238 हेक्टेयर रकबे से 1510 क्विंटल, सरसों के 830 हेक्टेयर रकबे से 490 क्विंटल, अरहर के 127 हेक्टेयर रकबे से 413 क्विंटल तथा सोयाबीन के 399 हेक्टेयर रकबे से 7350 क्विंटल उपज की खरीदी की जा चुकी है। राज्य सरकार द्वारा नाफेड के माध्यम से दलहन एवं तिलहन फसलों की खरीदी की जा रही है। इसके लिए समर्थन मूल्य सोयाबीन हेतु 5328 रूपए प्रति क्विंटल, अरहर हेतु 8000 रूपए प्रति क्विंटल, चना हेतु 5875 रूपए प्रति क्विंटल, मसूर हेतु 7000 रूपए प्रति क्विंटल तथा सरसों हेतु 6200 रूपए प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है उप संचालक कृषि टीकम सिंह ठाकुर ने जिन कृषकों ने अब तक अपनी दलहन-तिलहन फसलों का विक्रय नहीं किया है। वे 31 मई 2026 तक अपने निकटतम उपार्जन केन्द्र में पहुंचकर शासन की इस महत्वाकांक्षी योजना का लाभ उठाएं तथा अपनी उपज का उचित मूल्य प्राप्त करने की अपील की है।

भीनमाल में मानवता और जीवदया की अनूठी मिसालः भारत विकास परिषद ने किया आरओ प्याऊ का उद्घाटन, पक्षियों के लिए बांधे परिंडे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भीनमाल। क्षेत्र में पड़ रही भीषण गर्मी और उमस से आमजन व मूक पशु-पक्षियों को राहत देने के लिए भारत विकास परिषद (शाखा भीनमाल) ने एक सराहनीय सेवा कार्य की शुरुआत की है। परिषद द्वारा स्थानीय खेल स्टेडियम के सामने विधिवत रूप से शुद्ध एवं ठंडे पानी के आरओ प्याऊ का भव्य उद्घाटन किया गया। इसके साथ ही बेजुबान पक्षियों के लिए शहर के विभिन्न हिस्सों में मिट्टी के परिंडे बांधकर नियमित जलापूर्ति का संकल्प लिया गया।

प्रमुख स्थान पर प्याऊः राहगीरों और मरीजों को मिलेगा सीधा लाभ

उद्घाटन अवसर पर परिषद के शाखा संरक्षक अमृतलाल डी. प्रजापत ने प्याऊ की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्यासे को पानी पिलाना सबसे बड़ा पुण्य का कार्य है। यह प्याऊ राजकीय अस्पताल और पुलिस थाने के बिल्कुल नजदीक स्थापित की गई है। इस व्यस्त मार्ग से गुजरने वाले हजारों राहगीरों, अस्पताल में आने वाले मरीजों, उनके परिजनों और पुलिसकर्मियों को अब भीषण गर्मी में भटकना नहीं पड़ेगा। उन्हें चौबीसों घंटे शुद्ध और शीतल पेयजल आसानी से सुलभ हो सकेगा।

जीवदयाः पक्षियों के लिए परिंडे और नियमित पानी का जिम्मा

भीषण गर्मी में इंसानों के साथ-साथ बेजुबान पक्षी भी पानी की बूंद-बूंद के लिए परेशान होते हैं। इस समस्या को देखते हुए परिषद के सदस्यों ने शहर के विभिन्न पेड़ों और सार्वजनिक स्थानों पर मिट्टी के सुंदर परिंडे लटकाए। शाखा अध्यक्ष डॉ. प्रेमराज परमार ने बताया कि केवल परिंडे लगाना ही हमारा उद्देश्य नहीं है। गर्मी के पूरे सीजन में इन परिंडों में नियमित रूप से ठंडा पानी भरा रहे, इसके लिए परिषद ने कार्यकर्ताओं की विशेष ड्यूटी लगाकर पुख्ता व्यवस्था सुनिश्चित की है। शाखा सचिव प्रभुराम पांचाल ने संगठन की कार्यप्रणाली की जानकारी देते हुए बताया कि भारत विकास परिषद हमेशा समाज सेवा में अग्रणी रहता है। परिषद मुख्य रूप से अपने पांच बुनियादी सिद्धांतों- सम्पर्क, सहयोग, सेवा, संस्कार और समर्पण के तहत निरंतर जनहित के कार्य कर रही है। यह प्याऊ और परिंडा अभियान इसी सेवा भावना का एक हिस्सा है। प्रांतीय प्रभारी संजीव माथुर ने कार्यक्रम के सफल आयोजन पर खुशी जताते हुए उपस्थित सभी सदस्यों और प्रबुद्ध नागरिकों का आभार व धन्यवाद ज्ञापित किया।

'गलतियाँ' पकड़ने में माहिर, पर 'प्रशंसा' करने में नाकाम

सार्वजनिक आलोचना सुधार नहीं, बल्कि ईर्ष्या का प्रतीक है; गलतियां उसी से होती हैं जो मैदान में उतरकर पसीना बहाता है।

महानगर मेट्रो ब्यूरो

समाज में एक ऐसी विचित्र प्रजाति वास करती है, जिसका मुख्य काम लोगों के अच्छे कार्यों पर मौन साध लेना और जैसे ही कोई छोटी सी चूक दिखे, तो 'बौद्धिक गिद्धों' की तरह उसका पोस्टमार्टम करने के लिए टूट पड़ना है। ये वे लोग हैं जिन्हें दूसरों की सफलता हजम नहीं होती, इसलिए वे कमियां ढूंढकर अपने अहंकार को संतुष्ट करते हैं।

यदि किसी की गलती सुधारना आपका वास्तविक उद्देश्य है, तो वह हमेशा एकांत में बताया जाता है। लेकिन यदि आप सार्वजनिक रूप से किसी की गलती का विश्लेषण करते हैं, तो समझ लीजिए कि आपकी नीयत सुधार की नहीं, बल्कि सामने वाले व्यक्ति को नीचा दिखाने की है। यह आपकी बौद्धिकता नहीं, बल्कि आपकी मानसिक विकृति है। जब कोई व्यक्ति पसीना बहाकर सराहनीय काम करता है, तब इन्हीं लोगों के गले से शब्द नहीं निकलते। तब उनका विश्लेषण कहाँ खो जाता है? किसी के अच्छे काम की कद्र करने के लिए उदार दिल की जरूरत होती है। जो व्यक्ति आपकी गलतियों पर पीएचडी करता है और आपकी प्रशंसा के समय मौन धारण कर लेता है, समझ लीजिए कि वह व्यक्ति ईर्ष्या की आग में जल रहा है।

ऐसे लोग एक बात भूल जाते हैं कि सार्वजनिक रूप से की गई आलोचना असल में 'मुफ्त का प्रचार' है! जब आप किसी की गलती का सार्वजनिक रूप से ढिंढोरा पीटते हैं, तो अनजाने में ही आप उस व्यक्ति का नाम और अधिक लोगों तक पहुँचा देते हैं। जिस काम के लिए मार्केटिंग

कंपनियाँ लाखों रुपये लेती हैं, वह काम ये आलोचक मुफ्त में कर देते हैं। आपकी नकारात्मक पब्लिसिटी भी अंततः आपके नाम की गूँज ही बनाए रखती है।मैदान में खेलने वाले खिलाड़ी से ही कभी ठोकर लगती है या गलती होती है, यह स्वाभाविक है। गैलरी में बैठकर मूंगफली खाने वाले दर्शक जब खिलाड़ी को 'तकनीक' समझाने लगते हैं, तब वह हास्यास्पद लगता है। जिस व्यक्ति ने खुद कभी जोखिम नहीं लिया, जिसने कभी मैदान में पसीना नहीं बहाया, वह दूसरों के साहस में खामियां निकालने के लायक ही नहीं है। दूसरों पर उंगली उठाने वाले लोग यह भूल जाते हैं कि बाकी की तीन उंगलियां अपनी ओर हैं। जो लोग ऐसा दिखावा करते हैं कि उन्होंने जीवन में कभी कोई गलती की ही नहीं, वे वास्तव में सपनों की दुनिया में जीने वाले पाखंडी हैं। गलती होना 'इंसान' होने की निशानी है, और दूसरों की गलतियां निकालना 'खाली' होने की निशानी है। 'गलती उसी से होती है जो काम करता है, बाकी कुछ न करने वालों की तो पूरी जिंदगी दूसरों की गलतियाँ खोजने में ही बीत जाती है। '

यदि आपकी चिंता सच्ची है तो अकेले में कहें, यदि सार्वजनिक रूप से कहते हैं तो वह चिंता नहीं बल्कि आपकी ईर्ष्या है। गलती एक अनुभव है, और उस गलती पर होने वाली आपकी आलोचना आपका मुफ्त प्रचार है। दोनों ही तरह से फायदा आपका ही है!

सूर्य को चाहे कितने ही बादल घेर लें, उसकी तेजस्विता कम नहीं होती। जो लोग आपकी सफलता में खुश नहीं हो सकते, उन्हें अपनी प्रगति से ही जवाब देना श्रेष्ठ है। बहती हुई नदी को पत्थर कभी रोक नहीं सकते, वह अपना रास्ता बनाकर बहती ही रहती है।

- दर्शना पटेल
(नेशनल मेडलिस्ट,
नेशनल अवार्ड से सम्मानित)
स्पोर्ट्स टीचर

शासन की विभिन्न योजनाओं के तहत जनमानस को लाभान्वित करने के लिए बैंकर्स अधिक से अधिक ऋण करें प्रदान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव. कलेक्टर जितेन्द्र यादव की अध्यक्षता में कलेक्टोरेट सभाकक्ष में मार्च 2026 तिमाही के लिए 188वीं जिला स्तरीय समन्वय समिति (डीएससीसी) एवं जिला परामर्शदात्री समिति (डीसीसी) की बैठक आयोजित की गई। कलेक्टर ने कहा कि शासन की विभिन्न योजनाओं के तहत जनमानस को लाभान्वित करने के लिए उन्हें अधिक से अधिक ऋण प्रदान करें। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना, प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उन्नयन योजना, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन सहित विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए आवेदकों के ऋण यथाशीघ्र स्वीकृत करने के लिए कहा। उन्होंने पीएम स्वनिधि योजना की बैंकवार समीक्षा की। कलेक्टर ने सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया एवं छत्तीसगढ़ ग्रामीण बैंक में लंबित प्रकरणों पर नाराजगी जाहिर की एवं इस माह के अंत तक सभी बैंकों को लंबित आवेदन को प्राथमिकता से निराकरण करने कहा। उन्होंने आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को बैंक को त्वरित एवं सुविधाजनक तरीके से वरीयता से करने हेतु जिले के सभी बैंक प्रमुखों से कहा। अन्यव्यवसायी विभाग अंतर्गत पीएम अभ्युदय योजना इस वित्तीय वर्ष के लक्ष्य आने पर इस योजना में गति लाने को कहा।

कलेक्टर ने प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति योजना, अटल पेंशन योजना, निष्क्रिय बैंक खाता, एनआरएलएम एंटरप्राइज फाइनेंस एवं महिला स्वसहायता समूह लिंकेज, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना, पीएमईजीपी, पीएमएमएमई एवं प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना, किसान क्रेडिट कार्ड, मछलीपालन, पशुपालन और डेयरी के सीसी ऋण, अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति हेतु शासकीय योजना के लिए संचालित शासकीय योजनाओं, जिले के मूल बैंकिंग आंकड़ों एवं वार्षिक साख योजना, आरसेटी राजनांदगांव के कार्यों की समीक्षा की।

भारतीय रिजर्व बैंक रायपुर के मैनेजर अविनाश कुमार टोप्पो ने प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के नवीनीकरण हेतु समुचित प्रयास के लिए लीड बैंक एवं संबंधित बैंक शाखा को कहा। मई महीने में ही इस बीमा का नवीनीकरण होना है। आरबीआई रायपुर से बैंकों के कार्य में प्रगति लाने हेतु बैंकों का मार्गदर्शन करने के लिए कहा। जिला पंचायत सीईओ सुश्री सुरूचि सिंह ने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान के तहत महिला स्वसहायता समूहों को अधिक से अधिक ऋण प्रदान करने तथा लाभान्वित करने के लिए कहा। इस दौरान नगर निगम आयुक्त अतुल विश्वकर्मा, लीड बैंक मैनेजर मुनीष शर्मा एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

कुएं, तालाब एवं चंबल नदी के गहरीकरण और सफाई हेतु भारतीय मानव अधिकार सहकार ट्रस्ट का निवेदन

भीषण गर्मी में जल संकट से निपटने की पहलः ट्रस्ट ने नगर पालिका से की जल स्रोतों के गहरीकरण की मांग, निकली हुई उपजाऊ मिट्टी किसानों को देने का दिया सुझाव।

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नागदा । गर्मी के मौसम में नदियों, तालाबों एवं कुओं का जल स्तर लगातार गिरता जा रहा है, जिसके कारण जल संकट की स्थिति उत्पन्न हो रही है। इसी को ध्यान में रखते हुए भारतीय मानव अधिकार सहकार ट्रस्ट द्वारा नागदा नगर पालिका से निवेदन किया गया है कि बंद पड़े कुओं, तालाबों एवं चंबल नदी की सफाई एवं गहरीकरण का कार्य शीघ्र प्रारंभ किया जाए।

ट्रस्ट पदाधिकारियों ने बताया कि यदि समय रहते इन जल स्रोतों की सफाई एवं गहरीकरण किया जाता है, तो भू-जल स्तर में वृद्धि होगी और आने वाले समय में जल संकट से राहत मिलेगी। साथ ही गहरीकरण के दौरान निकलने वाली मिट्टी अत्यंत उपजाऊ होती है, जिसे किसानों को उपलब्ध कराया जाए तो उन्हें आर्थिक लाभ भी प्राप्त हो सकता है।

संगठन ने नागदा के व्यापारी संगठनों, सामाजिक संगठनों, राजनीतिक संगठनों, सोशल वर्करों एवं आम नागरिकों से भी इस मुहिम में सहयोग की अपील की है। पदाधिकारियों ने कहा कि यदि सभी संगठन अपने-अपने स्तर पर एक-एक दिन का श्रमदान करें तो यह अभियान एक जनआंदोलन का रूप ले सकता है।

नागदा में लगभग 100 से अधिक सामाजिक संगठन सक्रिय हैं। यदि स्कूल एवं कॉलेज के विद्यार्थी भी इस अभियान से जुड़ते हैं, तो नगर विकास, स्वच्छता एवं जल संरक्षण के क्षेत्र में एक बड़ा सकारात्मक बदलाव संभव है।

साथ ही नगर पालिका से यह भी मांग की गई कि नालियों एवं नालों की नियमित सफाई कराई जाए, ताकि गंदगी से मुक्ति मिले और वर्षा ऋतु में नालियों का पानी सड़कों पर न आए।

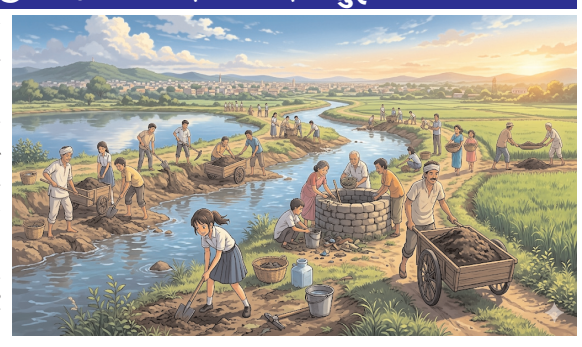

ट्रस्ट द्वारा यह भी बताया गया कि नागदा के समीप स्थित बनबना गांव के तालाब का यदि गहरीकरण किया जाता है, तो आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को भी इसका सीधा लाभ मिलेगा और जल संग्रहण क्षमता में वृद्धि होगी।

इस मुहिम में नगर पालिका के साथ भारतीय मानव अधिकार सहकार ट्रस्ट एवं अधिमान्य पत्रकार कल्याण एकता संघ के पदाधिकारियों एवं पत्रकार साथियों ने भी समर्थन दिया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष जया बघेल, प्रदेश महा सचिव जीवनलाल जैन (पत्रकार), दिलीप बुंदिवाल, संदीप दावरे, राहुल शर्मा,(प्रदेश सह संघठन सचिव) गगन बोहरा,राजू गुप्ता,कैलाश व्यास, सहनवाज खान सहित अन्य पत्रकारों ने इस अभियान में सदैव श्रमदान एवं सहयोग देने की बात कही।

भारतीय मानव अधिकार सहकार ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सुनील सिंह यादव ने कहा कि जल संरक्षण आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। यदि समाज और प्रशासन मिलकर कार्य करें तो आने वाली पीढ़ियों के लिए जल संकट को काफी हद तक कम किया जा सकता है। उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की कि वे जल संरक्षण, स्वच्छता एवं श्रमदान जैसे जनहित कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लें।

संगठन के शिवम तिवारी, कृष्णा यादव, डॉ. प्रेम कुमार वैद्य, रामवेश सिंह राजावत, युवराज सिंह राठौर, मनीष गुप्ता, राहुल शर्मा,जीवनलाल जैन (चाय वाले) ने संयुक्त रूप से कहा कि जल ही जीवन है और जल स्रोतों का संरक्षण प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। समाज के सभी वर्गों को मिलकर इस जनहित अभियान में सहयोग करना चाहिए, जिससे नागदा एवं आसपास के क्षेत्रों में जल स्तर बढ़ सके और आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ एवं सुरक्षित जल उपलब्ध हो सके।

लिए ट्रस्ट प्रतिबद्ध है।

एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स के आईजी भीनमाल दौर पर रहे नशे के सौदागरों को बख्शेंगे नहीं, समाज साथ दे तो राजस्थान बनेगा नशा मुक्त

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भीनमाल । राजस्थान एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स के पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) विकास कुमार ने बुधवार को भीनमाल दौरे के दौरान नशे के खिलाफ बड़ी मुहिम का ऐलान करते हुए कहा कि अब नशे के सौदागरों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने समाज से सीधा संवाद करते हुए कहा' आप हमें नशेड़ियों और नशा बेचने वालों की सूचना दें, हम आपको नशा मुक्त समाज देंगे।' वार्षिक निरीक्षण के तहत भीनमाल पहुंचे आईजी विकास कुमार का पुलिस थाना परिसर में जवानों द्वारा सलामी देकर स्वागत किया। इस दौरान संयुक्त व्यापार संघ अध्यक्ष नरेश अग्रवाल के नेतृत्व में भगवानदास माहेश्वरी सरदाराराम माली, विहिप नेता राव वचनसिंह मणधर, भाजपा नेता जोरावरसिंह राव, युवा नेता सुरेश बंजारा, शेखर व्यास, महादेवा राम घांची, गौ भक्त सुरेश राजपुरोहित खाण्डादेवल व रमेशसिंह राव आदि गणमान्य लोगों द्वारा आईजी व जालोर एसपी शैलेन्द्रसिंह इंदौलिया का साफा व माला पहनाकर स्वागत किया।

थाने का लिया जायजा, अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

आईजी विकास कुमार ने वृताधिकारी कार्यालय एवं भीनमाल पुलिस थाने का गहन निरीक्षण व पौधारोपण किया गया। उन्होंने पुलिस थाना भवन में प्रवेश के दौरान स्वागत कक्ष, वायरलैस मेसेज नॉट की प्रक्रिया, महिला डेस्क, मालखान, अनुसंधान कक्ष, कंप्यूटर कक्ष, जब्त वाहनों की स्थिति व रिकॉर्ड रुम सहित विभिन्न व्यवस्थाओं का बारीकी से अवलोकन कर आवश्यक निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान क्षेत्र में आपराधिक गतिविधियों और विशेष रूप से नशा तस्करी को लेकर अधिकारियों से विस्तृत जानकारी लेकर रोकथाम के लिए नशा तस्करों के खिलाफ लगातार सख्त कार्रवाई जारी रखने तथा युवाओं को नशे से बचाने के लिए जागरूकता अभियान गांव-गांव तक पहुंचाने की हिदायत दी। खाकी पर दाग नहीं लगने दूंगा' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आईजी विकास कुमार ने कहा कि जालोर एसपी शैलेन्द्रसिंह इंदौलिया ने उनके व्यक्तित्व से प्रेरित होकर आईएएस बनने का अवसर छोड़ आईपीएस सेवा को चुना।

प्रदेश को अग्रणी राज्य बनाने के संकल्प के साथ डॉ. रमन सिंह ने मुड़पार में फूंका विकास का शंखनाद

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने रविवार को सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत राजनांदगांव विकासखंड के ग्राम मुड़पार में आयोजित विशाल जनसमस्या निवारण शिविर में शिरकत की। इस दौरान उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत' के सपने को साकार करने के लिए छत्तीसगढ़ और राजनांदगांव को अग्रणी बनाने की दिशा में निरंतर कार्य किए जाएंगे।

विकास कार्यों की झड़ी और बड़ी घोषणा

डॉ. रमन सिंह ने शिविर में 4 करोड़ 50 लाख 59 हजार रूपए की लागत वाले कुल 115 विकास कार्यों का लोकार्पण किया। ग्रामीणों की मांग पर उन्होंने ग्राम मुड़पार से खरखरा नदी तक 2 किलोमीटर लंबी सड़क निर्माण की महत्वपूर्ण घोषणा की, जिससे क्षेत्र के आवागमन में बड़ी सुगमता आएगी।

जनसमस्याओं का एक माह में होगा समाधान

संबोधन में डॉ. रमन ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय स्वयं हेलिकॉप्टर के माध्यम से गांवों में पहुंचकर सुशासन तिहार की निगरानी कर रहे हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि शिविर में प्राप्त आवेदनों का एक माह के भीतर निराकरण कर आवेदकों को सूचित किया जाएगा। उन्होंने आवास योजना का जिक्र करते हुए बताया कि राजनांदगांव जिले में स्वीकृत 10,304 आवासों में से 6,447 पूर्ण हो चुके हैं।

- **प्रधानमंत्री आवासः** जिले में 29 हजार आवास पूर्ण होने के साथ राजनांदगांव प्रदेश में अव्वल है।
- **लखपति दीदीः** समूह की 42 हजार महिलाएं 'लखपति दीदी' बनकर स्वावलंबी हुई हैं।
- **उज्ज्वला योजनाः** 7,119 नए गैस कनेक्शन प्रदान किए गए हैं।
- **आर्थिक सहायताः** आरबीसी 6-4 के तहत सोमनी निवासी सरोज निषाद और ईश्वरदास को 4-4 लाख रुपए के चेक प्रदान किए गए।मेधावी छात्रों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और धामनसरा स्वच्छता समिति को सम्मानित किया गया।

मोदी के राष्ट्रहित के आह्वान में भी राजनीति क्यों?

पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील को इसी व्यापक संदर्भ में देखने की आवश्यकता है। यह केवल सोना न खरीदने या ईंधन बचाने का संदेश नहीं, बल्कि आत्मसंयम, आत्मअनुशासन और राष्ट्रीय जिम्मेदारी का संदेश है। भारतीय संस्कृति का मूल स्वर भी यही रहा है कि व्यक्ति अपने आचरण से समाज और राष्ट्र को मजबूत बनाए। यदि हम संयम को जीवन का हिस्सा बना लें तो अनेक आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय समस्याओं का समाधान स्वतः संभव हो सकता है।

आज पूरी दुनिया एक ऐसे दौर से गुजर रही है, जहां युद्ध, आर्थिक अस्थिरता, ऊर्जा संकट और वैश्विक बाजार की अनिश्चितताओं ने मानव सभ्यता को नई चुनौतियों के सामने खड़ा कर दिया है। खाड़ी देशों में लंबे समय से चल रहे संघर्ष और युद्ध की विभीषिका ने वैश्विक अर्थव्यवस्था को गहरे तक प्रभावित किया है। कच्चे तेल की कीमतों में लगातार वृद्धि, आपूर्ति श्रृंखलाओं का बाधित होना, डॉलर के मुकाबले विभिन्न देशों की मुद्राओं का कमजोर होना और अंतरराष्ट्रीय व्यापार में उत्पन्न असंतुलन ने लगभग हर राष्ट्र की आर्थिक व्यवस्था को प्रभावित किया है। भारत भी इन परिस्थितियों से अछूता नहीं रह सकता। भारत अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा आयात करता है और सोने का भी विश्व के सबसे बड़े उपभोक्ताओं में से एक है। ऐसी स्थिति में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देशवासियों से ईंधन के संयमित उपयोग और सोने की खरीद को सीमित करने का आह्वान केवल एक आर्थिक सलाह नहीं, बल्कि राष्ट्रहित में किया गया दूरदर्शी चिंतन है। दुर्भाग्य यह है कि मोदी की मितव्ययिता की अपील पर पूरे देश को एकजुट होकर गंभीरता से विचार करना चाहिए था, उस विषय को भी राजनीतिक विवाद का हथियार बना दिया गया। कुछ विपक्षी दलों ने प्रधानमंत्री की इस अपील को जनता में भय फैलाने वाला कदम बताया, तो कुछ ने इसे सरकार की विफलताओं को छिपाने का प्रयास कहा। जबकि वस्तुतः यह अपील राष्ट्र को भविष्य की संभावित चुनौतियों के प्रति सचेत करने और समय रहते आत्मानुशासन अपनाने का संदेश है। यह राजनीति का विषय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय जिम्मेदारी का प्रश्न है। जब विश्व के बड़े-बड़े राष्ट्र आर्थिक संकटों से जूझ रहे हों, तब भारत के प्रधानमंत्री यदि नागरिकों को संयम एवं मितव्ययिता का सूत्र देते हैं तो उसे राजनीतिक चश्मे से नहीं, बल्कि राष्ट्रीय दृष्टि से देखा जाना चाहिए। यह पहला अवसर नहीं है, जब प्रधानमंत्री ने देश की तरक्की को बनाए रखने की सामूहिक चिन्ता करते हुए मितव्ययिता एवं संयम की अपील की हो।

भारत की संस्कृति मूलतः संयम प्रधान रही है। भारतीय जीवन-दर्शन में संयम को केवल व्यक्तिगत गुण नहीं, बल्कि जीवन की सबसे बड़ी शक्ति माना गया है। हमारे ऋषियों, मुनियों और महापुरुषों ने सदैव आवश्यकता और विलासिता के बीच अंतर करना सिखाया। महावीर, बुद्ध, गांधी और विनोबा भावे जैसे महापुरुषों ने त्याग और संयम को ही मानवता की सबसे बड़ी शक्ति बताया। भारतीय संस्कृति कहती है कि जितना आवश्यक हो उतना ही उपभोग करो, क्योंकि असीमित उपभोग अंततः संकट को जन्म देता है। यही कारण है कि भारतीय सभ्यता हजारों वर्षों तक टिकाऊ और संतुलित बनी रही। आज जब पूरी दुनिया उपभोक्तावाद के

दुष्परिणाम भुगत रही है, तब भारत की यही संयम आधारित संस्कृति समाधान का मार्ग दिखा सकती है। सोने के प्रति भारतीय समाज का आकर्षण ऐतिहासिक और सांस्कृतिक दोनों स्तरों पर गहरा रहा है। विवाह, पारिवारिक उत्सव, धार्मिक परंपराएं और सामाजिक प्रतिष्ठा में सोने का विशेष स्थान है। लेकिन यह भी एक कठोर सत्य है कि भारत का अधिकांश सोना आयातित होता है। हर वर्ष अरबों डॉलर का विदेशी मुद्रा भंडार सोने के आयात पर खर्च होता है। यह सोना उत्पादन या औद्योगिक विकास में उपयोग होने के बजाय घरों और लॉकरों में बंद होकर निष्क्रिय पड़ा रहता है। ऐसे समय में जब विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव बढ़ रहा हो और रुपये की कीमत लगातार गिर रही हो, तब सोने की खरीद में संयम बरतने की अपील आर्थिक दृष्टि से अत्यंत प्रासंगिक है। यह किसी की परंपराओं के विरोध में नहीं, बल्कि देश की आर्थिक मजबूती के पक्ष में उठाया गया कदम है।

इसी प्रकार ईंधन के उपयोग में संयम भी समय की आवश्यकता है। भारत की ऊर्जा आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा आयातित तेल पर निर्भर है। खाड़ी देशों में युद्ध और अस्थिरता के कारण तेल की कीमतों में लगातार वृद्धि हो रही है। इसका सीधा प्रभाव पेट्रोल, डीजल, परिवहन, उद्योग और महंगाई पर पड़ता है। यदि नागरिक ईंधन के अनावश्यक उपयोग को सीमित करें, सार्वजनिक परिवहन का अधिक उपयोग करें, ऊर्जा बचत को जीवनशैली का हिस्सा बनाएं, तो इससे न केवल देश की अर्थव्यवस्था को राहत मिलेगी, बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी मदद मिलेगी। संयम का अर्थ केवल त्याग नहीं होता, बल्कि दूरदर्शिता और जिम्मेदारी भी होता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील इसी जिम्मेदारी की भावना से प्रेरित प्रतीत होती है। उन्होंने किसी प्रकार की जबरदस्ती या प्रतिबंध की बात नहीं की, बल्कि नागरिकों से स्वैच्छिक सहयोग की अपेक्षा की। यह लोकतांत्रिक नेतृत्व की पहचान है।

एक जिम्मेदार प्रधानमंत्री का कर्तव्य केवल संकट आने पर कदम उठाना नहीं होता, बल्कि संकट के संकेतों को पहचानकर समय रहते जनता को तैयार करना भी होता है। आज जब दुनिया के कई देशों में आर्थिक अस्थिरता के कारण भारी महंगाई, बेरोजगारी और सामाजिक तनाव देखने को मिल रहे हैं, तब भारत अपेक्षाकृत स्थिर स्थिति में है। यह केवल संयोग नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में पिछले वर्षों में अपनाई गई आर्थिक नीतियों, बुनियादी ढांचे के विस्तार, डिजिटल अर्थव्यवस्था, आत्मनिर्भर भारत अभियान और वैश्विक स्तर पर भारत की मजबूत स्थिति का परिणाम है। यह भी उल्लेखनीय है कि विश्वव्यापी संकटों के बावजूद भारत ने अपने नागरिकों पर अत्यधिक आर्थिक बोझ नहीं पड़ने दिया। महामारी से लेकर युद्धजनित परिस्थितियों तक भारत सरकार ने लगातार राहत योजनाएं चलाईं, गरीबों को मुफ्त राशन उपलब्ध कराया, किसानों और मध्यम वर्ग को विभिन्न प्रकार की सहायता दी तथा अर्थव्यवस्था को स्थिर बनाए रखने के लिए अनेक कदम उठाए। वैश्विक मंदी और युद्ध के वातावरण में भी भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल बना हुआ है। यह प्रधानमंत्री मोदी के कुशल नेतृत्व और दूरदर्शिता का प्रमाण है।

दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि देशहित के ऐसे विषयों पर भी कुछ राजनीतिक दल संकीर्ण राजनीति से ऊपर नहीं उठ पा रहे। लोकतंत्र में आलोचना का अधिकार सभी को है, लेकिन हर विषय को राजनीतिक लाभ-हानि के तराजू में तौलना राष्ट्रहित के विरुद्ध है। यदि प्रधानमंत्री जनता से संयम की अपील करते हैं तो विपक्ष को चाहिए कि वह भी जनता को जागरूक करे, न कि भय और भ्रम का वातावरण बनाए। राजनीति तब तक स्वस्थ मानी जाती है जब तक वह राष्ट्रहित से जुड़ी रहे। लेकिन जब राजनीति केवल विरोध के लिए विरोध करने लगे और राष्ट्रीय संकटों को भी अवसर की तरह देखने लगे, तब वह लोकतंत्र को कमजोर करती है। आज आवश्यकता इस बात की है कि पूरा देश एक परिवार की तरह सोचते हुए राष्ट्रीय हित को सर्वोपरि माने। संकट के समय संयम, अनुशासन और सहयोग ही किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी ताकत होते हैं। भारत ने इतिहास में अनेक बार यह सिद्ध किया है कि जब भी राष्ट्र पर संकट आया, भारतीय समाज ने अद्भुत त्याग और एकता का परिचय दिया। स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर युद्धकाल तक, भारतीय जनता ने अपने निजी हितों से ऊपर उठकर राष्ट्रहित को महत्व दिया है। आज फिर वही समय है जब हमें समझना होगा कि अनावश्यक उपभोग, दिखावे की प्रवृत्ति और अंधाधुंध विलासिता अंततः देश की आर्थिक मजबूती को कमजोर करती है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील को इसी व्यापक संदर्भ में देखने की आवश्यकता है। यह केवल सोना न खरीदने या ईंधन बचाने का संदेश नहीं, बल्कि आत्मसंयम, आत्मअनुशासन और राष्ट्रीय जिम्मेदारी का संदेश है। भारतीय संस्कृति का मूल स्वर भी यही रहा है कि व्यक्ति अपने आचरण से समाज और राष्ट्र को मजबूत बनाए। यदि हम संयम को जीवन का हिस्सा बना लें तो अनेक आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय समस्याओं का समाधान स्वतः संभव हो सकता है। आज दुनिया जिस अनिश्चितता और संकट के दौर से गुजर रही है, उसमें भारत अपेक्षाकृत मजबूत स्थिति में खड़ा है। इसका श्रेय देश की जनता की सामर्थ्य के साथ-साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व को भी जाता है। ऐसे समय में आवश्यकता राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप की नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एकता और सकारात्मक सोच की है। संयम केवल आर्थिक नीति नहीं, बल्कि राष्ट्रनिर्माण का आधार है। यदि हम इस भावना को समझ सकें, तो न केवल वर्तमान संकटों का सामना कर पाएंगे, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी एक मजबूत और आत्मनिर्भर भारत का निर्माण कर सकेंगे।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

लीक नहीं ठीक

हमारे तंत्र की नाकामी और परीक्षा तंत्र में भ्रष्टाचारियों की बढ़ती सेंध का ही नतीजा है कि पेपर लीक के बाद नेशनल एलिजिबिलिटी-कम-एंट्रेंस टेस्ट यानी नीट परीक्षा 2026 रद्द कर दी गई। भारत में मेडिकल और डेंटल कोर्सेज में दाखिले के लिए तीन मई को परीक्षा आयोजित की गई थी, जिसमें करीब पौने तेईस लाख छात्रों ने परीक्षा दी थी। ये परीक्षाएं देश के 551 शहरों और विदेशों के 14 शहरों में 5400 केंद्रों पर आयोजित की गई थीं। दरअसल, पेपर लीक होने के आरोपों के बाद जांच एजेंसियों की सिफारिश पर परीक्षा रद्द की गई है। केंद्र सरकार ने कथित रूप से डेटा लीक और धांधली की व्यापक जांच के लिए सीबीआई जांच के आदेश दिए हैं। परीक्षा आयोजित करने वाली संस्था नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने कहा है कि व्यवस्था में विश्वास बहाली के लिए फिर से परीक्षा करने का निर्णय लिया गया है। कहा जा रहा है कि एनटीए ने कानून प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा साझा निष्कर्षों की प्रारंभिक जांच के आधार पर परीक्षा स्थगन का फैसला लिया। निस्संदेह, इस फैसले ने उन लाखों छात्रों को निराश ही किया है जो महीनों से परीक्षा की तैयारी में लगे थे। अब उन्हें नये सिरे से परीक्षा की तैयारी करनी होगी। नीट प्रवेश परीक्षा स्थगित किए जाने के बाद तमाम विपक्षी दलों ने एनटीए व केंद्र सरकार पर तीखे हमले बोले हैं। कहा जा रहा है कि एनटीए में सुधार नहीं, अब पूरी संरचना बदलने की जरूरत है। एक संसदीय समिति की रिपोर्ट का हवाला देकर कहा जा रहा है कि एनटीए के बुनियादी पुनर्गठन की जरूरत है। राजनेता पीपर लीक व प्रश्नपत्रों में गलती सामने आने को छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ बता रहे हैं। साथ ही पूरी परीक्षा प्रणाली को बदलने की मांग की जा रही है। साथ ही एनटीए के उद्देश्य और कार्यक्षमता को लेकर शंका जतायी जा रही है। वहीं कांग्रेस का आरोप है कि एनटीए द्वारा आयोजित 14 राष्ट्रीय परीक्षाओं में से पांच में पेपर लीक और अनियमितताओं के मामले उजागर हुए हैं। इनमें जेईई मेन्स 2025 उत्तर कुंजी के दोषपूर्ण होने पर प्रश्नपत्र में 12 प्रश्न वापस लेने पड़े थे। मांग है कि एनटीए को केंद्रीयकृत करने के बजाय संसद के प्रति जवाबदेह बनाया जाए। वहीं एनटीए कह रहा है कि छात्रों को नया आवेदन नहीं करना होगा, न ही कोई अतिरिक्त परीक्षा शुल्क लगेगा। यह भी कि एनटीए अपने संसाधनों का प्रयोग करके दोबारा परीक्षा आयोजित करेगी। साथ ही एनटीए ने परीक्षा में गड़बड़ी की जवाबदेही स्वीकारी है। दरअसल, आरोप है कि नीट का पेपर ह्यक्वेश्चन बैंकह्न के जरिये लीक किया गया, जिसमें फिजिक्स, कैमिस्ट्री और बायोलॉजी के तीन से ज्यादा सवाल थे। जिसमें आधे हूबहू परीक्षा में आए। आशंका है कि सोशल मीडिया के जरिये ये प्रश्नपत्र लाखों तक पहुंचे। हालांकि, इस मामले का खुलासा सीकर से हुआ, लेकिन कहते हैं कि पेपर पहले केरल से एक मई को आया और उसके तार नासिक से लेकर उत्तराखंड तक जुड़े थे।

क्या नीट परीक्षा दोबारा कराने से समस्या हल हो जायेगी?

सौरभ वार्ष्णेय

देश की सबसे बड़ी मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट हर वर्ष लाखों छात्रों के भविष्य का निर्धारण करती है। ऐसे में यदि परीक्षा की पारदर्शिता पर सवाल उठते हैं, पेपर लीक या धांधली की आशंका सामने आती है, तो छात्रों और अभिभावकों में आक्रोश स्वाभाविक है। इसी संदर्भ में यह सवाल उठ रहा है कि क्या नीट परीक्षा दोबारा कराने से समस्या का समाधान हो जाएगा? या इस पर केंद्र सरकार कड़ी कार्रवाई करते हुए ऐसे सिस्टम के नकारा लोगों पर हंटर चलायेगी जिससे इस लीक माफिया पर ऐसा करना भूल जायें।

पहली दृष्टि में पुनर्परीक्षा एक न्यायसंगत कदम प्रतीत होता है। जिन छात्रों ने ईमानदारी से मेहनत की और परीक्षा प्रक्रिया में गड़बड़ी के कारण स्वयं को ठगा हुआ महसूस किया, उनके लिए दोबारा परीक्षा एक अवसर बन सकती है। इससे यह संदेश भी जाएगा कि सरकार और परीक्षा एजेंसियां निष्पक्षता के प्रति गंभीर हैं तथा किसी भी प्रकार की अनियमितता को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

लेकिन समस्या केवल पुनर्परीक्षा तक सीमित नहीं है। यदि व्यवस्था की खामियां जस की तस बनी रहती हैं, तो दोबारा परीक्षा भी नए विवादों को जन्म दे सकती है। लाखों छात्रों पर मानसिक दबाव, अतिरिक्त आर्थिक बोझ और तैयारी की अनिश्चितता का प्रभाव पड़ता है। कई विद्यार्थी पहले ही अत्यधिक तनाव में रहते हैं; पुनर्परीक्षा उनकी मानसिक स्थिति को और कठिन बना सकती है।

असल प्रश्न यह है कि बार-बार परीक्षा कराने की नौबत क्यों आती है? जब तक परीक्षा प्रणाली में तकनीकी सुरक्षा, प्रश्नपत्र की गोपनीयता, परीक्षा केंद्रों की निगरानी और जवाबदेही मजबूत नहीं होगी, तब तक केवल पुनर्परीक्षा स्थायी समाधान नहीं बन सकती। आवश्यकता इस बात की है कि परीक्षा संचालन में आधुनिक तकनीक, सख्त निगरानी और पारदर्शी जांच व्यवस्था लागू की जाए।

साथ ही, दोषियों पर त्वरित और कठोर कार्रवाई भी उतनी ही आवश्यक है। यदि पेपर लीक या भ्रष्टाचार में शामिल लोगों को राजनीतिक या प्रशासनिक संरक्षण मिलता रहेगा, तो छात्रों का विश्वास लगातार कमजोर होगा। शिक्षा व्यवस्था में विश्वास बनाए रखना किसी भी लोकतंत्र की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

यदि व्यापक स्तर पर अनियमितता सिद्ध होती है तो पुनर्परीक्षा आवश्यक कदम हो सकता है, लेकिन इसे अंतिम समाधान नहीं माना जा सकता। वास्तविक समाधान परीक्षा प्रणाली में सुधार, जवाबदेही तय करने और छात्रों के विश्वास को पुनर्स्थापित करने में निहित है। केवल परीक्षा दोबारा कराने से नहीं, बल्कि व्यवस्था को ईमानदार और मजबूत बनाने से ही भविष्य सुरक्षित होगा।

नीट पेपर लीक करने वालों पर कार्रवाई कब?

लाखों विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों की मेहनत पर पानी फेरने वाले पेपर लीक गिरोहों के खिलाफ आखिर ठोस कार्रवाई कब होगी, यह सवाल आज पूरे देश में गूंज रहा है। हर वर्ष परीक्षा के बाद पेपर लीक, धांधली और नकल माफिया की खबरें सामने आती हैं, लेकिन कार्रवाई की गति इतनी धीमी रहती है कि लोगों का भरोसा व्यवस्था पर कमजोर पड? लगता है।सरकार और जांच एजेंसियां दावा करती हैं कि दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। कई राज्यों में गिरफ्तारियां भी हुई हैं, कुछ कोचिंग सेंटरों और दलालों पर छापेमारी भी हुई। लेकिन असली चिंता यह है कि क्या केवल छोटे एजेंटों को पकड़ लेने से समस्या खत्म हो जाएगी? जब तक इस पूरे नेटवर्क के बड़े सरगनाओं, भ्रष्ट अधिकारियों और तकनीकी मिलीभगत करने वालों तक जांच नहीं पहुंचेगी, तब तक ऐसे अपराध रुकना मुश्किल है।पेपर लीक केवल एक परीक्षा में गड़बड़ी नहीं, बल्कि देश के युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ है। एक मेहनती छात्र वर्षों तक तैयारी करता है, जबकि कुछ लोग पैसे और पहुंच के दम पर व्यवस्था को कमजोर कर देते हैं। इससे प्रतिभाशाली छात्रों का मनोबल टूटता है और शिक्षा व्यवस्था की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े होते हैं।जरूरत केवल कार्रवाई की घोषणा करने की नहीं, बल्कि त्वरित और उदाहरण प्रस्तुत करने वाली सजा देने की है। यदि पेपर लीक मामलों की सुनवाई के लिए विशेष अदालतें बनें, डिजिटल सुरक्षा मजबूत हो, परीक्षा प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी बने और दोषियों की संपत्ति जब्त करने जैसे कठोर कदम उठाए जाएं, तभी वास्तविक डर पैदा होगा। सरकार को यह समझना होगा कि युवाओं का विश्वास किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी पूंजी है। यदि प्रतियोगी परीक्षाओं की निष्पक्षता पर लगातार प्रश्न उठते रहे, तो यह केवल शिक्षा व्यवस्था ही नहीं, बल्कि देश की प्रतिभा और भविष्य दोनों के लिए गंभीर खतरा बन जाएगा।

ईरानी विमानों को अपने यहाँ छिपा कर पाकिस्तान ने उतार दिया 1971 का कर्ज

नीरज कुमार दुबे

1971 के भारत पाकिस्तान युद्ध के दौरान जब भारतीय हमलों से बचाने के लिए ईरान ने पाकिस्तानी सैन्य विमानों और संसाधनों को सुरक्षित ठिकाना उपलब्ध कराया था, तब शायद किसी ने नहीं सोचा होगा कि पांच दशक बाद पाकिस्तान उसी एहसान का बदला चुकाता दिखाई देगा। अब आरोप लग रहे हैं कि अमेरिका की संभावित सैन्य कार्रवाई और क्षेत्रीय तनाव के बीच पाकिस्तान ने ईरानी विमानों को अपने सैन्य ठिकानों पर सुरक्षित शरण दी। इस तरह इस्लामाबाद ने तेहरान का पुराना कर्ज तो उतार दिया है लेकिन अब वह खुद संकट में फंसता दिखाई दे रहा है। हालांकि पाकिस्तान ने इन आरोपों को सिरे से खारिज किया है, लेकिन इस पूरे घटनाक्रम ने दक्षिण एशिया और पश्चिम एशिया की जटिल कूटनीतिक राजनीति को फिर से चर्चा के केंद्र में ला दिया है।

पाकिस्तानी अधिकारियों ने बताया है कि इस तरह के दावे वास्तविकता से परे हैं, क्योंकि नूर खान वायुसेना अड्डा राजधानी के अत्यंत व्यस्त और आबादी वाले हिस्से में स्थित है। पाकिस्तान का कहना है कि वहां किसी भी बड़े सैन्य बेडे या विमानों को छिपाकर रखना संभव ही नहीं है। दूसरी ओर अमेरिकी प्रशासन ने भी अब तक सार्वजनिक रूप से पाकिस्तान पर कोई सीधा आरोप नहीं लगाया है, जिससे स्थिति और अधिक जटिल दिखाई दे रही है।

सूत्रों के अनुसार ईरान ने संभावित खतरे को देखते हुए अपने कुछ नागरिक विमानों को पड़ोसी अफगानिस्तान की ओर भेजा। अफगान नागरिक उड्डयन विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि महान एयर का एक विमान संघर्ष तेज होने से पहले काबुल पहुंचा था और बाद में सुरक्षा कारणों से उसे हेरात स्थानांतरित कर दिया गया। बताया गया कि अफगान क्षेत्र में पाकिस्तानी हवाई हमलों की खबरों के बाद यह आशंका पैदा हो गई थी कि काबुल हवाई अड्डा भी संभावित निशाना बन सकता है। इन घटनाओं ने दक्षिण एशिया के जानकारों को 1971 के दौर की याद दिला दी है। उस समय शाह मोहम्मद रजा पहलवी के नेतृत्व वाला ईरान पाकिस्तान का प्रमुख समर्थक बनकर सामने आया था। तेहरान ने इस्लामाबाद को हेलिकाप्टर, ईंधन, गोला बारूद और सैन्य उपकरणों के कलपुर्जे उपलब्ध कराए थे। कई रिपोर्टों में यह भी उल्लेख मिलता है कि पाकिस्तान के कुछ सैन्य विमानों ने ईरानी वायुसेना अड्डों पर शरण ली थी।

बाद में सार्वजनिक हुए अमेरिकी दस्तावेजों से पता चला था कि तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन प्रशासन ने पर्दे के पीछे ईरान को पाकिस्तान की सहायता के लिए प्रोत्साहित किया था। उस दौर में अमेरिका और चीन दोनों ही पाकिस्तान को कमजोर होने से बचाना चाहते थे। शीत युद्ध के समय ईरान और पाकिस्तान दोनों सोवियत विरोधी सैन्य गठबंधन सेन्टो के सदस्य थे और निक्सन प्रशासन इन्हें क्षेत्र में सोवियत प्रभाव को रोकने वाले महत्वपूर्ण साझेदार मानता था।

पांच दशक बाद वैश्विक राजनीतिक समीकरण पूरी तरह बदल चुके हैं। आज ईरान अमेरिका का प्रमुख पश्चिम एशियाई प्रतिद्वंद्वी माना जाता है, जबकि पाकिस्तान दक्षिण एशिया में चीन का सबसे करीबी सुरक्षा सहयोगी बन चुका है। चीन ने हाल के समय में अमेरिका और ईरान के बीच अप्रत्यक्ष संपर्क स्थापित कराने में पाकिस्तान की भूमिका की सार्वजनिक सराहना भी की है। इस बदलती परिस्थिति में पाकिस्तान का संतुलन साधना पहले से कहीं अधिक कठिन हो गया है।

पाकिस्तान एक ओर चीनी सैन्य उपकरणों पर अत्यधिक निर्भर है। रिपोर्टों के अनुसार 2020 से 2024 के बीच पाकिस्तान के प्रमुख हथियार आयात का लगभग अस्सी प्रतिशत हिस्सा चीन से आया। वहीं दूसरी ओर इस्लामाबाद अमेरिका के साथ अपने सैन्य और खुफिया संबंधों को फिर से मजबूत करने की कोशिश भी कर रहा है, जो बराक ओबामा प्रशासन के दौरान काफी कमजोर पड़ गए थे।

पाकिस्तानी अधिकारी लगातार यह संदेश देने का प्रयास कर रहे हैं कि तेहरान के साथ उनके संबंध किसी गुप्त सैन्य सहयोग की बजाय क्षेत्रीय स्थिरता के लिए रचनात्मक कूटनीति का हिस्सा हैं। पाकिस्तान समय समय पर अमेरिका और ईरान के बीच मध्यस्थता की पेशकश भी करता रहा है। उसका दावा है कि दोनों देशों के साथ कार्यकारी संबंध बनाए रखने की उसकी क्षमता क्षेत्रीय तनाव कम करने में सहायक हो सकती है।

इसके बावजूद अमेरिकी सुरक्षा प्रतिष्ठान के एक प्रभावशाली हिस्से में पाकिस्तान को लेकर संदेह अब भी गहराई से मौजूद है। अल कायदा सरगना ओसामा बिन लादेन की पाकिस्तान में मौजूदगी की स्मृति आज भी अमेरिका पाकिस्तान संबंधों पर भारी पड़ती है। अमेरिकी अधिकारी और सांसद लंबे समय से पाकिस्तान की सुरक्षा व्यवस्था के कुछ तत्वों पर इस्लामी उग्रवादी संगठनों के साथ चयनात्मक संबंध रखने के आरोप लगाते रहे हैं, हालांकि पाकिस्तान इन आरोपों को लगातार नकारता आया है।

ताजा आरोपों ने अमेरिकी संसद में भी नई बहस छेड़ दी है। अमेरिकी सीनेटर लिंडसे ग्राहम ने चेतावनी दी है कि यदि पाकिस्तान द्वारा ईरान को सैन्य सहायता या शरण देने की खबरें सही साबित होती हैं, तो अमेरिका को ईरान और पाकिस्तान के बीच मध्यस्थ के रूप में इस्लामाबाद की भूमिका का पूरी तरह पुनर्मूल्यांकन करना पड़ सकता है। इस पूरे घटनाक्रम ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया है कि दक्षिण एशिया और पश्चिम एशिया की राजनीति में पुराने रिश्ते, सामरिक हित और बदलते वैश्विक गठबंधन आज भी गहराई से प्रभाव डाल रहे हैं।

बहरहाल, विशेषज्ञों का मानना है कि पाकिस्तान पर आंख मूंदकर भरोसा करना अमेरिका सहित कई देशों के लिए पहले भी भारी पड़ चुका है। हाल के वर्षों में अमेरिकी रणनीतिक और सुरक्षा रिपोर्टों में भी यह संकेत दिया गया था कि पाकिस्तान की नीतियां भविष्य में अमेरिका के लिए प्रत्यक्ष चुनौती बन सकती हैं। कुछ विश्लेषणों में पाकिस्तानी सेना प्रमुख आसिम मुनीर को भी ऐसे व्यक्ति के रूप में देखा गया है जिनके फैसले क्षेत्रीय अस्थिरता बढ़ा सकते हैं और अमेरिकी हितों के लिए संकट खड़ा कर सकते हैं। यही कारण है कि वाशिंगटन में यह राय मजबूत होती जा रही है कि पाकिस्तान के साथ किसी भी सामरिक या कूटनीतिक साझेदारी में अमेरिका को अत्यंत सावधानी और सतर्कता बरतनी होगी।

चिंतन-मनन

संत का धन

उन दिनों विजय नगर में संत पुरंदर की ख्याति बढ़ती ही जा रही थी। हर प्रकार के मोह-माया से मुक्त त्यागमूर्ति पुरंदर अपनी पत्नी के साथ नगर से बाहर एक कुटिया में रहते थे और भिक्षा मांग कर गुजारा करते थे। उनके नाम की चर्चा उड़ते-उड़ते राजा कृष्णदेव राय तक भी पहुंची। उन्हें लगा कि उन्हें संत के लिए कुछ करना चाहिए। एक दिन उन्होंने तेनालीराम से कहा- जाओ संत पुरंदर से कहो कि वे भिक्षा के लिए दर-दर न भटकें और केवल राजमहल से भिक्षा लिया करें। राजा ने इसी बहाने उनकी दरिदता दूर करने का उपय सोच लिया था। अब संत रोज राजमहल आने लगे।

उन्हें भिक्षा में अनाज के साथ छोटे-मोटे कीमती पत्थर भी दिए जाते थे। राजा को लगता था कि संत के पास जल्दी ही अच्छी-खासी संपत्ति जमा हो जाएगी। पर मन में सवाल भी उठता था कि आखिर ये कैसे संत हैं जो ये कीमती रत्न स्वीकार कर रहे हैं। कहीं ये संत होने का ढोंग तो नहीं कर रहे। एक दिन राजा और तेनालीराम भेस बदलकर संत की कुटिया में पहुंचे। राज को देखकर हैरत हुई कि संत की कुटिया में कोई बदलाव नहीं आया था। उनकी पत्नी चावल बीनते हुए बुदबुदा रही थीं कि पता नहीं कहां से कंकड़-पत्थर आ जाते हैं। राजा ने चावल हाथ में लेकर कहा-पर ये तो हीरे-मोती हैं। इनसे आपकी दरिदता दूर हो सकती थी। संत की पत्नी ने कहा-हमारे लिए तो ये कंकड़-पत्थर ही हैं। धन और विनम्रता ही हमारा धन है। यह सुनकर राजा लज्जित हो गए। उन्होंने संत और उनकी पत्नी से क्षमा मांगी।

'न नीला पड़ा शव, न चोट के निशान...', दोस्त ने बताया प्रतीक को किस हाल में ले गए थे अस्पताल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुलायम सिंह के बेटे और अखिलेश यादव के भाई प्रतीक यादव का बुधवार सुबह अचानक निधन हो गया. परिवार के करीबी मुकेश बहादुर सिंह ने बताया कि प्रतीक घर में अचानक बेहोश होकर गिर पड़े थे, जिसके बाद उन्हें सिविल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया. मुलायम सिंह यादव के बेटे और अखिलेश यादव के भाई प्रतीक यादव आज सुबह लखनऊ के सिविल अस्पताल में निधन हो गया. उनकी मौत ने सभी को चौंका दिया है. फिलहाल शव का पोस्टमार्टम करा लिया गया है. उनकी मौत पर अपर्णा यादव और प्रतीक यादव परिवार के करीबी बिजनेसमैन मुकेश बहादुर सिंह का बयान आया है. वह सुबह से अपर्णा के भाई अमन बिष्ट के साथ पोस्टमार्टम हाउस में मौजूद थे.

उन्होंने आज तक को बताया कि प्रतीक की एकदम से तबीयत बिगड़ी और वह घर में किचन में बेसुध होकर गिर पड़े. जिसके बाद उन्हें आनन-फानन में सिविल अस्पताल के जाया गया. मुकेश ने कहा मैंने बॉडी को करीब से देखा है और जो कयास लगाए जा रहे हैं वो कतई गलत हैं. डॉक्टर बेहतर जानते हैं और पीएम रिपोर्ट का इंतजार करना पड़ेगा. लेकिन जितना मैं शव को देख पाया हूं न तो शव नीला पड़ा और न ही किसी चोट के निशान दिखाई पड़ रहे हैं.

डेढ़ बजे तक लखनऊ पहुंचेंगी अपर्णा

इस बीच मुकेश बहादुर के फोन पर बार-बार अपर्णा यादव का फोन भी आ रहा था. वह लगातार उनके टच में हैं. मुकेश ने कहा अपर्णा फ्लाइट से लखनऊ आ रही हैं, लगभग डेढ़ बजे तक वह आ जाएंगी. प्रतीक का पार्थिव शरीर एक घंटे में पीएम हाउस से निकाला जाएगा.

आपको बता दें कि प्रतीक यादव राजनीति से दूरी बनाकर रखते थे और मुख्य रूप से बिजनेस गतिविधियों में सक्रिय थे. उनका व्यवहार बेहद शांत और सौम्य था. परिवार के करीबी लोगों के अनुसार, वह फिटनेस और स्वास्थ्य को लेकर भी काफी जागरूक रहते थे. खुद का फिटनेस बिजनेस भी चलाते थे. पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार उनके निधन की खबर सामने आने के बाद समाजवादी पार्टी के कई नेता, कार्यकर्ता और समर्थक यादव परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त कर रहे हैं. लखनऊ में परिवार के आवास पर लोगों का पहुंचना लगातार जारी है. राजनीतिक गलियारों में भी इस खबर को लेकर गहरा दुख व्यक्त किया जा रहा है.

कॉरिडोर निर्माण के लिए बुलडोजर एक्शन, लोगों का आरोप-अभी तक नहीं मिला मुआवजा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बाराबंकी। यूपी के बाराबंकी में लोधेश्वर महादेव धाम कॉरिडोर निर्माण को लेकर प्रशासन ने कार्रवाई तेज कर दी है. आज बुधवार को अधिग्रहित भवनों और निर्माणों को हटाने के लिए बुलडोजर अभियान चलाया गया. इस दौरान कई मकानों और निर्माणों को ध्वस्त कर दिया गया. हालांकि कार्रवाई के बीच कुछ प्रभावित परिवारों ने मुआवजा न मिलने का आरोप लगाते हुए विरोध भी जताया.

प्रशासन के अनुसार, लोधेश्वर महादेव धाम को धार्मिक और पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए कॉरिडोर प्रोजेक्ट पर काम किया जा रहा है. इसी के तहत मंदिर परिसर के आसपास की जमीन का अधिग्रहण किया गया है. जिलाधिकारी के निर्देश पर तहसील प्रशासन और पर्यटन विभाग की टीम ने महादेवा क्षेत्र में बुलडोजर एक्शन शुरू किया.

उपजिलाधिकारी आनंद कुमार तिवारी की मौजूदगी में अधिग्रहित भवनों को हटाया गया. प्रशासन का कहना है कि कॉरिडोर निर्माण के लिए जमीन खाली कराई जा रही है, ताकि प्रोजेक्ट तय समय पर पूरा हो सके. इस मौके पर प्रशासनिक अधिकारियों के साथ पुलिस बल भी तैनात रहा, ताकि किसी तरह की अव्यवस्था न हो. मंदिर से जुड़े पुजारियों ने कहा कि यह कार्रवाई महादेवा कॉरिडोर प्रोजेक्ट के तहत की जा रही है. प्रशासन का दावा है कि अधिकांश प्रभावित लोगों को मुआवजा दिया जा चुका है.जिन मामलों में विवाद है, वे कोर्ट में लंबित हैं. वहीं दूसरी ओर कुछ लोगों ने आरोप लगाया कि उनके मकान अधिग्रहण की जद में आने के बावजूद अब तक मुआवजे की राशि नहीं मिली है. प्रभावित परिवारों का कहना है कि बिना भुगतान के मकान हटाए जाने से उनके सामने बड़ी समस्या खड़ी हो गई है. उन्होंने प्रशासन से जल्द मुआवजा दिलाने की मांग की है. एसडीएम आनंद तिवारी ने कहा कि महादेवा कॉरिडोर का काम जारी है. अधिग्रहित मकानों को हटाने की प्रक्रिया भी चल रही है. उन्होंने स्पष्ट किया कि जिन लोगों का मुआवजा विवादित नहीं है, उन्हें भुगतान किया जा चुका है. केवल कुछ मामले कोर्ट में विचाराधीन हैं. फिलहाल प्रशासन कॉरिडोर निर्माण को लेकर तेजी से कार्रवाई कर रहा है.

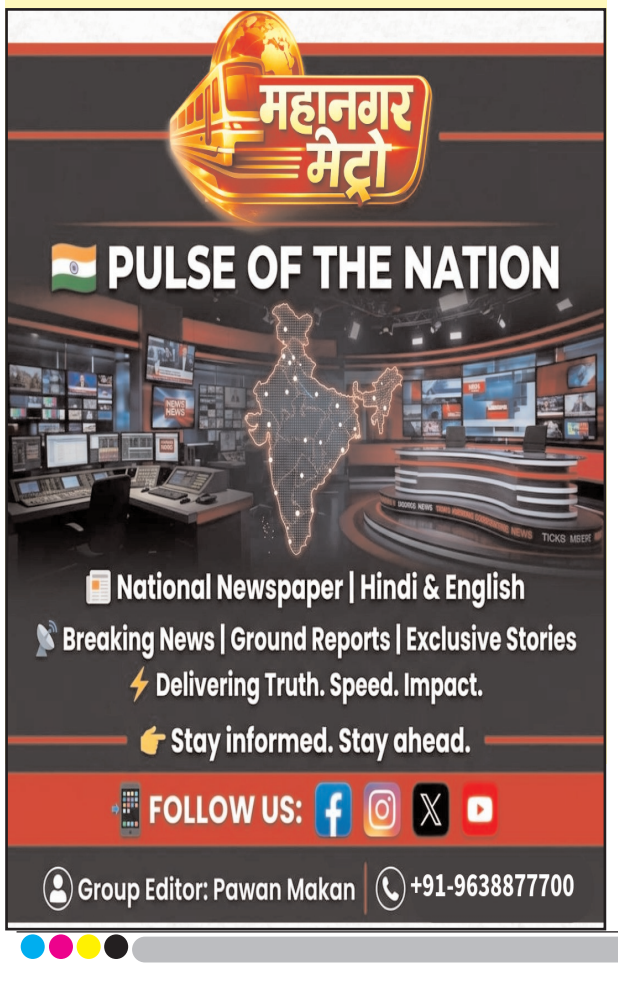

इसके बाद दुल्हन के घर शादी की खुशियों के बीच चीख पुकार मच गई। परिजनों ने पुलिस में जाकर शिकायत की है।

महानगर मेट्रो ब्यूरो

उज्जैन। धार्मिक नगरी उज्जैन के थाना माधव नगर क्षेत्र के देसाई नगर में सोमवार को एक हृदयविदारक हादसा हुआ। यहां सड़क चौड़ीकरण और नाली निर्माण कार्य के दौरान बरती गई लापरवाही एक महिला की जान पर बन आई। गोपालपुरा निवासी प्रेमलता, जो देसाई नगर में घरों में साफ-सफाई का काम करती हैं, सुबह काम पर जा रही थीं। इसी दौरान निर्माणाधीन नाली को पार करते समय उनका संतुलन बिगड़ गया और वह सीधे नीचे बिछे लोहे के सरियों के जाल पर जा गिरीं।

वैकल्पिक रास्ते ने दिया धोखा

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, नाली निर्माण के कारण लोगों ने घरों में जाने के लिए अस्थायी तौर पर लकड़ी के पटिए रख दिए थे। जब प्रेमलता एक घर से दूसरे घर जाने के लिए पटिए पर चढ़ीं, तो वह असंतुलित हो गईं। नाली में नुकीले सरियों का जाल बिछा था, जिनमें से एक सरिया महिला के पेट में बुरी तरह धंस गया। यह पूरी घटना पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हुई है।

रहवासियों ने सरिया काटकर निकाली जान महिला को तड़पता देख स्थानीय रहवासी मनीष शुक्ला और अन्य पड़ोसी तुरंत मदद के लिए दौड़े। स्थिति इतनी गंभीर थी कि महिला को सीधे खींचना मुमकिन नहीं था, इसलिए रहवासियों ने मशीन की मदद से लोहे के सरिए को काटा और उसी अवस्था में महिला को फ्रीगंज स्थित निजी अस्पताल पहुँचाया। सूचना मिलते ही महापौर मुकेश टटवाल भी मौके पर पहुंचे और सहायता प्रदान की।

डॉक्टर बोले- सर्जरी है चुनौतीपूर्ण

निजी चिकित्सालय के मुख्य चिकित्सक डॉ. सुशील गुप्ता ने बताया कि महिला की हालत फिलहाल बहुत नाजुक है। सरिया पेट के भीतर महत्वपूर्ण अंगों को नुकसान पहुंचा चुका है। डॉ. गुप्ता के अनुसार, 'सरिया बाहर निकालते समय शरीर के अंगों के और अधिक डैमेज होने का खतरा है। फिलहाल मरीज आईसीयू में है.

दो लाख रुपए और बुलेट की डिमांड, दुल्हन के पिता नहीं दिए तो दूल्हा शादी की रस्मों के बीच बारात लेकर भागा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

टीकमगढ़। जिले के चंदेरा थाना क्षेत्र के बिजरौठा गांव में एक बेटी के सपनों का घर बसने से पहले ही उजड़ गया। शादी की खुशियों से सजा घर कुछ ही घंटों में मातम और आंसुओं में बदल गया, जब दहेज की मांग पूरी न होने पर दूल्हा और बाराती अधूरी रस्में छोड़कर बिना दुल्हन के वापस लौट गए। घटना के बाद पूरे गांव में चर्चा और आक्रोश का माहौल है।

शादी की रस्मों के बीच बदल गया माहौल

जानकारी के अनुसार बिजरौठा गांव निवासी शहादत खान ने अपनी बेटी की शादी टीकमगढ़ के बावरी निवासी शौकत खान के बेटे के साथ तय की थी। परिवार ने अपनी सामर्थ्य के अनुसार शादी की सभी तैयारियां की थीं। घर में मेहमानों की चहल-पहल थी, बेटी की विदाई के सपने सजाए जा रहे थे, लेकिन शादी की रस्मों के बीच अचानक माहौल बदल गया। कि वर पक्ष ने शादी के दौरान दो लाख रुपये नकद और बुलेट मोटरसाइकिल की मांग रख दी। जब लड़की पक्ष ने असमर्थता जताई तो दोनों पक्षों में विवाद शुरू हो गया। देखते ही देखते मामला इतना बढ़ गया कि दूल्हा पक्ष ने शादी करने से इनकार कर दिया और अधूरी रस्में छोड़ बारात वापस लेकर चला गया। बारात आने के बाद वे लोग दो लाख रुपए और बुलेट की मांग करने लगे। हमारे पिता ने असमर्थता जताई तो वे लोग बारात लेकर भाग गए।दुल्हन आंखों में बहने लगे आंसू जिस घर में शहनाइयां गूंज रही थीं, वहां बेटी और उसके परिजनों की आंखों से आंसू बहने लगे। गांव की महिलाओं और रिश्तेदारों ने परिवार को संभालने की कोशिश की, लेकिन बेटी की टूटी उम्मीदों का दर्द हर किसी को झकझोर गया।

दहेज प्रताड़ना का केस कराया

घटना के बाद लड़की पक्ष ने चंदेरा थाना पहुंचकर वर पक्ष के खिलाफ दहेज प्रताड़ना और शादी तोड़ने की शिकायत दर्ज कराई है। पीड़ित परिवार ने दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस का कहना है कि उन्हें आवेदन प्राप्त हुआ है और पूरे मामले की जांच की जा रही है।

भोपाल में मुस्लिम युवक की पिटाई के बाद उबले समाज के लोग, आधी रात को ताजुल मस्जिद के पास प्रदर्शन

ताजुल मस्जिद के पास देर रात बड़ी संख्या में मुस्लिम समाज के लोगों ने जमा होकर प्रदर्शन किया है। साथ ही आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की है।

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल. गोविंदपुरा के एक होटल में मुस्लिम युवक के साथ हिंदू युवती को पकड़ा गया था। इसके बाद हिंदूवादी संगठनों ने मुस्लिम युवक की पिटाई की थी। साथ ही चेहरे पर गोबर और स्याही पोत दी थी। इसे लेकर आधी रात पुरानी भोपाल के ताजुल मस्जिद के पास हजारों की संख्या में मुस्लिम समाज के लोग जमा हो गए और प्रदर्शन किया है। एहतियात के तौर अभी भी उस इलाके में भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती है।

भोपाल को बंद करने की चेतावनी

वहीं, भोपाल शहर के काजी सैयद मुश्ताक अली नदवी के नेतृत्व में हुए प्रदर्शन में चेतावनी दी गई कि यदि आरोपियों को 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार नहीं किया गया तो शहरव्यापी बंद का आह्वान होगा। काजियात परिसर में विरोध-प्रदर्शन करते हुए समुदाय के लोगों ने हमले और घटना के दौरान कथित तौर पर आपत्तिजनक भाषा के इस्तेमाल की निंदा की।

धार्मिक भावनाओं पर है हमला

भीड़ को संबोधित करते हुए काजी नदवी ने इस हमले को न केवल एक व्यक्ति पर हमला, बल्कि सांप्रदायिक सद्भाव और धार्मिक भावनाओं पर भी हमला बताया। बाद में प्रदर्शनकारियों ने नारे लगाते हुए और कड़ी कार्रवाई की मांग करते हुए पुलिस नियंत्रण कक्ष की ओर मार्च किया। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के नेता मोहसिन अली के साथ कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद और आतिफ अकील भी प्रदर्शन में शामिल हुए। भोपाल पुलिस कमिश्नर को सौंपा ज्ञापन इसके साथ ही समुदाय के प्रतिनिधियों ने भोपाल पुलिस आयुक्त संजय कुमार को ज्ञापन सौंपकर घटना के दौरान कथित रूप से लापरवाही बरतने वाले पुलिसकर्मियों के खिलाफ तत्काल गिरफ्तारी और विभागीय कार्रवाई की मांग की। यह मामला केवल शारीरिक हमले तक सीमित नहीं है, बल्कि आपत्तिजनक भाषा के प्रयोग से धार्मिक भावनाओं को गहरी ठेस पहुंची है। सैयद मुश्ताक अली नदवी, शहर काजी भय का माहौल पैदा करती हैं ये घटनाएं भोपाल शहर काजी ने कहा कि घटनास्थल पर पुलिसकर्मी मौजूद थे, फिर भी उन्होंने अपराधियों का साथ दिया।

ऐसी घटनाएं भोपाल में भय का माहौल पैदा करती हैं और वातावरण को दूषित करती हैं। मामले की कर रहे हैं जांच वहीं, कमिश्नर संजय कुमार ने बताया कि पुलिस घटनास्थल पर मौजूद अधिकारियों के आचरण सहित मामले के सभी पहलुओं की जांच कर रही है। घटनास्थल पर मौजूद पुलिसकर्मियों से भी पूछताछ की जाएगी।

नोएडा एयरपोर्ट से कई रूट्स का सफर हुआ सस्ता, इंडिगो और अकासा एयर ने घटाए टिकट के दाम

महानगर मेट्रो ब्यूरो

ग्रेटर नोएडा। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से उड़ान भरने का इंतजार कर रहे यात्रियों के लिए बड़ी राहत की खबर सामने आई है। लंबे समय से इस एयरपोर्ट से सस्ते हवाई सफर की उम्मीद लगाए बैठे लोगों को अब राहत मिलती दिख रही है। इंडिगो और अकासा एयर ने कई प्रमुख शहरों के लिए टिकट किराए में कटौती कर दी है। खास बात यह है कि कुछ रूट्स पर नोएडा एयरपोर्ट से मिलने वाला किराया अब दिल्ली एयरपोर्ट से भी कम हो गया है। शुरुआती टिकट दरें अधिक होने की वजह से यात्रियों के साथ-साथ स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने भी चिंता जताई थी। इसके बाद एयरलाइंस कंपनियों ने अपने किराए में संशोधन किया है। माना जा रहा है कि इससे नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से यात्रा करने वालों की संख्या में तेजी से बढ़ोतरी हो सकती है और दिल्ली एयरपोर्ट पर दबाव भी कम होगा। शुरुआती टिकट रेट को लेकर उठे थे सवाल नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से उड़ानों की घोषणा के बाद लोगों को उम्मीद थी कि यहां से सफर दिल्ली एयरपोर्ट की तुलना में सस्ता होगा। लेकिन इंडिगो और अकासा एयर की ओर से शुरुआती टिकट दरें जारी होने के बाद यात्रियों में निराशा देखने को मिली थी, क्योंकि कई रूट्स पर किराया दिल्ली एयरपोर्ट से ज्यादा था। इस मुद्दे को लेकर जेवर विधायक ने भी चिंता जाहिर की थी और केंद्र सरकार तथा उत्तर प्रदेश सरकार को पत्र लिखकर किराए कम कराने की मांग की थी। इसके बाद अब एयरलाइंस कंपनियों ने टिकटों के दाम में कटौती की है। अकासा एयर ने बेंगलुरु और नवी मुंबई रूट पर दी राहत अकासा एयर ने सबसे बड़ी राहत बेंगलुरु और नवी मुंबई रूट पर दी है। सोमवार को 16 जून की यात्रा के लिए नोएडा से बेंगलुरु का टिकट 8532 रुपये में मिल रहा था, जिसे मंगलवार को घटाकर 6500 रुपये कर दिया गया। दिल्ली से बेंगलुरु का टिकट अभी भी 6998 रुपये का है। यानी अब नोएडा एयरपोर्ट से बेंगलुरु का सफर दिल्ली की तुलना में सस्ता हो गया है। इसी तरह नोएडा से नवी मुंबई का टिकट पहले 6505 रुपये का था, जिसे घटाकर 4998 रुपये कर दिया गया है। जबकि दिल्ली से नवी मुंबई का किराया 5499 रुपये है। इस बदलाव ने यात्रियों को सीधे तौर पर आर्थिक राहत दी है।

इंडिगो ने भी घटाए किराए

इंडिगो एयरलाइंस ने भी टिकट दरों में बदलाव किया है। सात मई को 15 जून के लिए नोएडा से लखनऊ का टिकट 4981 रुपये में उपलब्ध था, जबकि दिल्ली से इसी रूट का किराया 3394 रुपये था। अब 12 मई को की गई बुकिंग के अनुसार नोएडा से लखनऊ का टिकट भी घटाकर 3394 रुपये कर दिया गया है।

हैवान पिता: दुधमुंही बेटी को पटक-पटक कर मार डाला, 3 साल के बेटे को दीवार पर दे पटका

महानगर मेट्रो ब्यूरो

इटावा। के थाना जसवंत नगर क्षेत्र के बिहारीपुर गांव में बुधवार को नारायण नामक व्यक्ति ने शराब के नशे में अपने दो छोटे बच्चों को जमीन और दीवार पर पटक दिया. इस घटना में उसकी 5 महीने की बेटी दिव्यांशी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 3 वर्षीय बेटा शिवांश अस्पताल में है. आरोपी पिता दूसरी महिला से अफेयर के चलते अपनी पत्नी प्रियंका उर्फ मोहिनी को तलाक देने की धमकी दे रहा था और इसी झगड़े के दौरान उसने बच्चों पर हमला किया. पुलिस ने मोहिनी की शिकायत पर मामला दर्ज कर बच्ची के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है.

तलाक की जिद और खौफनाक अंत

बिहारीपुर गांव में रहने वाली मोहिनी की शादी पहले सतीश से हुई थी, जिसकी मौत के बाद उसने छोटे भाई नारायण से विवाह किया. मोहिनी का आरोप है कि नारायण का किसी अन्य महिला के साथ प्रेम प्रसंग है, जिसके कारण वह अक्सर शराब पीकर मारपीट करता था. वारदात के दिन भी वह शराब के नशे में घर आया और तलाक देने की बात पर झगड़ने लगा. देखते ही देखते गुस्से में उसने 5 महीने की बेटी को पत्थर पर और 3 साल के बेटे को दीवार पर दे मारा. शव छिपाने की कोशिश और पुलिस कार्रवाई मासूमों को पटकने के बाद आरोपी और उसके परिवार वाले बच्चों को इलाज के बहाने ले गए, लेकिन असल में वे बच्ची के शव को छिपाए रहे. जब मोहिनी ने पुलिस को सूचना दी, तब जाकर सच्चाई सामने आई. वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बृजेश कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि पति-पत्नी के विवाद में नशेड़ी पिता ने यह कदम उठाया. पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आरोपी के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जा रही है.

'युवती की फोटो उसके मंगेतर दिखाई' जिसके बाद टूटी सगाई, इंदौर में युवक ने AI का किया गलत इस्तेमाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

इंदौर। मध्य प्रदेश के इंदौर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई के गलत इस्तेमाल का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। बाणगंगा थाना क्षेत्र में एक छात्रा ने युवक पर आरोप लगाया है कि उसने उसकी पुरानी तस्वीरों को एआई की मदद से आपत्तिजनक तरीके से एडिट किया। इसके बाद उन्हें वायरल करने की धमकी देकर मानसिक रूप से प्रताड़ित किया। इतना ही नहीं आरोपी ने छात्रा की सगाई तक तुड़वा दी। मामले के सामने आने के बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

शादी समारोह में हुई थी पहचान

पुलिस के मुताबिक पीड़ित छात्रा की पहचान राऊ क्षेत्र के रहने वाले विशाल गुर्जर नाम के युवक से एक शादी समारोह के दौरान हुई थी। इसी दौरान आरोपी ने छात्रा की कुछ फोटो अपने मोबाइल में ले ली थीं। शुरुआत में दोनों के बीच सामान्य बातचीत होती रही लेकिन बाद में आरोपी छात्रा पर शादी का दबाव बनाने लगा। छात्रा ने जब इस बात से इंकार किया तो आरोपी ने बदला लेने की नीयत से उसकी तस्वीरों का गलत इस्तेमाल शुरू कर दिया।

फोटो एडिट कर किया ब्लैकमेल

आरोप है कि विशाल ने एआई तकनीक का उपयोग कर छात्रा की तस्वीरों को आपत्तिजनक रूप में एडिट किया। इसके बाद वह लगातार छात्रा को ब्लैकमेल करने लगा और फोटो वायरल करने की धमकियां देता रहा। छात्रा ने डर और बदनामी के कारण लंबे समय तक यह बात किसी को नहीं बताई। इस बीच परिवार ने उसकी सगाई दूसरी जगह तय कर दी थी।

प्रतीक यादव के निधन पर BJP ने रद्द किए अपने सभी कार्यक्रम, सपा के भी कैंसिल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

यूपी। समाजवादी पार्टी के संस्थापक मुलायम सिंह यादव के छोटे बेटे प्रतीक यादव के आकस्मिक निधन के बाद उत्तर प्रदेश में राजनीतिक गतिविधियां रुक गई हैं. शोक की इस घड़ी में बीजेपी और समाजवादी पार्टी दोनों ने अपने पूर्व निर्धारित सभी कार्यक्रम और विरोध प्रदर्शन स्थगित करने का फैसला लिया है. बीजेपी और समाजवादी पार्टी ने बुधवार को उत्तर प्रदेश में अपने सभी राजनीतिक कार्यक्रम और विरोध प्रदर्शन रद्द कर दिए. यह निर्णय समाजवादी पार्टी के संस्थापक स्वर्गीय मुलायम सिंह यादव के छोटे बेटे और अखिलेश यादव के भाई प्रतीक यादव के असामयिक निधन के कारण लिया गया. 38 वर्षीय प्रतीक यादव को बुधवार तड़के तबीयत बिगड़ने पर लखनऊ के सिविल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया. जानकारी के मुताबिक, बीजेपी नेता अपर्णा यादव के पति के निधन के सम्मान में प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने महिला कार्यकर्ताओं के जिला स्तरीय प्रदर्शन टाल दिए. इसी तरह, अखिलेश यादव और शिवपाल यादव सहित सपा के तमाम वरिष्ठ नेताओं ने भी अपने कार्यक्रम स्थगित कर दिए हैं. प्रतीक यादव की पत्नी अपर्णा बिष्ट यादव वर्तमान में बीजेपी नेता और उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष हैं. उनके पति के निधन की खबर मिलते ही बीजेपी ने संवेदनशीलता दिखाते हुए राज्य भर में महिला कार्यकर्ताओं द्वारा आयोजित जिला स्तरीय विरोध प्रदर्शनों को टालने का निर्देश दिया. प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने स्पष्ट किया कि शोक की इस घड़ी में पार्टी के कार्यक्रम फिलहाल नहीं होंगे.

सपा परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़

यादव परिवार पर आए इस अचानक संकट के कारण समाजवादी पार्टी में भी शोक की लहर है. पार्टी सूत्रों के अनुसार, अखिलेश यादव, सांसद डिंपल यादव और शिवपाल सिंह यादव ने अपने सभी आधिकारिक और राजनैतिक दौरे रद्द कर दिए हैं. हालांकि प्रतीक यादव कभी सक्रिय राजनीति का हिस्सा नहीं रहे, लेकिन मुलायम सिंह यादव के परिवार का सदस्य होने के नाते राजनीतिक गलियारों में उनके प्रति गहरा सम्मान था.

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com

महाराष्ट्र के सांगली में बड़ा हादसा, मंदिर की दीवार ढहने से 6 लोगों की मौत, 25 घायल

महाराष्ट्र के सांगली जिले के एक धार्मिक समारोह के दौरान तूफानी हवाओं के कारण एक दीवार गिर गई, जिससे 6 श्रद्धालुओं की मौत की खबर सामने आई है

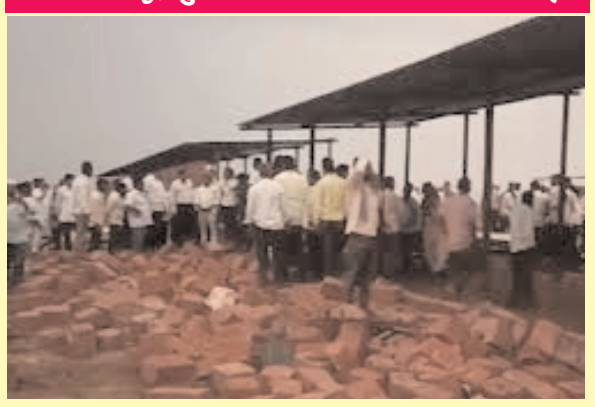

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सांगली। महाराष्ट्र के सांगली जिले में स्थित मोटेवाड़ी में एक धार्मिक समारोह के दौरान भयानक हादसा हो गया. अचानक चली तेज और तूफ़ानी हवाओं के कारण निर्माणाधीन दीवार गिर गई. इस घटना में 6 श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जबकि 20 से 25 गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं.

देवी मगूंबाई मंदिर में आशीर्वाद लेने के लिए मोटेवाड़ी में बड़ी संख्या में श्रद्धालु इकट्ठा हुए थे. इसी दौरान, इलाके में तेज हवाएं चलने लगीं. तूफान से बचने के लिए, कुछ श्रद्धालुओं ने पास ही बन रही एक दीवार के सहारे पनाह ली.

जैसे-जैसे तूफान की तीव्रता बढ़ी, पास ही बना लोहे की चादरों वाला एक शेड अपनी जगह से उखड़ गया और सीधे दीवार से जा टकराया. नतीजन, दीवार अचानक ढह गई और कई श्रद्धालु मलबे के नीचे दब गए. स्थानीय नागरिकों और ग्रामीणों ने घायलों को बाहर निकालने के लिए तुरंत बचाव अभियान शुरू कर दिया.

घटना के बाद, पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई है. प्रशासन, पुलिस और राजस्व विभागों की टीमें घटनास्थल पर पहुंच गई हैं और उन्होंने मौके का आधिकारिक मुआयना (पंचनामा) शुरू कर दिया है.

पीएम मोदी ने इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है. पीएमओ ने सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म एक्स पर लिखा कि महाराष्ट्र के सांगली में दीवार गिरने से हुई दुर्घटना के बारे में सुनकर गहरा दुख हुआ है. इस दुखद घड़ी में संवेदनाएं जान गंवाने वाले लोगों के परिवारों के साथ हैं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना है.

दिल्ली में पिता ने बेटे के साथ रची ? 17.75 लाख लूट की साजिश, दोनों गिरफ्तार, पुलिस ने किया सनसनीखेज खुलासा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बवाना। 17.75 लाख रुपये की लूट का मामला फर्जी निकला। पुलिस जांच में खुलासा हुआ कि ड्राइवर नरेश ने अपने बेटे भारत के साथ मिलकर पूरी साजिश रची थी। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर पुलिस ने पूरी रकम बरामद कर ली है। नई दिल्लीः बवाना थाना एरिया में 17.75 लाख रुपये की लूट मामले में पुलिस ने सनसनीखेज खुलासा किया है। जिस ड्राइवर ने लूट की शिकायत दर्ज कराई थी, वही इस पूरी साजिश का मास्टरमाइंड निकला। पुलिस ने आरोपी पिता और उसके बेटे को गिरफ्तार कर लूटी गई शत-प्रतिशत रकम बरामद कर ली है। आरोपियों की पहचान बुध विहार फेज-2 निवासी नरेश (52) और उसके बेटे भारत (26) के रूप में हुई है। आउटर-नॉर्थ डिस्ट्रिक्ट के डीसीपी हरेश्वर वी. स्वामी ने बताया कि ड्राइवर नरेश ने पुलिस को बताया कि वह मालिक का कैश लेकर कार से जा रहा था। तीन बदमाशों ने करीब 18 लाख रुपये लूटकर फरार हो गए। इंस्पेक्टर गौरव सिंह के नेतृत्व में जांच टीम गठित की गई। जांच में पुलिस को नरेश की कार संदिग्ध तरीके से धीमी दिखी। पुलिस ने नरेश से सख्ती से पूछताछ की, तो उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया। पिता-पुत्र ने मिलकर रची लूट की साजिश, पुलिस ने ऐसे खोला राज नरेश ने खुलासा किया कि वह अपने मालिक से किसी बात को लेकर नाराज था और उनकी रकम हड़पना चाहता था। योजना के मुताबिक, नरेश ने रास्ते में अपने बेटे भारत को बुलाया और कैश से भरा बैग उसे सौंप दिया। इसके बाद उसने खुद ही कार का शीशा तोड़ा और लूट का ड्रामा रचकर पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की। पुलिस ने तकनीकी निगरानी के जरिए भारत की लोकेशन ट्रैक की। हालांकि, उसने अपना मोबाइल बंद कर दिया था, लेकिन पुलिस ने घेराबंदी कर उसे सदर बाजार इलाके से दबोच लिया।

पंजाब CM ऑफिस और BJP मुख्यालय को बम से उड़ाने की धमकी, बढ़ाई गई सुरक्षा

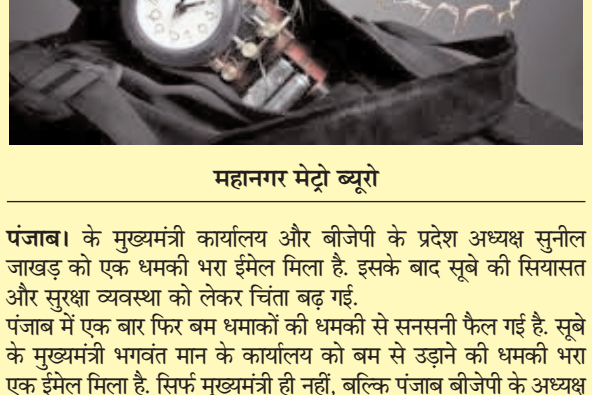

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पंजाब। के मुख्यमंत्री कार्यालय और बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष सुनील जाखड़ को एक धमकी भरा ईमेल मिला है. इसके बाद सूबे की सियासत और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंता बढ़ गई.

पंजाब में एक बार फिर बम धमाकों की धमकी से सनसनी फैल गई है. सूबे के मुख्यमंत्री भगवंत मान के कार्यालय को बम से उड़ाने की धमकी भरा एक ईमेल मिला है. सिर्फ मुख्यमंत्री ही नहीं, बल्कि पंजाब बीजेपी के अध्यक्ष सुनील जाखड़ को भी इसी तरह की धमकी दी गई है. इस ईमेल में पंजाब बीजेपी मुख्यालय, चंडीगढ़ और दिल्ली स्थित बीजेपी मुख्यालय का भी स्पष्ट जिक्र किया गया है, जिन्हें उड़ाने की चेतावनी दी गई है.

इस इनपुट के बाद सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं और ईमेल के सोर्स की जांच शुरू कर दी गई है.

मुख्यमंत्री कार्यालय और बीजेपी दफ्तरों के आसपास सुरक्षा घेरा और ज्यादा मजबूत कर दिया गया है.

स्कूलों को मिली थी धमकी

यह घटना कोई पहली बार नहीं हुई है. पंजाब में बम की धमकी आम बात हो गई है. पिछले दिनों पंजाब में प्राइवेट स्कूल को धमकी मिली थी. 7 मई को एपीजे स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी मिली, जिसके बाद प्रशासन में हड़कंप मच गया. यह धमकी ई-मेल के जरिए बीएमसी चौक स्थित स्कूल को मिली थी, जिसके बाद स्कूल मैनेजमेंट ने बड़ा कदम उठाते हुए सभी छात्रों को छुट्टी देकर घर भेज दिया था. बम धमकी की जानकारी मिलते ही स्कूल कैंपस में अफरा-तफरी का माहौल बन गया और सुरक्षा व्यवस्था भी कड़ी कर दी गई.

दाऊद इब्राहिम के खास रहे आसिफ दाढ़ी के बेटे समीर पर चली गोली, मुंबई के भायखला इलाके में वारदात के बाद हड़कंप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। भायखला इलाके में मंगलवार रात को गोली चलने की घटना सामने आई, जिसमें एक व्यक्ति घायल हो गया। पुलिस के अनुसार, घायल व्यक्ति की पहचान समीर आसिफ शेख के रूप में हुई है, जिसके पैर में गोली लगी। उसे तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही भायखला पुलिस स्टेशन की टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। इसके साथ ही क्राइम ब्रांच और फॉरेंसिक टीम ने भी घटनास्थल का निरीक्षण किया और साक्ष्य जुटाए। समीर डी- कंपनी से जुड़े आसिफ दाढ़ी का बेटा है। पुलिस के अनुसार, शाम 6:15 बजे समीर होटल साइबान में प्रवेश कर रहा था, तभी उस पर फायरिंग हुई। घायल समीर को नजदीकी जेजे अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है। जोनल डीसीपी कृष्णकांत उपाध्याय ने बताया कि भायखला पुलिस मामले की जांच कर रही है। पैर पर लगी गोली, गैंगवार या सुपारी किलिंग की आशंका पुलिस अधिकारियों के अनुसार, समीर पर एक गोली चलाई गई थी, जो उनके पैर में लगी।

फिलहाल, पुलिस यह जांच कर रही है कि हमलावर कौन थे और गोली चलाने के पीछे क्या कारण था। मामले में निजी रंजिश, गैंगवार और सुपारी किलिंग सहित सभी पहलुओं से जांच की जा रही है। डी गैंग के आसिफ दाढ़ी का बेटा है समीर प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, यह घटना डॉकयार्ड रोड इलाके में शाम करीब 6:15 बजे हुई। घायल व्यक्ति की स्थिति स्थिर बताई जा रही है। सूत्रों के अनुसार, समीर शेख के परिवार का पुराना आपराधिक इतिहास भी जांच के दायरे में है। बताया जा रहा है कि उनके पिता आसिफ दाढ़ी पर भी पहले हमले हो चुके हैं। आसिफ को मुंबई में संगठित अपराध से जुड़े मामलों में जाना जाता रहा है और उस पर जुआ, वसूली और अन्य मामलों के आरोप भी लग चुके हैं। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि क्या यह हमला पुराने गैंगवार या दुश्मनी का नतीजा है। इसके अलावा दाउद इब्राहिम नेटवर्क से जुड़े संभावित कनेक्शन और पुराने विवादों की भी पड़ताल की जा रही है। जांच एजेंसियां 2008 में हुई एक पुरानी गोलीबारी की घटना को भी खंगाल रही हैं, जिसमें आईपीएल सट्टेबाजी से जुड़े विवाद और गैंग प्रतिद्वंद्विता की बात सामने आई थी। उस समय भी आसिफ दाढ़ी पर हमला हुआ था। फिलहाल, पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच तेज कर दी है और आसपास के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं। भायखला के डॉकयार्ड रोड में शाम 6:15 बजे फायरिंग की सूचना मिली थी। यहां समीर आसिफ शेख नामक व्यक्ति को गोली लगी, उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है। मामले की जांच भायखला पुलिस स्टेशन द्वारा की जा रही है। हमलावरों को जल्दी ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। कृष्णकांत उपाध्याय, जोनल डीसीपी कौन है आसिफ दाढ़ी और उसका बेटा समीर आसिफ दाढ़ी भायखला के भेंडी बाजार इलाके का रहता है, उसके बारे में दावा है कि वह दाऊद इब्राहिम और छोटा शकील गैंग से जुड़ा है।

TCS कांड वाली निदा खान के 'मददगार' AIMIM पार्षद मतीन पटेल के घर- ऑफिस पर चला बुलडोजर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नासिक। महाराष्ट्र राज्य के नासिक में टीसीएस कर्मचारी से जुड़े कथित सेक्सुअल हैरेसमेंट और धर्मांतरण मामले ने नया राजनीतिक मोड़ ले लिया है. आरोपी निदा खान को शरण देने के आरोप AIMIM पार्षद मतीन पटेल के घर और ऑफिस पर नगर निगम ने बुलडोजर कार्रवाई शुरू कर दी. इस दौरान महिलाओं ने अधिकारियों को फूल और संविधान की कॉपी देकर विरोध जताया.

महाराष्ट्र के नासिक में टीसीएस कर्मचारी से जुड़े कथित सेक्सुअल हैरेसमेंट और धर्मांतरण मामले ने अब राजनीतिक और प्रशासनिक रंग ले लिया है. मुख्य आरोपी निदा खान की गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने उसकी मदद करने वालों पर कार्रवाई तेज की है. इसी कड़ी में AIMIM के पार्षद अब्दुल मतीन पटेल का नाम सामने

आने के बाद नगर निगम ने उनके घर और ऑफिस पर बुलडोजर कार्रवाई शुरू कर दी है.

मतीन पटेल पर दर्ज हुआ था केस

पुलिस के मुताबिक, मतीन पटेल पर आरोप है कि उन्होंने आरोपी निदा खान को नारेगाव स्थित कौसर पार्क इलाके में अपने घर में शरण दी थी. इस मामले में नासिक पुलिस ने उनके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 249 के तहत केस दर्ज किया है. निदा खान की गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने मतीन पटेल को भी हिरासत में लेकर पूछताछ की थी.

इधर, नगर निगम ने दावा किया कि पार्षद के घर और कार्यालय का निर्माण नियमों के विपरीत किया गया है. तीन दिन पहले नोटिस जारी किया गया था और तय समय सीमा पूरी होने के बाद बुधवार सुबह निगम की टीम भारी पुलिस बल के साथ कार्रवाई करने पहुंची.

महिलाओं ने किया 'बुल्डोजर टीम' का स्वागत

हालांकि, कार्रवाई के दौरान वहां एक अलग ही नजारा देखने को मिला. इलाके की कुछ महिलाएं निगम अधिकारियों के सामने फूल लेकर पहुंचीं और उनका स्वागत किया. महिलाओं ने अधिकारियों को संविधान की प्रतियां भी भेंट कीं. उनका कहना था कि कानून का पालन होना चाहिए, लेकिन कार्रवाई संविधान और न्यायिक प्रक्रिया के दायरे में रहकर की जानी चाहिए. महिलाओं के इस अनोखे विरोध ने पूरे इलाके का ध्यान अपनी ओर खींच लिया. मौके पर बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी तैनात रहे और पूरे क्षेत्र में तनावपूर्ण माहौल बना रहा. बुलडोजर कार्रवाई के दौरान स्थानीय लोगों की भीड़ भी जमा हो गई, जिसके चलते प्रशासन पूरी सतर्कता बरतता नजर आया. नगर निगम कर्मचारियों को महिलाओं ने दिया संविधान इस कार्रवाई को लेकर राजनीतिक बयानबाजी भी तेज हो गई है. AIMIM नेताओं ने इसे राजनीतिक दबाव में की गई कार्रवाई बताया है, जबकि प्रशासन का कहना है कि अवैध निर्माण के खिलाफ नियमों के अनुसार कार्रवाई की जा रही है और कानून से ऊपर कोई नहीं है. फिलहाल पुलिस इस पूरे मामले की जांच कई पहलुओं से कर रही है.

महानगर गैस कनेक्शन के नाम पर SID की महिला अधिकारी से साइबर ठगी, 2 बार में 45 हजार निकाले

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बांद्रा। (पश्चिम) इलाके में रहने वाली राज्य गुप्तवार्ता विभाग की एक महिला अधिकारी साइबर ठगों का शिकार हो गईं। ठगों ने खुद को महानगर गैस लिमिटेड का प्रतिनिधि बताकर पीड़िता से बैंक डिटेल हासिल की और उनके खाते से 45 हजार रुपये उड़ा लिए। पुलिस मामले की जांच कर रही है। मुंबईः बांद्रा (पश्चिम) इलाके में रहने वाली राज्य गुप्तवार्ता विभाग की एक महिला अधिकारी साइबर ठगों का शिकार हो गईं। ठगों ने खुद को महानगर गैस लिमिटेड का प्रतिनिधि बताकर पीड़िता से बैंक डिटेल हासिल की और उनके खाते से 45 हजार रुपये उड़ा लिए। इस मामले में बांद्रा पुलिस ने साइबर धोखाधड़ी की शिकायत दर्ज कर जांच में जुट गई है।

महानगर गैस पाइप कनेक्शन मंजूर का झांसा

पुलिस ने बताया कि 52 वर्षीया पीड़िता राज्य गुप्तवार्ता विभाग में सहायक गुप्तवार्ता अधिकारी के पद पर कार्यरत हैं। वह बांद्रा पुलिस कॉलोनी में परिवार के साथ रहती हैं। एफआईआर के अनुसार, 9 मई को दोपहर 12 बजे उन्हें मोबाइल नंबर

9296796454 (92 पाकिस्तान का इंटरनैशनल कोड है) से कॉल आया। कॉल करने वाले ने कहा कि उनका महानगर गैस पाइप कनेक्शन मंजूर हो गया है और आईडी जारी करने के लिए उन्हें एक पीडीएफ फॉर्म भरना होगा।

पैसा कटने पर संदिग्ध का नंबर बंद मिलाः

इसके बाद वाट्सऐप नंबर 9100522173 से

Mahanagar Gas Meter Bill नाम से एक पीडीएफ फाइल भेजी गई। महिला अधिकारी ने उस फाइल को खोलकर बैंक संबंधी जानकारी भर दी। कुछ ही देर में उनके बैंक खाते से 2 बार में 20 हजार और 25 हजार रुपये कट गए। पैसे कटने पर जब उन्होंने संबंधित नंबर (संदिग्ध नंबर-9100522173) पर संपर्क करने की कोशिश की तो कोई जवाब नहीं मिला। इसके बाद उन्हें साइबर ठगी का अहसास हुआ और उन्होंने बांद्रा पुलिस का रूख किया। मामले की जांच जारी है।

फैक्ट फाइल

पीड़िताः सहायक गुप्तवार्ता अधिकारी

ठगी की रकमः 45,000 रुपये

तरीकाः फर्जी पीडीएफ लिंक और बैंक डिटेल हासिल कर साइबर फ्रॉड

साइबर सेफ्टी टिप्स

अनजान पीडीएफ, लिंक या ऐप डाउनलोड करने से बचें। किसी भी फॉर्म में बैंक डिटेल या ओटीपी साझा न करें। संदिग्ध कॉल आने पर संबंधित कंपनी के आधिकारिक नंबर पर पुष्टि करें।

सुनेत्रा पवार ने NCP कार्यकारिणी से हटाया तो शरद पवार ने मिले अजित के वफादार सुनील तटकरे, महाराष्ट्र में हलचल तेज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। महाराष्ट्र में एक बार फिर बड़ी सियासत उथल-पुथल देखने को मिल सकती है। एनीपी की नई बनी राष्ट्रीय कार्यकारिणी में सुनेत्रा पवार को राष्ट्रीय अध्यक्ष बताया गया है। उनके बड़े बेटे और राज्यसभा सांसद पार्थ पवार को राष्ट्रीय महासचिव और छोटे बेटे जय पवार को राष्ट्रीय सचिव के तौर पर शामिल किया गया है। हैरानी की बात है कि इस लिस्ट में एनसीपी के दिग्गज नेताओं प्रफुल्ल पटेल, सुनील तटकरे और छगन भुजबल का नाम नहीं है। इस लिस्ट के पब्लिक होने के बाद एनसीपी में एक बार फिर बगावत हो सकती है। सुनील तटकरे ने शरद पवार से मुलाकात की है। कहा जा रहा है कि अजित पवार के साथ आए दिग्गज नेता फिर से शरद पवार के साथ जा सकते हैं। ईसीआई को सौंपे गए तीन पन्नों के दस्तावेज में से एक पन्ने पर सुनेत्रा पवार की अध्यक्षता वाली राष्ट्रीय कार्यसमिति के गठन की जानकारी दी गई थी। यह जानकारी राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की सूची के अलावा है। प्रफुल्ल पटेल को राष्ट्रीय कार्यसमिति में शामिल किया

गया है और उन्हें राज्यसभा में एनसीपी नेता का पद दिया गया है, लेकिन राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष के तौर पर उनका कोई जिक्र नहीं है।

सिल्वर ओक में शरद पवार से मिले सुनील तटकरे

सुनील तटकरे को लोकसभा में एनसीपी नेता का पद दिया गया है, लेकिन महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष के तौर पर उनका कोई जिक्र नहीं है। अब वह राष्ट्रीय महासचिव नहीं रहे। इस लिस्ट में अनुभवी मंत्री छगन भुजबल और वरिष्ठ विधायक दिलीप वलसे पाटिल भी शामिल हैं, लेकिन उन्हें कोई आधिकारिक पद नहीं दिया गया है। एनसीपी में चल रही राजनीतिक उथल-पुथल के बीच पार्टी सांसद सुनील तटकरे ने मंगलवार शाम को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार) के अध्यक्ष शरद पवार से उनके आवास सिल्वर ओक में मुलाकात की। राजनीतिक मुलाकात से इनकार जुलाई 2023 में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में विभाजन के बाद दोनों नेताओं की यह पहली मुलाकात थी। हालांकि सुनील तटकरे ने स्पष्ट किया कि यह बैठक राजनीतिक नहीं थी और इसका उद्देश्य केवल वरिष्ठ नेता के स्वास्थ्य की जानकारी लेना था, क्योंकि वे कई दिनों से अस्वस्थ थे। उन्होंने शरद पवार के हाल ही में खराब स्वास्थ्य के कारण मिलने का समय मांगा था। मुलाकात के दौरान कोई राजनीतिक चर्चा नहीं हुई। राष्ट्रीय कार्यकारिणी या पार्टी विभाजन के संबंध में सुनेत्रा पवार की हालिया पोस्ट पर कोई चर्चा नहीं हुई। तटकारे ने दोहराया कि सुनेत्रा पवार के नेतृत्व में काम जारी रहेगा। इस मुलाकात के समय को लेकर राजनीतिक हलकों में हलचल मची हुई है। यह बैठक तब हुई जब राष्ट्रीय पदों के संबंध में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी द्वारा चुनाव आयोग को भेजे गए आधिकारिक पत्र में सुनील तटकरे और प्रफुल पटेल के नाम गायब थे। शरद पवार के मुंबई स्थित आवास सिल्वर ओक में मुलाकात सुनेत्रा पवार, पार्थ पवार, प्रफुल पटेल और सुनील तटकरे की हाल ही में असम की संयुक्त यात्रा के बाद हुई है, जिसे पार्टी की एकता को दर्शाने का प्रयास माना गया था।

दिल्ली वालों के लिए खुशखबरी, इस इलाके में 24 एकड़ में बनेगा हाईटेक मेट्रो डिपो

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। मेट्रो को लेकर एक अच्छी खबर सामने आ रही है। जानकारी के मुताबिक मजलिस पार्क में दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन ने हाईटेक मेट्रो डिपो निर्माण की योजना बनाई है। इसके लिए 24 एकड़ जमीन लगेगी। वहीं, जमीन के बदले मेट्रो पीडब्ल्यूडी को कुल 238.71 करोड़ रुपये देने को तैयार है। इसके निर्माण से लाखों यात्रियों की यात्रा आसान हो जाएगी।

दिल्ली मेट्रो फेज 4

नई दिल्लीः राजधानी दिल्ली के मुकुंदपुर मेट्रो डिपो के पास ही मजलिस पार्क में दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन ने हाईटेक मेट्रो डिपो निर्माण की योजना बनाई है। मेट्रो ने इसके लिए पीडब्ल्यूडी से 24 एकड़ जमीन की मांग की है। जमीन के बदले मेट्रो पीडब्ल्यूडी को कुल 238.71 करोड़ रुपये देने को तैयार है। दिल्ली सरकार में पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश साहिब सिंह के अनुसार हाईटेक मेट्रो डिपो नए मेट्रो लाइनों को सपोर्ट देगी। इसके अलावा तकनीकी खराबी के दौरान दूसरे स्टेशनों पर इस डिपो से मेट्रो भेजने में भी आसानी होगी। लाखों लोगों का सफर हो जाएगा आसान प्रवेश साहिब सिंह के अनुसार, मुकुंदपुर-मजलिस पार्क क्षेत्र में प्रस्तावित यह हाईटेक मेट्रो डिपो सिर्फ निर्माण परियोजना नहीं है, बल्कि लाखों यात्रियों के रोजमर्रा के सफर को आसान बनाने की एक महत्वपूर्ण पहल है। इसका मकसद यह है कि इंटरचेंज स्टेशनों पर लोगों का काम से कम समय लगे।

दिल्ली में कल नहीं होगी मामलों की सुनवाई, वकील करेंगे हड़ताल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली की सभी जिला अदालतों में 14 मई को वकीलों की हड़ताल के कारण न्यायिक कामकाज प्रभावित रहेगा। बार एसोसिएशनों ने दिल्ली हाई कोर्ट पर जिला अदालत प्रशासन से जुड़े फैसले बिना परामर्श के लेने का आरोप लगाया है। हड़ताल से जमानत, सिविल और पारिवारिक मामलों की सुनवाई प्रभावित हो सकती है।

कल वकील करेंगे हड़ताल

दिल्ली की सभी जिला अदालतों में 14 मई को न्यायिक कामकाज प्रभावित रहेगा। सभी जिला अदालत बार एसोसिएशन की कोऑर्डिनेशन कमिटी ने गुरुवार को पूरी तरह से न्यायिक काम का बहिष्कार करने का फैसला लिया है। 10 मई को हुई आपात बैठक में सर्वसम्मति से यह तय किया गया।

10 मई को हुई आपात बैठक में लिया गया फैसला

समिति ने दिल्ली हाई कोर्ट पर जिला अदालत प्रशासन से जुड़े अहम फैसले 'मनमाने तरीके' से लेने का आरोप लगाया है। समिति के महासचिव विजय बिश्नोई द्वारा जारी बयान में कहा गया कि बार एसोसिएशनों को नीति निर्माण प्रक्रिया से बाहर रखना न्याय व्यवस्था की भावना के खिलाफ है। कोऑर्डिनेशन कमिटी ने सभी बार सदस्यों से हड़ताल में पूरी भागीदारी की अपील की है। हड़ताल के चलते दिल्ली की जिला अदालतों में जमानत, सिविल और पारिवारिक मामलों सहित नियमित सुनवाई प्रभावित होने की संभावना है।

क्या है मामला 14 मई को दिल्ली की सभी जिला अदालतों में वकीलों की हड़ताल दिल्ली हाई कोर्ट द्वारा 'मनमाने तरीके' से फैसले लेने का विरोध नीति निर्माण में बार एसोसिएशन की अनदेखी पर नाराजगी 10 मई को हुई आपात बैठक में काम के बहिष्कार का निर्णय जमानत, सिविल और पारिवारिक मामलों की सुनवाई पर पड़ेगा असर कोऑर्डिनेशन कमिटी द्वारा न्यायिक कार्य के पूर्ण बहिष्कार का आह्वान महासचिव विजय बिश्नोई ने जारी किया आधिकारिक बयान बार एसोसिएशन को प्रक्रिया से बाहर रखना न्याय व्यवस्था के खिलाफ बताया गया

सावधान! जनगणना के नाम पर होने वाली साइबर ठगी पर क्यूआर कोड से लगेगी लगाम, एक स्कैन से होगी कर्मियों की पहचान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। जनगणना-2027 के दौरान जनगणना कर्मी बनकर साइबर फ्रॉड करने वालों पर लगाम लगाने के लिए जनगणना कार्यालय ने अब एन्यूमरेटर और पर्यवेक्षकों को क्यूआर कोड वाला पहचान पत्र देने का फैसला किया है। अधिकारियों ने बताया कि यदि किसी व्यक्ति को संदेह होता है, तो वह घर आए कर्मियों से उनका पहचान पत्र और नियुक्ति पत्र दिखाने को कह सकता है। क्यूआर कोड स्कैन करते ही कर्मचारी को सत्यापित किया जा सकेगा। अधिकारियों के मुताबिक, 16 मई से स्वच्छ क्षेत्रों में शुरू होने वाली घर-घर जनगणना के लिए तैनात सभी जनगणना कर्मियों को विशेष नियुक्ति पत्र और पहचान पत्र जारी किए जाएंगे। इन दोनों दस्तावेजों पर क्यूआर कोड होगा, जिसे स्कैन कर लोग उनकी असली पहचान की पुष्टि कर सकेंगे। वर्तमान में दिल्ली में अभी सेल्फ एन्यूमरेशन का काम चल रहा है। दिल्ली में सोमवार तक कुल 93,521 लोगों ने सेल्फ एन्यूमरेशन किया है। इनमें 77,372 मामलों में प्रक्रिया पूरी हो चुकी है, जबकि 16,149 मामले अभी प्रारंभिक चरण में हैं। दरअसल हाल के दिनों में साइबर ठगी के कई मामले सामने आए हैं, जहां अपराधी फर्जी दस्तावेज और डिजिटल वेरिफिकेशन के नाम पर लोगों को ठगा है। अधिकारियों ने कहा कि जनगणना से जुड़े फर्जी संदेशों के वायरल होने के बाद इसकी जरूरत महसूस हुई। इसके चलते क्यूआर आधारित सत्यापन प्रणाली लागू की गई है।

असम में एनडीए सरकार की पहली कैबिनेट बैठक: नए मंत्रियों समेत सभी सदस्य उपस्थित, सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने दिए UCC विधेयक को मंजूरी।

महानगर मेट्रो ब्यूरो

असम. में भाजपा-नीत एनडीए सरकार की पहली कैबिनेट बैठक आज दोपहर 2 बजे गुवाहाटी में आयोजित हुई। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्वा सरमा की अध्यक्षता में चली इस बैठक में सभी कैबिनेट मंत्री उपस्थित थे, जिनमें असम गण परिषद (एजीपी) से अतुल बोरा , बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) से चरण बोरों तथा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से रामेश्वर टेली और अजंता नेओग प्रमुख थे। ये चारों मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा के नई मंत्रिपरिषद की पहली सूची में शामिल हैं। बैठक की शुरुआत में चारों नए मंत्रियों ने मुख्यमंत्री को पुष्प और गामोछा भेंटकर सम्मानित किया। मंत्रीयो ने असम की जनता की सेवा के प्रति कटिबद्धता जताते हुए डॉ. हिमंत बिस्वा सरमा को नई कार्यकाल के लिए हार्दिक शुभकामनाएं दीं। बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। सबसे अहम निर्णय यूनिफॉर्म सिविल कोड का मंजूरी देना रहा। मुख्यमंत्री ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि ष्टष्ट विधेयक 26 मई को असम विधानसभा में पेश किया जाएगा। यह विवाह, उत्तराधिकार, लिव-इन रिलेशनशिप और तलाक पंजीकरण जैसे मुद्दों को कवर करेगा। हालांकि, असम की आदिवासी आबादी को इससे पूरी तरह छूट दी गई है, ताकि उनकी रीति-रिवाज, परंपराएं और प्रथाएं अप्रभावित रहें।मुख्यमंत्री ने कहा, 'यह चुनावी वादे के अनुरूप बड़ा कदम है। उत्तराखंड, गोवा और गुजरात के बाद असम इसे लागू करने वाला चौथा राज्य बनेगा।' बैठक के बाद मंत्रियों ने कहा कि जनता के अपार विश्वास से वे निष्ठा और दृढ़ संकल्प के साथ काम करेंगे। अतुल बोरा ने गठबंधन की एकजुटता पर जोर दिया, जबकि चरण बोरों ने बोडोलैंड विकास का उल्लेख किया। भाजपा के रामेश्वर टेली और अजंता नेओग ने केंद्र-राज्य समन्वय से होने वाले लाभ बताए। इस बैठक से असम में सुशासन, विकास और जनकल्याण की नई गति की शुरुआत हुई है। जनता में उत्साह है कि डॉ. सरमा के नेतृत्व में राज्य नई ऊंचाइयों को छुएगा।

सराकोद्धारक आचार्य श्री ज्ञानसागर के 70 वें अवतरण दिवस पर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

आसनसोल। सराकोवध्दारक आचार्य श्री ज्ञान सागर जी महाराज के जन्म दिवस के पावन अवसर पर आचार्य श्री ज्ञेय सागर जी महाराज, गणिनी आर्यिका श्री स्वस्ति भूषण माता जी , गणिनी आर्यिका श्री आर्ष माता जी माता जी, आर्यिका श्री सुज्ञान मति माता जी के आशीर्वाद से भारतवर्षीय दि. जैन सराक ट्रस्ट दिल्ली के तत्वावधान में पश्चिम बंगाल के पुरूलिया जिले के पंच पहाड़ी,लायक डांगा,धनियाडांगा, बेडों, काशीबेडिया आदि विभिन्न स्थानों पर 11 मई 2026 से ज्ञान संस्कार शिक्षण शिविर का शुभारंभ हुआ।शिविरों में अध्यापन के लिए वरिष्ट एवं युवा विद्वानों के साथ कला विशेषज्ञ की विदुषी महिलाऐं भी अपना योगदान दे रही हैं। शिक्षण शिविरों में ज्ञान दर्पण,भाग 1,2 पूजन शिविर,मेहंदी, सिलाई, नृत्य आदि की क्लास संचालित हों रही हैं।

रमन सिंह ने सुशासन तिहार शिविर में 4-4 लाख रूपए के सहायता राशि का चेक प्रदान किया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव. सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत राजनांदगांव विकासखंड के ग्राम पंचायत मुड़पार में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर में विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने विगत दिनों आकाशीय बिजली गिरने से ग्राम सोमनी के दो नागरिकों की मृत्यु होने पर उनके परिजनों को आर्थिक सहायता राशि के चेक प्रदान किए। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने राजस्व पुस्तक परिपत्र (आरबीसी) 6-4 के तहत मृतकों के परिजनों श्रीमती सरोज निषाद एवं श्री ईश्वरदास को 4-4 लाख रूपए की स्वीकृत सहायता राशि का चेक सौंपा। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सिंह ने कहा कि प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित परिवारों को त्वरित राहत उपलब्ध कराना शासन की प्राथमिकता है। जिला प्रशासन द्वारा आवश्यक प्रक्रिया पूर्ण कर तत्काल सहायता राशि स्वीकृत की गई है, ताकि प्रभावित परिवारों को राहत मिल सके। इस अवसर पर जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती किरण साहू, अध्यक्ष जनपद पंचायत राजनांदगांव श्रीमती प्रतिमा चंद्राकर, संतोष अग्रवाल, सौरभ कोठारी, रोहित चंद्राकर, सुमीत उपाध्याय, भावेश बैद, पुलिस अधीक्षक सुश्री अंकिता शर्मा, डीएफओ आयुष जैन, जिला पंचायत सीईओ सुश्री सुरूचि सिंह सहित गणमान्य जन मौजूद रहे।

ममता ने कहा- अकेले आए थे, अकेले ही जाना है

-हार के बाद टीएमसी प्रमुख ने कविता के जरिए दिया संदेश

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की ऐतिहासिक जीत के साथ ही राज्य में ममता बनर्जी का 15 साल पुराना शासन समाप्त हो गया है। तृणमूल कांग्रेस की इस बड़ी हार और सत्ता गंवाने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी अब एक अलग ही भावनात्मक और कूटनीतिक अंदाज में नजर आ रही हैं। चुनाव परिणामों के बाद उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी लिखी एक कविता साझा की है, जिसका शीर्षक है ब्रेव यानी बहादुर। इस कविता के माध्यम से उन्होंने न केवल हार से निराश कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाने की कोशिश की है, बल्कि जीवन के शाश्वत सत्य का भी उल्लेख किया है।

ममता बनर्जी ने अपनी कविता में संदेश दिया है कि असली ताकत इंसान के भीतर होती है। उन्होंने लिखा, बहादुर और मजबूत बनो। अगर आपको खुद पर भरोसा है, तो दुनिया की कोई ताकत आपको छू नहीं सकती। आपकी ताकत आपके भीतर है, इसे गरिमा के साथ बनाए रखें। कायर हमेशा कायर ही रहेंगे, लेकिन मजबूत लोग हमेशा टिके रहते हैं। कार्यकर्ताओं को जीवन का दर्शन समझाते हुए उन्होंने आगे लिखा कि मनुष्य इस दुनिया में अकेले आता है और उसे अकेले ही जाना पड़ता है, केवल उसके अच्छे कर्म ही जीवित रहते हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि बुराई अधिक समय तक नहीं टिक सकती और अंत में जीत अच्छाई की ही होगी।

गौरतलब है कि इस चुनाव में तृणमूल कांग्रेस 293 सीटों में से केवल 80 सीटों पर सिमट गई, जबकि भाजपा ने 207 सीटें जीतकर बहुमत हासिल किया। इस करारी हार के बाद तृणमूल खेमे में भारी असंतोष देखा जा रहा है। पार्टी के कई दिग्गज नेताओं और मंत्रियों को हार का सामना करना पड़ा है। स्थिति तब और तनावपूर्ण हो गई जब कई नेताओं ने नेतृत्व के खिलाफ मोर्चा खोल दिया, जिसके जवाब में पार्टी ने कोहिनूर मजूमदार और रिजु दत्ता सहित कई प्रवक्ताओं को छह साल के लिए निलंबित कर दिया है। ऐसे कठिन समय में ममता बनर्जी की यह कविता बिखरी हुई पार्टी को एकजुट रखने और समर्थकों में नई ऊर्जा फूंकने का एक कूटनीतिक प्रयास मानी जा रही है। राज्य में अब सत्ता परिवर्तन हो चुका है और भाजपा के शुभेंदु अधिकारी ने मुख्यमंत्री पद की शपथ लेकर नई सरकार की कमान संभाल ली है।

सोनिया गांधी रूटीन चेकअप के बाद घर लौटीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता सोनिया गांधी को रूटीन चेकअप के लिए गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल पहुंचीं। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने बताया कि जांच के बाद वह घर लौट आई हैं। सूत्रों के मुताबिक सोनिया गांधी को मंगलवार रात करीब 10:30 बजे मेदांता इंस्टीट्यूट ऑफ डाइजेस्टिव एंड हेपेटोबिलियरी साइंसेज में भर्ती कराया गया था। हालांकि, अस्पताल की ओर से इस पर कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। इससे पहले 24 मार्च को बुखार और संक्रमण के कारण उन्हें दिल्ली के सर गंगाराम हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। वहां वह 7 दिन तक डॉक्टरों की निगरानी में रही थीं। राज्यसभा सांसद सोनिया गांधी को जनवरी से अब तक तीसरी बार भर्ती होना पड़ा है। इससे पहले मार्च में उन्हें सर गंगाराम अस्पताल ले जाया गया था। पेट में इंफेक्शन से जुड़ी समस्या बताई थी, जिसके इलाज के लिए वह वहां पहुंची थीं। वहीं जनवरी में उन्हें सांस लेने में समस्या हुई थी। यह भी कहा गया था कि दिल्ली में बढ़े हुए प्रदूषण और सर्दी के चलते भी उन्हें यह परेशानी हुई है। जून 2025 में भी सोनिया गांधी को सर गंगा राम अस्पताल में भर्ती कराया था। तब उन्हें हाई ब्लड प्रेशर की समस्या बताई थी। बता दें बीते कुछ सालों से सोनिया गांधी का स्वास्थ्य थोड़ा खराब रहा है। माना जाता है कि इसके चलते उन्होंने कांग्रेस में अपनी सक्रियता भी पहले के मुकाबले कम कर दी है। यही नहीं राजनीतिक बैठकों, रैलियों आदि में भी वह पहले के मुकाबले कम ही दिखाई देती हैं। अभी 5 राज्यों के चुनाव प्रचार में भी उनकी सक्रियता नहीं नजर आई। प्रचार की पूरी कमान राहुल गांधी, प्रियंका वाड्रा, मल्लिकार्जुन खड़गे जैसे नेताओं ने ही संभाल रखी थी।

भाई की मौत से दुखी अखिलेश ने कहा- कानून और परिवार जो तय करेगा, वही मानेंगे

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव के छोटे भाई प्रतीक यादव का बुधवार को निधन हो गया। इस दुखद खबर से यादव परिवार और समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं में शोक की लहर दौड़ गई है। प्रतीक यादव के निधन के बाद अखिलेश यादव लखनऊ स्थित पोस्टमॉर्टम हाउस पहुंचे, जहां वह काफी देर तक मौजूद रहे। बाहर निकलने के बाद उन्होंने मीडिया से बातचीत में गहरा दुख व्यक्त किया। मौत के कारणों को लेकर पूछे गए सवाल पर सपा प्रमुख ने संयमित प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि परिवार और कानून जो तय करेगा, वही स्वीकार किया जाएगा। अखिलेश यादव ने जोर देकर कहा, कानून और परिवार के लोग जो कहेंगे, हम उसी बात को मानेंगे। हम पूरी तरह कानूनी रास्ता अपनाएंगे।

अखिलेश यादव ने बताया कि करीब दो महीने पहले हमारी मुलाकात हुई थी। मैंने उनसे कहा था कि अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें और अपने कारोबार को आगे बढ़ाएं। कई बार कारोबार में नुकसान होने पर व्यक्ति अंदर से टूट जाता है। उन्होंने अपने छोटे भाई को याद करते हुए कहा, मैंने प्रतीक को बचपन से देखा है। यह बेहद दुखद है कि वह आज हमारे बीच नहीं हैं। वह जीवन में आगे बढ़कर काम करना चाहते थे। उनके जाने से परिवार को गहरा आघात पहुंचा है। उधर, सैफई स्थित यादव परिवार के पैतृक आवास के बाहर भी सन्नाटा पसरा हुआ है, क्योंकि परिवार के अधिकांश सदस्य लखनऊ रवाना हो गए हैं। इटावा और सैफई क्षेत्र में भी इस दुखद घटना के बाद शोक का माहौल देखा जा रहा है। राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष बबीता सिंह चौहान भी प्रतीक यादव के आवास पर पहुंचीं और अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। उन्होंने कहा, यह एक बहुत ही दुखद घटना हैज ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें। भगवान परिवार को इस दुख को सहन करने की शक्ति दें। ज्ञात हो कि प्रतीक यादव, समाजवादी पार्टी के संस्थापक मुलायम सिंह यादव के बेटे और भाजपा नेता अपर्णा यादव के पति थे। उनका पार्थिव शरीर पोस्टमॉर्टम के लिए लखनऊ स्थित केजीएमयू लाया गया है।

सीबीआई डायरेक्टर चयन पर राहुल गांधी की असहमति

बोले– विपक्ष का नेता 'रबर स्टैंप' नहीं, चयन प्रक्रिया को बताया पक्षपातपूर्ण

नई दिल्ली(एजेंसी)। प्रधानमंत्री आवास पर मंगलवार को हुई उच्चस्तरीय बैठक के बाद लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने नए सीबीआई डायरेक्टर के चयन को लेकर अपनी असहमति जताई है। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि चयन प्रक्रिया को महज औपचारिकता बनाकर रख दिया गया है और विपक्ष की भूमिका को नजरअंदाज किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री आवास 7, लोक कल्याण मार्ग पर हुई इस बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भारत के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत और राहुल गांधी शामिल हुए। बैठक करीब डेढ़ घंटे तक चली। बैठक के बाद राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर एक पत्र साझा करते हुए चयन प्रक्रिया पर गंभीर सवाल उठाए। राहुल गांधी ने कहा कि सीबीआई डायरेक्टर के चयन के लिए सरकार की ओर से 69 उम्मीदवारों की सूची दी गई, लेकिन उनसे जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी उपलब्ध नहीं कराई गई। उन्होंने आरोप लगाया कि उम्मीदवारों की सेल्फ असेसमेंट रिपोर्ट और 360-डिग्री मूल्यांकन रिपोर्ट देने से साफ इनकार कर दिया गया।

राहुल ने अपने पत्र में लिखा कि विपक्ष के नेता को चयन समिति में इसलिए शामिल किया जाता है ताकि संस्थाओं पर किसी एक पक्ष का नियंत्रण न हो और प्रक्रिया निष्पक्ष बनी रहे। उन्होंने कहा कि यदि आवश्यक दस्तावेज और मूल्यांकन रिपोर्ट ही साझा नहीं की जाएंगी, तो विपक्ष की भूमिका केवल ÷रबर स्टैंप÷ बनकर रह जाएगी।

उन्होंने केंद्र सरकार पर सीबीआई के दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए कहा कि एजेंसी का इस्तेमाल राजनीतिक विरोधियों, पत्रकारों और आलोचकों को निशाना बनाने के लिए किया गया है। राहुल गांधी ने कहा कि बिना किसी कानूनी आधार के जानकारी देने से इनकार करना चयन प्रक्रिया का मजाक उड़ाने जैसा है और इससे यह संदेश जाता है कि सरकार पहले से तय उम्मीदवार को ही चुनना चाहती है। राहुल गांधी ने यह भी बताया कि उन्होंने इससे पहले 5 मई 2025 और 21 अक्टूबर 2025 को प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर चयन प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और निष्पक्ष बनाने के सुझाव दिए थे, लेकिन अब तक उन पत्रों का कोई जवाब नहीं मिला।

गौरतलब है कि वर्तमान सीबीआई निदेशक प्रवीण सूद का कार्यकाल 24 मई को समाप्त हो रहा है। ऐसे में नए निदेशक के चयन को लेकर राजनीतिक हलकों में चर्चा तेज हो गई है। दरअसल, सीबीआई निदेशक के चयन की प्रक्रिया में प्रधानमंत्री, सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश और लोकसभा में विपक्ष के नेता शामिल होते हैं। समिति द्वारा नाम तय किए जाने के बाद गृह मंत्रालय की सिफारिश पर कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) नियुक्ति का औपचारिक आदेश जारी करता है।

क्लीन पॉलिटिक्स करने वाले अब डर्टी पॉलिटिक्स करने पर उतारु : स्टालिन

-देखना होगा कि अन्नाद्रमुक के विधायकों को क्या मिलता है

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु की राजनीति में विश्वास मत के बाद नया सियासी घमासान छिड़ गया है। पूर्व मुख्यमंत्री और द्रविड़ मुन्नेत्र कझगम (डीएमके) के प्रमुख एमके स्टालिन ने तमिलगा वेट्री कझगम (टीवीके) सरकार पर गंदी राजनीति (डर्टी पॉलिटिक्स) करने का गंभीर आरोप लगा दिया है। डीएमके नेता स्टालिन ने कहा कि डीएमके ने पहले ही यह रुख अपना लिया था कि वह टीवीके सरकार के गठन या उसके बने रहने में कोई बाधा नहीं डालेगी। इसी के तहत डीएमके विधायकों ने विश्वास मत का बहिष्कार किया और सदन से वॉकआउट कर गए। स्टालिन ने बताया कि विधानसभा में उनके गठबंधन सहयोगियों प्रेमलता विजयकांत, प्रोफेसर जवाहरुल्लाह, थमिमुन अंसारी और नित्यानंदन ने भी सदन से वॉकआउट कर उनका साथ दिया। वहीं, सीपीआई, सीपीआई (एम), आईयूएमएल और वीसीके जैसे सहयोगी दलों ने राष्ट्रपति शासन की संभावना को रोकने के लिए सरकार के पक्ष में मतदान किया, जिसके लिए स्टालिन ने दोनों निर्णयों का सम्मान व्यक्त किया। हालांकि, स्टालिन ने आरोप लगाया कि अब टीवीके सरकार उन लोगों का भरोसा तोड़ रही है, जिन्होंने सरकार बनने की मदद की।

उन्होंने कहा कि पिछले तीन दिनों में सत्ताधारी दल की गतिविधियों और सहयोगी दलों के बयानों से साफ हो गया है कि सरकार स्वच्छ राजनीति के अपने वादे से भटक चुकी है। डीएमके प्रमुख ने टीवीके पर अन्नाद्रमुक के अंदरूनी विवाद का फायदा उठाकर उसके विधायकों को अपने पक्ष में करने का आरोप लगाया। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि जो लोग क्लीन पॉलिटिक्स का नारा देकर सत्ता में आए थे, वे अब डर्टी पॉलिटिक्स में शामिल हुए हैं।

स्टालिन ने मुख्यमंत्री विजय को संबोधित कर कहा कि तमिलनाडु की जनता सरकार की हर गतिविधि पर नजर बनाए हुए है और यह भी देख रही है कि अन्नाद्रमुक से जुड़े विधायकों को किस तरह का रिटर्न गिफ्ट दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि डीएमके अपनी विचारधारा से पीछे नहीं हटेगी और राज्य में एक मजबूत व रचनात्मक विपक्ष की भूमिका निभाती रहेगी। उनके इस बयान के बाद तमिलनाडु की राजनीति में नई बहस छिड़ गई है।

अधिकारी किसानों के लिए सेना की तरह काम करें, लापरवाही बर्दाश्त नहीं

-सोरेन सरकार की कृषि मंत्री ने जिले में कांटिजेंट प्लान बनाने के दिए निर्देश

रांची (एजेंसी)। झारखंड में सोरेन सरकार की कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि राज्य सरकार किसानों के उत्थान के प्रति गंभीर है और इस दिशा में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। किसानों के हित के लिए जो काम करेंगे, उनको सम्मान दिया जाएगा और जो लापरवाही करेंगे उन पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। मंत्री तिर्की मंगलवार को बिरसा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित खरीफ कर्मशाला 2026 के दूसरे दिन कर्मशाला में कृषि प्रभाग के निदेशकों की अनुपस्थिति पर कड़ी नाराजगी जाहिर की।

कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि मौसम विभाग के मुताबिक इस साल मानसून में कम बारिश के आसार है जिस कारण सूखे की स्थिति पैदा हो सकती है। ऐसे में राज्य सरकार पहले से ही तैयारी कर किसानों को राहत पहुंचाने की दिशा में काम कर रही है। सुखाड़ की आशंका को देखते हुए सभी जिला के कृषि पदाधिकारियों को अपने अपने जिले में कांटिजेंट प्लान बनाने का निर्देश दिया था। उन्होंने कहा कि किसानों के लिए समय अहम होता है। उसे यदि सही समय पर बीज न मिले, सिंचाई की सुविधा न मिले तो सारी मेहनत बेकार है।

उन्होंने पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि आप लोग एक सेना के रूप में किसानों के लिए काम करेंगे। जिला में नोडल पदाधिकारी जिला कृषि पदाधिकारी रहेंगे और कृषि प्रभाग से जुड़े सभी पदाधिकारी मिलकर एक्शन मोड पर काम करेंगे। उन्होंने निर्देश दिया कि 15 मई को जिला स्तरीय बैठक बुलाए, जिसमें प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी भी मौजूद रहेंगे। इसकी रिपोर्ट राज्य के नोडल पदाधिकारी को भेजेंगे। 20 मई को हर जिला में खरीफ मेला का आयोजन किया जाएगा, जिसमें 500 प्रगतिशील किसान भाग लेंगे। इसमें हर प्रखंड से भागीदारी हो इसे तय करेंगे।

मेला में मृदा जांच काउंटर भी उपलब्ध कराएंगे। कर्मशाला में जो बातें आपने सीखी है उसे सरल तरीके से किसानों को समझाना होगा। कृषि विभाग से क्या मदद मिल सकती है उसकी जानकारी भी दें। 22 मई को प्रखंड स्तर भी खरीफ मेला का आयोजन करें और पंचायत स्तर भागीदारी तय करें। हर पंचायत से 50-50 प्रगतिशील किसानों की भागीदारी तय करें। बीज का वितरण एसएचजी और एफपीओ के जरिए हो इसे भी तय करेंगे।

कृषि मंत्री ने कहा कि यह तय किया जाए कि पशुओं के दवाई का वितरण समय पर होने के लिए निविदा समय पर निकाली जाए। मई अंत तक तालाबों के जीर्णोद्धार का कार्य समाप्त हो जाना चाहिए। किसान आय के अन्य उपायों को भी अपनाने पर जोर दें, इसके लिए उन्हें प्रेरित करना होगा। जिला कृषि पदाधिकारी को अपने जिले की कृषि से संबंधित सभी जानकारी रखनी होगी।

पाकिस्तान से बातचीत होते रहना चाहिए : संघ

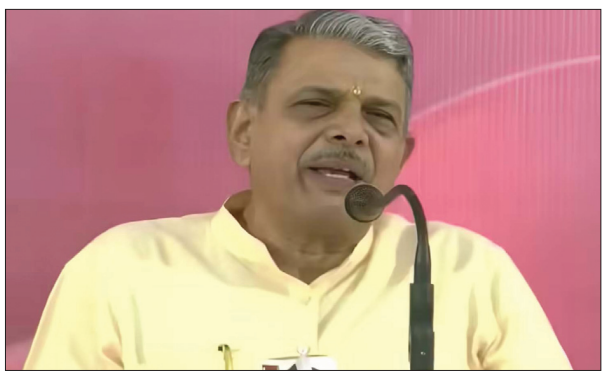

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने भारत और पाकिस्तान के बीच जारी गतिरोध को समाप्त करने के लिए नागरिक समाज की भूमिका और आपसी संवाद पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच तनाव कम करने का सबसे प्रभावी माध्यम लोगों के बीच आपसी संपर्क है और बातचीत के दरवाजे हमेशा खुले रहने चाहिए।

होसबाले ने स्पष्ट किया कि पाकिस्तान के सैन्य और राजनीतिक नेतृत्व ने भारत का विश्वास पूरी तरह खो दिया है। ऐसी स्थिति में अब समय आ गया है कि दोनों देशों का नागरिक समाज, शिक्षाविद, खिलाड़ी, वैज्ञानिक और सामुदायिक नेता आगे आएं और नेतृत्व करें। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि अंततः नागरिक समाज के रिश्ते ही काम आएंगे क्योंकि दोनों देशों के बीच गहरे सांस्कृतिक संबंध हैं और हम कभी एक ही राष्ट्र रहे हैं।

आतंकवाद के मुद्दे पर बोलते हुए उन्होंने 26/11, पुलवामा और पहलगाम जैसे हमलों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि कूटनीतिक स्तर पर हर संभव प्रयास किए जा चुके हैं, लेकिन पाकिस्तान की ओर से उकसावे वाली हरकतें जारी रहती हैं। इसके बावजूद, उन्होंने सुझाव दिया कि व्यापार, वाणिज्य और वीजा जारी करने जैसी प्रक्रियाएं बंद नहीं होनी चाहिए। उनके अनुसार, कूटनीतिक संबंधों को बनाए रखने का उद्देश्य यही है कि संवाद के लिए हमेशा एक खिड़की खुली रहे। उन्होंने सरकार को सलाह देते हुए कहा कि किसी भी देश की सुरक्षा और आत्मसम्मान की रक्षा करना सर्वोपरि है और मौजूदा सरकार को इसका पूरा ध्यान रखना चाहिए। लेकिन सुरक्षा चिंताओं के साथ-साथ ट्रैक टू कूटनीति और जन-संपर्क को और अधिक आजमाया जाना चाहिए। उन्होंने माना कि राजनीतिक और सैन्य नेतृत्व में भारत के प्रति नकारात्मकता हो सकती है, लेकिन सांस्कृतिक और सामाजिक स्तर पर जुड़ाव ही भविष्य की उम्मीद है। यह बयान ऐसे समय में आया है जब पारंपरिक राजनयिक माध्यमों पर काफी समय से चुप्पी छाई हुई है और नागरिक समाज की भागीदारी को लेकर नई बहस शुरू हो गई है।

सोने के बहाने डॉलर की अकड़ कम करना हो सकता है पीएम का दांव

नई दिल्ली (एजेंसी)। चौक-चौराहों से लेकर सोशल मीडिया तक, इन दिनों हर तरफ एक ही सवाल गूंज रहा है कि आखिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों से सोना खरीदने और विदेश घूमने से मना क्यों किया? दरअसल, मौजूदा समय में पश्चिम-एशिया में जारी तनाव के कारण कच्चे तेल की कीमतें 75 डॉलर से उछलकर 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गई हैं। चूंकि भारत अपनी जरूरत का 85प्रतिशत से ज्यादा तेल आयात करता है और इसका भुगतान डॉलर में करना पड़ता है, इसलिए तेल खरीदना अब देश के लिए बहुत महंगा सौदा साबित हो रहा है। प्रधानमंत्री जानते हैं कि तेल अनिवार्य है क्योंकि ट्रक चलेंगे तभी अनाज पहुंचेगा और फैक्ट्रियां चलेंगी तभी अर्थव्यवस्था की पहिया घूमेगा। इसलिए उन्होंने उन चीजों पर कटौती की अपील की है जिन्हें टाला जा सकता है, जैसे सोना और पर्यटन।

प्रधानमंत्री ने लगातार दो दिनों तक जनता से अगले एक साल के लिए सोने से दूरी बनाने, पेट्रोल-डीजल और खाद्य तेल की खपत कम करने के साथ-साथ विदेश यात्राओं को फिलहाल टालने का आग्रह किया है। प्रधानमंत्री के इस बयान के अब गहरे आर्थिक और रणनीतिक मायने निकाले जा रहे हैं। असल में, यह पूरी कवायद भारत के विदेशी मुद्रा भंडार और रुपये की गिरती कीमत को संभालने की एक बड़ी कोशिश है।

भारत में सोने का मोह जगजाहिर है। आंकड़ों के अनुसार, वित्त-वर्ष 2025-26 के दौरान भारत ने करीब 6,11,830 करोड़ रुपये का 721 टन से अधिक सोना आयात किया। औसतन भारत हर घंटे 82 किलो सोना विदेशों से खरीदता है। जब हम इतनी भारी मात्रा में सोना या अन्य विलासिता की चीजें खरीदते हैं, तो बाजार में डॉलर की मांग बढ़ती है और रुपया कमजोर होता है। वर्तमान में रुपया डॉलर के मुकाबले 95 के स्तर को पार कर चुका है। यदि यह गिरावट जारी रही, तो डॉलर 100 रुपये तक पहुंच सकता है, जिससे देश में भीषण महंगाई का खतरा पैदा हो जाएगा। प्रधानमंत्री की यह अपील करेंट अकाउंट डेफिसिट को काबू में रखने और डॉलर पर भारत की निर्भरता कम करने के लिए है। वर्क-फ्रॉम-होम और कारपूलिंग जैसी सलाहों के पीछे का मकसद भी यही है कि इंटरनेट का उपयोग कर पेट्रोल-डीजल की खपत घटाई जाए, जिससे विदेशी मुद्रा की बचत हो सके। सरल शब्दों में कहें, तो सरकार चाहती है कि वैश्विक बाजार के उतार-चढ़ाव का असर मध्यम वर्ग की थाली पर न पड़े और भारतीय अर्थव्यवस्था बाहरी झटकों के बावजूद आत्मनिर्भर और मजबूत बनी रहे।

लाइसेंस राज होगा खत्म, सरकार लाएगी अगली पीढ़ी के बड़े सुधार- नीति आयोग

अनावश्यक परमिट व निरीक्षण होंगे खत्म, 42,000 से अधिक अनुपालन समाप्त

नई दिल्ली ।

नीति आयोग के एक सदस्य ने भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के वार्षिक सम्मेलन में घोषणा की कि सरकार लाइसेंस राज के नए अवतारों को समाप्त करने और व्यापार सुगमता के लिए अगली पीढ़ी के सुधारों को लागू कर रही है। उन्होंने जोर देकर कहा कि 1991 के सुधारों ने औद्योगिक लाइसेंसिंग को खत्म किया, लेकिन लाइसेंस राज को नहीं। आज किसी भी कारोबार के लिए आवश्यक हर अनावश्यक परमिट लाइसेंस राज का ही एक रूप है। सरकार अब जब तक मना न हो तब तक अनुमति है के सिद्धांत पर आगे बढ़ेगी। सुधारों का उद्देश्य नियामक हस्तक्षेप से व्यवस्था को मुक्त करना है। इसके तहत, लाइसेंसिंग की आवश्यकता केवल राष्ट्रीय सुरक्षा या गंभीर स्वास्थ्य/पर्यावरण खतरों वाली गतिविधियों के लिए होनी चाहिए, और स्वचालित स्वतः पंजीकरण सामान्य नियम होगा। उन्होंने यह भी सुझाया कि आवश्यक लाइसेंस की वैधता स्थायी या लंबी अवधि की होनी चाहिए और बार-बार नवीनीकरण की आवश्यकता नहीं होनी चाहिए।

पश्चिम एशिया संकट से भारत के भुगतान संतुलन पर बढ़ा दबाव

तेल कंपनियों के भारी नुकसान और पर्याप्त ईंधन भंडार पर दिया जोर

नई दिल्ली।

पश्चिम एशिया में जारी संकट भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक वास्तविक दबाव परीक्षण है, जिसका भुगतान संतुलन, मुद्रास्फीति और चालू खाते पर सीधा असर पड़ रहा है। यह बात वित्त मंत्रालय के मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी अनंत नागेश्वरन ने आज कही। उन्होंने इस स्थिति को अस्थायी नहीं बल्कि ढांचागत बताया। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के वार्षिक व्यापार शिखर सम्मेलन में नागेश्वरन ने कहा कि चालू खाते का विश्वसनीय प्रबंधन, वित्तपोषण और विनिमय दर में गिरावट रोकना वित्त वर्ष 2026-27 की प्रमुख आर्थिक अनिवार्यताएं होंगी। उन्होंने बताया कि यह संकट दुनिया के अहम ऊर्जा गलियारों में लगातार आ रही रुकावट का नतीजा है। अधिकतर अर्थशास्त्रियों ने वित्त वर्ष 2027 के लिए भारत के चालू खाते के घाटे का अनुमान सकल घरेलू उत्पाद के 1.5 फीसदी से 2.4 फीसदी तक बढ़ा दिया है। हालांकि, भारत की मजबूत राजकोषीय नीति और बुनियादी ढांचा निवेश मौजूदा संघर्ष से निपटने के लिए एक मजबूत आधार प्रदान करते हैं। एक अलग सत्र में पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने संकेत दिया कि ईंधन की कीमतें बढ़ सकती हैं, लेकिन किसी भी बढ़ोतरी का फैसला चुनावों से जुड़ा नहीं होगा। उन्होंने बताया कि पश्चिम एशिया संकट के कारण तेल मार्केटिंग कंपनियों को प्रतिदिन 1,000 करोड़ रुपये का नुकसान हो रहा है, जिससे इस तिमाही में उनकी अंडर-रिकवरी 2 लाख करोड़ रुपये और नुकसान 1 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है। यह नुकसान पिछले साल के पूरे मुनाफे को खत्म कर सकता है। हालांकि, पुरी ने आश्वस्त किया कि भारत के पास पर्याप्त ईंधन भंडार है, जिसमें 60 दिनों का कच्चा तेल, 60 दिनों की एलएनजी और 45 दिनों की एलपीजी शामिल है। देश में एलपीजी उत्पादन भी संघर्ष-पूर्व स्तर से बढ़कर 54,000 टन प्रतिदिन हो गया है।

कोल इंडिया करेगी वैश्विक खनिज का विस्तार

सरकारी कंपनी महत्वपूर्ण खनिजों की पूरी मूल्य श्रृंखला संभालेगी

नई दिल्ली ।

सरकारी खनन दिग्गज कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) अपने पारंपरिक कोयला कारोबार से आगे बढ़कर वैश्विक महत्वपूर्ण खनिजों के क्षेत्र में एक बड़ी तैयारी कर रही है। कंपनी ने चालू वित्त वर्ष में चिली और सिंगापुर में सहायक इकाइयां स्थापित करने की योजना बनाई है, जिसका लक्ष्य लीथियम, रेयर अर्थ और तांबे जैसे रणनीतिक खनिजों में अवसरों की तलाश करना है। सीआईएल कध्कि अ धिकारी ने बताया कि कंपनी ने चिली में एक लीथियम ब्लॉक की पहचान की है और वह चिली सरकार की अंतिम मंजूरी का इंतजार कर रही है। मंजूरी मिलने पर, अगले 2-3 वर्षों में वहां खनन कार्य शुरू होने की उम्मीद है।

शेयर बाजार हल्की बढ़त के साथ बंद

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को हल्की बढ़त पर बंद हुआ। इसी के साथ ही इस सप्ताह की शुरुआत से ही जारी गिरावट का सिलसिला थम गया। बाजार में बढ़त दुनिया भर से मिले सकारात्मक संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई 49.74 अंक बढ़कर 74,608.98 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स ने 74,134.48 का निचला और 75,191.57 का ऊपरी स्तर छुआ जिससे उतार-चढ़ाव का अंदाज होता है। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 33.05 अंक ऊपर आकर 23,412.60 अंक पर बंद हुआ। बाजार में मेटल, ऑयल एंड गैस सेक्टर में खरीदारी देखी गई, जबकि आईटी और ऑटो शेयर दबाव में रहे।

सेंसेक्स के शेयरों में महिंद्रा एंड महिंद्रा, इन्फोसिस, टीसीएस, सन फार्मा, टेक महिंद्रा, पावरग्रिड, बजाज फिनसर्व, इटरनल, एनटीपीसी, बजाज फाइनेंस और मारुति सहित 16 शेयर नीचे आये जबकि एशियन पेंट्स के शेयरों में सबसे ज्यादा 4.37 फीसदी तेजी

आई। इसके अलावा टाटा स्टील, अडानी पोर्ट्स, बीईएल, भारती एयरटेल, लार्सन एंड टुब्रो, इंडिगो, आईटीसी और ट्रेंट के शेयरों में भी बढ़त रही। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार की तेजी से शुरुआत हुई। सेंसेक्स बढ़त के साथ ही 74,586 के स्तर पर और निफ्टी 23,468 के आसपास कारोबार करते दिखे।

ब्लैक बॉक्स ने 2एस इनोवाकोएस का अधिग्रहण किया

नई दिल्ली ।

एस्सार ग्रुप की आईटी कंपनी ब्लैक बॉक्स ने बुधवार को ब्राजील स्थित सिस्टम इंटीग्रेटर 2एस इनोवाकोएस टेक्नोलॉजियास एसए के अधिग्रहण को पूरा करने की घोषणा की। कंपनी को उम्मीद है कि इस अधिग्रहण से उसके वार्षिक राजस्व में 500 करोड़ रुपए का इजाफा होगा, जो वैश्विक विकास और लातिन अमेरिकी बाजार में उसकी स्थिति को मजबूत करेगा। ब्लैक बॉक्स के एक व रिष्ठ अ धिकारी ने इस सौदे को कंपनी की वैश्विक विकास यात्रा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि यह अधिग्रहण उच्च-विकास वाले लातिन अमेरिकी बाजार में ब्लैक बॉक्स की रणनीतिक उपस्थिति को और मजबूत करता है। उन्होंने कहा कि इस सौदे से कंपनी को करीब 500 करोड़ रुपये का वार्षिक राजस्व हासिल होने की उम्मीद है, जिससे उसकी वित्तीय स्थिति में भी सुधार आएगा। यह विस्तार ब्लैक बॉक्स को उभरते बाजारों में अपनी पकड़ मजबूत करने में मदद करेगा।

भारत में डीएपी खाद 40 फीसदी हुई महंगी, किसानों पर बढ़ा बोझ

उर्वरक की कीमतों में भारी उछाल, सरकार पर सब्सिडी बढ़ाने का दबाव

मुंबई ।

मध्य-पूर्व में जारी भू-राजनीतिक तनाव का सीधा असर अब भारतीय कृषि पर दिखने लगा है। देश के लिए बेहद महत्वपूर्ण उर्वरक डायअमोनियम फॉस्फेट (डीएपी) की खरीद लगभग 40 प्रतिशत अधिक कीमत पर करनी पड़ रही है, जिससे मानसून से पहले किसानों पर अतिरिक्त वित्तीय बोझ बढ़ने की आशंका है। फरवरी में करीब 667 डॉलर प्रति टन मिलने वाला डीएपी अब भारत को 930 से 935 डॉलर प्रति टन की दर से खरीदना पड़ रहा है। इंडियन पोटाश लिमिटेड ने पश्चिमी और पूर्वी तटों के लिए कुल 13 लाख टन से अधिक डीएपी खरीदने का समझौता किया है। इस भारी मूल्य वृद्धि का मुख्य कारण मध्य-पूर्व में जारी संघर्ष और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में संभावित आपूर्ति बाधा है, क्योंकि फॉस्फेट उर्वरकों में इस्तेमाल होने वाले सल्फर की बड़ी आपूर्ति इसी क्षेत्र से होती है। उर्वरकों की बढ़ती कीमत सीधे खेती की लागत बढ़ाएगी। यदि सरकार सब्सिडी में पर्याप्त वृद्धि नहीं करती है, तो धान, मक्का और सोयाबीन जैसी फसलों की बुवाई की तैयारी कर रहे किसानों को बड़ा झटका लगेगा। गौरतलब है कि भारत ने हाल ही में लगभग 25 लाख टन यूरिया भी दोगुनी कीमत पर खरीदा है। यदि उर्वरकों की कीमतें लंबे समय तक ऊंची बनी रहती हैं, तो आने वाले समय में आटा, चावल और दाल जैसी आवश्यक खाद्य वस्तुओं की कीमतों में भी वृद्धि हो सकती है, जिससे आम उपभोक्ता भी प्रभावित होगा। हालांकि, अंतिम प्रभाव सरकारी सब्सिडी और वैश्विक हालात पर निर्भर करेगा।

एआई की चुनौतियों के बीच आईटी कंपनियों का शेयरधारकों को रिकॉर्ड भुगतान

वित्त वर्ष 2026 में 1.3 लाख करोड़ रुपये के लाभांश और पुनर्खरीद की घोषणा

नई दिल्ली ।

आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) के विकास से पारंपरिक कारोबार को संभावित खतरे और धीमी मुनाफा वृद्धि के बावजूद, भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) उद्योग अपने शेयरधारकों पर जमकर मेहरबान हुआ है। देश की शीर्ष 16 सूचीबद्ध आईटी कंपनियों ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए रिकॉर्ड 1.3 लाख करोड़ रुपये के लाभांश और शेयर पुनर्खरीद की घोषणा की है। यह आंकड़ा वित्त वर्ष 2025 के कुल भुगतान से 36.3 फीसदी अधिक है, जो पिछले 9 सालों में सबसे तेज वृद्धि दर्शाता है। यह भारी-भरकम भुगतान मुख्य रूप से शेयर पुनर्खरीद के कारण संभव हुआ है, जिसमें इन्फोसिस और विप्रो की भूमिका अहम रही है। इन्फोसिस ने नवंबर में

18,000 करोड़ रुपये की अपनी सबसे बड़ी पुनर्खरीद पूरी की, जबकि विप्रो ने 15,000 करोड़ रुपये की पुनर्खरीद की घोषणा की है। कुल मिलाकर, आईटी उद्योग ने वित्त वर्ष 2026 में पुनर्खरीद पर 33,895 करोड़ रुपये खर्च करने की घोषणा की है, जो वित्त वर्ष 2024 के बाद दूसरा सबसे बड़ा आंकड़ा है। इसके विपरीत, इक्विटी लाभांश भुगतान में केवल 0.7 फीसदी की मामूली वृद्धि हुई है। यह रिकॉर्ड भुगतान ऐसे समय में आया है जब वित्त वर्ष 2026 में इन कंपनियों का शुद्ध मुनाफा केवल 3.5 फीसदी बढ़ा, जो बीते आठ साल में सबसे धीमी वृद्धि है। हालांकि, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) ने डेटा सेंटर और एआई कारोबार में निवेश की योजना के तहत अपने लाभांश भुगतान में 12.7 फीसदी की कटौती की है। यह प्रवृत्ति दर्शाती है कि कंपनियां भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार रहते हुए भी शेयरधारकों को पुरस्कृत करने को प्राथमिकता दे रही हैं।

सोने पर शुल्क वृद्धि से तस्करी बढ़ेगी, निर्यात घटेगा जीजेईपीसी

आयात शुल्क बढ़ने पर उद्योग ने जताई आपत्ति, कहा- एमएसएमई पर पड़ेगा गंभीर असर

नई दिल्ली ।

रत्न एवं आभूषण निर्यात संवर्धन परिषद (जीजेईपीसी) ने सरकार द्वारा सोने, चांदी और प्लेटिनम पर आयात शुल्क में की गई हालिया वृद्धि का कड़ा विरोध किया है। परिषद ने बुधवार को कहा कि यह कदम न केवल कीमती धातुओं की कीमतें बढ़ाएगा, बल्कि तस्करी को बढ़ावा देगा और देश के निर्यात कारोबार के साथ-साथ सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को गंभीर नकदी संकट में धकेल देगा। जीजेईपीसी ने सरकार से इस मुद्दे पर उद्योग के हितधारकों के साथ तत्काल बातचीत कर एक स्थायी समाधान खोजने की अपील की है। सरकार ने सोने और चांदी पर आयात शुल्क छह प्रतिशत से बढ़ाकर 15 प्रतिशत कर दिया है, जबकि प्लेटिनम पर यह कर 6.4 प्रतिशत से बढ़कर 15.4 प्रतिशत हो गया है।

जीजेईपीसी ने इस फैसले पर अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि अतीत में यह देखा गया है कि आयात शुल्क बढ़ाने से शायद ही कभी सोने का आयात घटता है; इसके बजाय यह केवल कीमतें बढ़ाता है। परिषद ने इस बात पर जोर दिया कि हाल के समय में सोने की कीमतें दोगुनी होने के बावजूद आयात उसी अनुपात में कम नहीं हुआ है। जीजेईपीसी ने आशंका जताई है कि उच्च शुल्क से तस्करी को बढ़ावा मिलेगा और निर्यात की लागत में वृद्धि होगी। परिषद के अनुसार, निर्यातकों को अब नामित एजेंसियों से शुल्क-मुक्त सोना लेने पर प्रति किलोग्राम 28-30 लाख रुपये की बैंक गारंटी देनी पड़ रही है, जिससे उनकी कार्यशील पूंजी बुरी तरह प्रभावित हो रही है। इस निर्णय का सबसे गंभीर असर एमएसएमई विनिर्माताओं पर पड़ेगा, जो परिषद के 80 प्रतिशत सदस्य हैं और पहले से ही गंभीर नकदी संकट का सामना कर रहे हैं। सरकार के इस फैसले पर परिषद ने प्रमुख खुदरा विक्रेताओं और विनिर्माताओं के साथ बैठकें की हैं। जीजेईपीसी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर सोने के आयात को नियंत्रित करने के

वैकल्पिक उपाय भी सुझाए हैं। परिषद ने सरकार से आग्रह किया है कि वह राजकोषीय लक्ष्यों को निर्यात वृद्धि के साथ संतुलित करने वाले स्थायी समाधानों पर विचार-विमर्श के लिए उद्योग के साथ बातचीत करे, ताकि यह महत्वपूर्ण क्षेत्र प्रभावित न हो।

सोने-चांदी पर बढ़ाई सरकार ने कस्टम ड्यूटी

सोने-चांदी के आभूषण 15 फीसदी महंगे

नई दिल्ली।

केंद्र सरकार ने सोने-चांदी और ज्वेलरी से जुड़े आयातित सामानों पर कस्टम ड्यूटी बढ़ा दी है। वित्त मंत्रालय द्वारा जारी नई दरों के अनुसार, सोने-चांदी से संबंधित कुछ वस्तुओं पर आयात शुल्क 4.35 फीसदी से बढ़ाकर 10 फीसदी कर दिया गया है। वहीं, आभूषण निर्माण में इस्तेमाल होने वाले छोटे पार्ट्स और फाइंडिंग्स पर 5 फीसदी आयात शुल्क लगाया जाएगा। सरकार के इस फैसले के बाद विदेशों से आने वाला सोना-चांदी और ज्वेलरी का कच्चा माल महंगा हो जाएगा। इसका असर बाजार में आभूषणों की कीमतों पर भी देखने को मिल सकता है। व्यापारियों के अनुसार आने वाले दिनों में सोने-चांदी के आभूषण करीब 15 फीसदी तक महंगे हो सकते हैं।

सरकारी बैंकों का वित्त वर्ष 2025-26 में रिकॉर्ड 1.98 लाख करोड़ का मुनाफा

एसबीआई समेत प्रमुख बैंकों ने किया उत्कृष्ट प्रदर्शन, एनपीए में भी ऐतिहासिक गिरावट

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश के सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने वित्त वर्ष 2025-26 में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। इन 12 सरकारी बैंकों ने रिकॉर्ड 1.98 लाख करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया है, जो पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 11.12 प्रतिशत अधिक है। यह लगातार चौथा वित्त वर्ष है जब सरकारी बैंकों ने मुनाफा कमाकर अपनी वित्तीय स्थिरता और क्षमता का प्रदर्शन किया है।

वित्त मंत्रालय ने इस उपलब्धि को बेहतर कारोबारी विस्तार और सुधरी हुई परिसंपत्ति गुणवत्ता का परिणाम बताया है। वित्त मंत्रालय द्वारा जारी बयान के अनुसार, सरकारी बैंकों का मुनाफा वित्त वर्ष 2024-25 में 1.78 लाख करोड़ रुपये था, जिसमें अब और भी बढ़ोतरी हुई है। यह लाभप्रदता का सिलसिला वित्त वर्ष 2022 में 66,543 करोड़ रुपये के लाभ के साथ शुरू हुआ था और लगातार बढ़ता जा रहा है। देश के सबसे बड़े बैंक, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), ने वित्त वर्ष 2026 में अभी तक का सर्वाधिक शुद्ध सालाना लाभ 80,032 करोड़ रुपये दर्ज किया, जो सालाना आधार पर 12.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। वहीं बैंक ऑफ बड़ौदा ने 20,021 करोड़ रुपये और पंजाब नेशनल बैंक ने 16,904 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया है। मंत्रालय ने बताया कि यह मजबूत वित्तीय प्रदर्शन निरंतर व्यावसायिक वृद्धि, बेहतर संपत्ति गुणवत्ता, रिकॉर्ड लाभप्रदता और मजबूत पूंजी स्थिति का प्रतीक है। इससे भारतीय अर्थव्यवस्था की तेजी से बढ़ती ऋण जरूरतों को पूरा करने में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की मजबूती प्रदर्शित होती है। देश के 12 सरकारी बैंकों ने वित्त वर्ष 2025-26 में रिकॉर्ड 1.98 लाख करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया है।

वित्त मंत्रालय ने बयान में बताया कि सरकारी बैंक लगातार चौथे साल लाभप्रदता में रहे। सरकारी बैंकों की लाभप्रदता सालाना आधार 11.12 प्रतिशत बढ़कर 1.98 लाख करोड़ रुपये हो गई। हालांकि वित्त वर्ष 2024-25 में इनकी लाभप्रदता 1.78 लाख करोड़ रुपये थी।

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने वित्त वर्ष 24 में 1.41 लाख करोड़ रुपये, वित्त वर्ष 23 में 1.04 लाख करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2022 में 66,543 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया था।

पाम तेल की अगुवाई में भारत का वनस्पति तेल आयात 13 फीसदी उछला

तेल वर्ष की पहली छमाही में 79.4 लाख टन पहुंचा आयात

नई दिल्ली ।

दुनिया के सबसे बड़े खाद्य तेल उपभोक्ता भारत का वनस्पति तेल आयात तेल वर्ष 2025-26 के पहले छह महीनों (नवंबर-अप्रैल) में 13 प्रतिशत बढ़कर 79.4 लाख टन हो गया है। सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एसईए) द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, पाम तेल की खेप में हुई भारी वृद्धि इस बढ़ोतरी की मुख्य वजह रही, जो पिछले वर्ष की समान अवधि के 70.4 लाख टन से अधिक है। इस अवधि में आयात का कुल मूल्य सालाना आधार पर 19 प्रतिशत बढ़कर 87,000 करोड़ रुपये पर पहुंच गया, जो पिछले वर्ष 73,000 करोड़ रुपये था। कुल आयात में 78.2 लाख टन खाद्य तेल और 1.21 लाख टन गैर-खाद्य तेल शामिल है। एसईए के आंकड़ों के मुताबिक, पाम तेल का आयात लगभग दोगुना होकर 27.4 लाख टन से 39.7 लाख टन पर पहुंच गया। वहीं, सोया तेल और सूरजमुखी तेल जैसे नरम तेलों की खेप 41.3 लाख टन से घटकर 38.5 लाख टन रह गई। इंडोनेशिया और मलेशिया पाम तेल के प्रमुख आपूर्तिकर्ता हैं, जबकि अर्जेंटीना व ब्राजील सोया तेल तथा रूस व यूक्रेन सूरजमुखी तेल के मुख्य स्रोत बने हुए हैं। पिछले एक वर्ष में खाद्य तेलों की कीमतों में 14 से 22 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई है। इसके अतिरिक्त, डॉलर के मुकाबले रुपये में 9.2 प्रतिशत से अधिक की गिरावट ने आयात लागत को और बढ़ा दिया है, जिसे आयातकों और रिफाइनरों के लिए चिंता का विषय बताया गया है। इसी अवधि में नेपाल ने भी भारत को लगभग 2.17 लाख टन परिष्कृत तेल, मुख्य रूप से सोया तेल, निर्यात किया। मई 2026 तक कुल वनस्पति तेल भंडार बढ़कर 21.2 लाख टन हो गया है, जो तेल वर्ष की दूसरी छमाही में बेहतर आपूर्ति का संकेत देता है।

आधार नियमों में बड़ा बदलाव, अब दस्तावेज़ों की लंबी सूची मान्य, सत्यापन सख्त

यूआईडीएआई ने नए संशोधन विनियम, 2026 लागू किए

नई दिल्ली।

भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) ने आधार कार्ड से जुड़े नियमों में महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं। इनका उद्देश्य आधार बनवाने और अपडेट करने की प्रक्रिया को ज्यादा सुरक्षित, आधुनिक और पारदर्शी बनाना है। नए नियमों के तहत, आधार के लिए स्वीकार्य दस्तावेजों की सूची का व्यापक विस्तार किया गया है। अब ई-वोटर आईडी, ई-राशन कार्ड, बैंक पासबुक, मैरिज सर्टिफिकेट, यूटिलिटी बिल और रजिस्टर्ड रेंट एग्रीमेंट जैसे कई अन्य दस्तावेज़ भी मान्य होंगे। इससे उन लोगों को विशेष सुविधा मिलेगी जिन्हें पहले सीमित दस्तावेज़ों के कारण परेशानी होती थी। हालांकि, दस्तावेजों की जांच अब पहले से अधिक सख्ती से की जाएगी। केवल वैध, एक्सपायर न हुए और आवेदक के नाम पर दर्ज दस्तावेज़ ही स्वीकार्य होंगे। पहचान प्रमाण में नाम और फोटो दोनों का होना अनिवार्य है। यदि परिवार आधारित आवेदन किया जाता है, तो परिवार प्रमुख और आवेदक दोनों का नाम संबंध प्रमाण पत्र में होना आवश्यक होगा।

बच्चों के लिए भी विशेष प्रावधान किए गए हैं। 5 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए जन्म प्रमाण पत्र अनिवार्य कर दिया गया है, साथ ही माता-पिता या अभिभावक के दस्तावेज भी देने होंगे। वहीं, 5 से 18 साल तक के बच्चों के लिए परिवार प्रमुख के जरिए आधार बनवाने की प्रक्रिया को बढ़ावा दिया गया है। आवश्यकता पड़ने पर दस्तावेज आधारित आवेदन भी स्वीकार किया जाएगा।

रेलवन एप का एआई फीचर अब बताएगा, वेटिंग टिकट कन्फर्म होगी या नहीं

एक ही प्लेटफॉर्म पर मिलेंगी सभी रेलवे सेवाएं, अनरिजर्व्ड टिकट पर मिलेगी 3 फीसदी की छूट

नई दिल्ली।

भारतीय रेलवे में कन्फर्म सीट की बढ़ती किल्लत और यात्रियों की परेशानी को देखते हुए रेल मंत्रालय ने एक नया डिजिटल समाधान पेश किया है। रेलवन नामक यह मोबाइल ऐप यात्रियों को न सिर्फ एक ही प्लेटफॉर्म पर ढेरों सुविधाएं देगा, बल्कि इसके आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित फीचर से अब यह भी जानना संभव होगा कि आपकी वेटिंग लिस्ट टिकट कन्फर्म होने की कितनी संभावना है। यह अभिनव सुविधा यात्रियों को टिकट बुक करने से पहले ही वेटिंग लिस्ट टिकट के कन्फर्म होने का अनुमान देती है। शुरुआत में 53 फीसदी की सटीकता के साथ शुरू हुआ यह एआई-आधारित सिस्टम अब 94 फीसदी तक की विश्वसनीयता के साथ काम करता है, जिससे यात्री सोच-समझकर अपनी यात्रा योजना बना सकते हैं। यह एआई पुराने डेटा और बुकिंग पैटर्न का विश्लेषण कर सटीक भविष्यवाणी करता है। रेलवन ऐप सिर्फ आरक्षण टिकटों के लिए ही नहीं, बल्कि एक ऑल-इन-वन समाधान के तौर पर काम करेगा। इसमें जनरल/अनरिजर्व्ड टिकटों की ऑनलाइन बुकिंग, प्लेटफॉर्म टिकट खरीदने की सुविधा, ट्रेन का लाइव लोकेशन ट्रैक करना और रेलवे हेल्पलाइन पर सीधे शिकायत दर्ज करना जैसी सेवाएं शामिल हैं। पहले इन सुविधाओं के लिए अलग-अलग ऐप्स का इस्तेमाल करना पड़ता था। ऐप के जरिए अनरिजर्व्ड टिकट बुक करने पर यात्रियों को 3 फीसदी की छूट भी मिल रही है, जो डिजिटल टिकटिंग को बढ़ावा देगा।

कर्नाटक में अन्य और भी कई शानदार और अद्भुत जगहें मौजूद हैं। जिसके बारे में बहुत कम लोगों को जानकारी है। कर्नाटक की हसीन वादियों में मौजूद अंगुबे एक ऐसी जगह है, जिसके बारे में बहुत कम लोगों को पता है।

कर्नाटक की यह जगह प्रकृति प्रेमियों के लिए स्वर्ग, आप भी जरूर करें एक्सप्लोर

दक्षिण भारत देश का खूबसूरत और प्रमुख हिस्सा माना जाता है। दक्षिण भारत में कर्नाटक एक ऐसा राज्य है, जिसको पर्यटन का मुख्य केंद्र माना जाता है। यह एक ऐसा राज्य है, जहां पर हर दिन हजारों की संख्या में देशी और विदेशी पर्यटक घूमने और मौज–मस्ती के लिए आते हैं। कर्नाटक में गोकर्ण, कूर्ग, बेंगलुरु, हम्पी और मैसूर जैसी फेमस जगहों पर घूमने के लिए सबसे ज्यादा संख्या में पर्यटक पहुंचते हैं।

हालांकि इन जगहों की खूबसूरती पर्यटकों को बहुत आकर्षित करती है, लेकिन कर्नाटक में अन्य और भी कई शानदार और अद्भुत जगहें मौजूद हैं। जिसके बारे में बहुत कम लोगों को जानकारी है। कर्नाटक की हसीन वादियों में मौजूद अंगुबे एक ऐसी जगह है, जिसके बारे में बहुत कम लोगों को पता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको अंगुबे की खासियत के बारे में बताने जा रहे हैं। जिन्हें आपको जरूर एक्सप्लोर करना चाहिए।

अंगुबे

बता दें कि यह खूबसूरत और मनमोहक हिल स्टेशन कर्नाटक के शिमोगा जिले में पड़ता है। अंगुबे को एक बेहद खूबसूरत गांव के साथ ही यहां का शानदार और छिपा हुआ खजाना भी माना जाता है।

अगुंबे कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु से करीब 345 किमी दूर स्थित है। वहीं यह उडुपी से करीब 60 किमी दूर, मंगलूरू से 100 किमी और कर्नाटक के चिकमंगलूर से करीब 112 किमी की दूरी पर मौजूद है।

अंगुबे की खासियत

अंगुबे में ऐसी अनगिनत खासियत है, जो पर्टयकों को अपनी ओर आकर्षित करता है। यह समुद्र तल से करीब 2 हजार से अधिक फीट की ऊंचाई पर स्थित अंगुबे को कर्नाटक का छिपा हुआ खजाना माना जाता है। वहीं यह कर्नाटक का सबसे हसीन और खूबसूरत हिल स्टेशन्स में से एक माना जाता है।

अंगुबे न सिर्फ अपनी खूबसूरती बल्कि शांत और शुद्ध वातावरण के लिए जाना जाता है। इसलिए इसको प्रकृति प्रेमियों के लिए जन्नत भी माना जाता है। अंगुबे को कर्नाटक का चेरापूंजी भी कहा जाता है। क्योंकि यहां पर खूब बारिश होती है। इस हिल स्टेशन की खूबसूरती के आगे हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड भी फीके लगते हैं।

जानिए क्यों है खास

सैलानियों के लिए अंगुबे बेहद ही खास और अद्भुत पर्यटन स्थल है। यह जगह उन लोगों के बीच काफी लोकप्रिय है, जो प्रकृति से प्रेम करते हैं। यह अपने शांत वातावरण के लिए भी जाना जाता है।

अंगुबे हिल स्टेशन न सिर्फ अपनी खूबसूरती बल्कि एडवेंचर के लिए भी जाना जाता है। कई पर्यटक यहां पर हाईकिंग, ट्रैकिंग और कैंपिंग का लुत्फ उठाने के लिए पहुंचते हैं। यहां पर स्थित सबसे ऊंची बिंदू से फोटोग्राफी करना हर किसी का सपना होता है।

अगुंबे सनसेट पॉइंट

जब भी अंगुबे में किसी शानदार जगह घूमने की बात होती है, तो सबसे पहले अंगुबे सनसेट पॉइंट की बात होती है। यह सबसे लोकप्रिय पॉइंट है, जहां से पूरे शहर का खूबसूरत नजारा दिखाई देता है। वहीं यहां से सनसेट और सनराइज का नजारा काफी मनमोहक होता है।

जोगीगुंडी फॉल्स

अंगुबे में स्थित यह जगह जोगीगुंडी फॉल्स बेहद शानदार और अद्भुत खजाने से कम नहीं है। हर दिन दर्जन से अधिक पर्यटकों को यह खूबसूरत वॉटरफॉल आकर्षित करता है। इस वॉटरफॉल के आसपास काफी हरियाली है। बताया जाता है कि इसका पानी एक गुफा से निकलता है और मानसून का समय यहां पर घूमने के लिए सबसे बेस्ट है।

ऐतिहासिक धरोहर और सांस्कृतिक समृद्धि का केंद्र है कपूरथला शहर

कपूरथला ज्यूडिशियल किला भी एक ऐतिहासिक स्थल है, जो इस क्षेत्र के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व को दर्शाता है। इस किले की वास्तुकला और इसे बनाने की शैली अत्यंत रोचक है। किला आज भी अपनी भव्यता और ऐतिहासिक धरोहर को बनाए हुए है।

कपूरथला, पंजाब राज्य का एक ऐतिहासिक और सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण शहर है, जो अपनी भव्य वास्तुकला, शाही इतिहास और अद्भुत पर्यटन स्थलों के लिए प्रसिद्ध है। यह शहर न केवल पंजाब, बल्कि पूरे भारत में एक प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में उभर रहा है। कपूरथला का सांस्कृतिक वैभव, ऐतिहासिक किले, महल और खूबसूरत बगीचे यहाँ आने वाले पर्यटकों को एक अद्वितीय अनुभव प्रदान करते हैं। आइए जानते हैं कपूरथला के कुछ प्रमुख पर्यटन स्थलों के बारे में।

1. कपूरथला महल

कपूरथला का सबसे प्रमुख आकर्षण है कपूरथला महल, जिसे फ़पंजाबी वर्सायफ़ के नाम से भी जाना जाता है। यह महल फ्रांसीसी वास्तुकला से प्रेरित है और इसकी भव्यता और आकर्षण पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देते हैं। महल के अंदर शानदार कमरे, खूबसूरत गैलरी और विस्तृत बगीचे हैं।

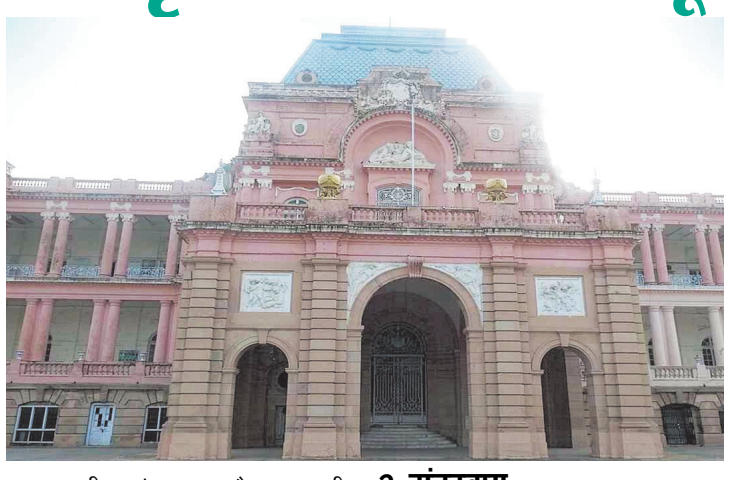

महल की संरचना और इसकी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि इसे कपूरथला का प्रमुख पर्यटन स्थल बनाती है। यहाँ का बगीचा और झील पर्यटकों को शांति और सौंदर्य का अनुभव कराते हैं।

2. शाही मस्जिद

कपूरथला में स्थित शाही मस्जिद एक ऐतिहासिक और धार्मिक स्थल है, जो अपनी अद्भुत वास्तुकला और शांत वातावरण के लिए प्रसिद्ध है। इस मस्जिद को कपूरथला के तत्कालीन शाही परिवार द्वारा बनवाया गया था। मस्जिद का शाही और भव्य रूप पर्यटकों को आकर्षित करता है। यहाँ की आंतरिक सजावट और विस्तृत बगीचों में भ्रमण करते हुए लोग शांति का अनुभव करते हैं।

3. सुंदरबाग

सुंदरबाग, कपूरथला का एक और प्रमुख आकर्षण है। यह बगीचा कपूरथला महल के पास स्थित है और इसकी सुंदरता पर्यटकों को बेहद आकर्षित करती है। यहाँ की हरियाली, फूलों की सुगंध और शांत वातावरण आपको एक अद्भुत अनुभव प्रदान करते हैं। सुंदरबाग में घूमने से पर्यटकों को पंजाब की प्राकृतिक सुंदरता का अहसास होता है।

4. कपूरथला ज्यूडिशियल किला

कपूरथला ज्यूडिशियल किला भी एक ऐतिहासिक स्थल है, जो इस क्षेत्र के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व को दर्शाता है। इस किले की वास्तुकला और इसे बनाने की शैली अत्यंत रोचक है। किला आज भी अपनी भव्यता और ऐतिहासिक धरोहर को बनाए हुए है। किले के चारों ओर फैला हरित क्षेत्र और इसके प्राचीन कक्ष पर्यटकों को बहुत आकर्षित करते हैं।

5. गुलाबबाग

कपूरथला का गुलाबबाग एक शानदार बगीचा है, जो विशेष रूप से अपनी गुलाब की झाड़ियों के लिए प्रसिद्ध है। यहाँ विभिन्न प्रकार के गुलाबों का संग्रह देखने को मिलता है, जो बाग को एक अद्वितीय सुंदरता प्रदान करते हैं। गुलाबबाग की सैर करते हुए पर्यटक गुलाबों की खूबसूरती और बाग के शांत वातावरण का आनंद लेते हैं। यह स्थान फूलों के शौकिनों के लिए आदर्श है।

6. चरणबीर बाग

चरणबीर बाग कपूरथला का एक ऐतिहासिक बाग है, जो अपने अद्भुत सौंदर्य और शाही संरक्षण के लिए प्रसिद्ध है। इस बाग में कई आकर्षक फूल और पेड़–पौधे हैं, जो पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। बाग में स्थित ऐतिहासिक स्मारक और शाही महल इस स्थान को और भी खास बनाते हैं। यहाँ घूमते हुए पर्यटक प्रकृति के साथ–साथ इतिहास की समृद्धि को भी महसूस कर सकते हैं।

7. फव्वारा

फव्वारा कपूरथला के प्रमुख पर्यटन स्थलों में से एक है। यह एक खूबसूरत और आकर्षक फव्वारा है, जो शहर के बीच स्थित है। इसके आसपास का माहौल और पानी के बहाव का दृश्य पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देता है। यहाँ पर अक्सर लोग आराम करने के लिए आते हैं और शहर की हलचल से दूर शांति का अनुभव करते हैं।

8. शहीदी स्मारक

कपूरथला के शहीदी स्मारक में भारत के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को श्रद्धांजलि अर्पित की जाती है। यह स्मारक उन वीर शहीदों की याद में बनवाया गया था जिन्होंने देश की स्वतंत्रता के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। यह स्थल इतिहास प्रेमियों के लिए एक महत्वपूर्ण और शिक्षाप्रद स्थल है।

कपूरथला एक ऐसा शहर है, जहाँ ऐतिहासिक धरोहर, शाही महल, धार्मिक स्थल और प्राकृतिक सुंदरता का अद्भुत मिश्रण है। कपूरथला महल, शाही मस्जिद, सुंदरबाग और गुलाबबाग जैसे स्थल इस शहर की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक समृद्धि को दर्शाते हैं। यहाँ आने वाले पर्यटक न केवल पंजाब की लोक कला और संस्कृति से परिचित होते हैं, बल्कि वे यहाँ की प्राकृतिक सुंदरता और ऐतिहासिक धरोहर का भी आनंद लेते हैं। अगर आप इतिहास, वास्तुकला और प्रकृति प्रेमी हैं, तो कपूरथला की यात्रा आपके लिए एक अविस्मरणीय अनुभव साबित हो सकती है।

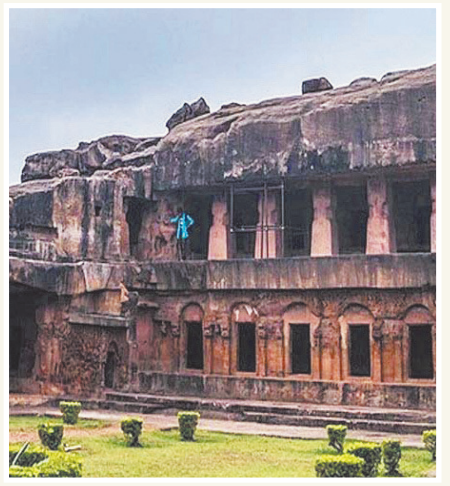

ओडिशा की प्राचीन धरोहर हैं उदयगिरी और खंडगिरी गुफाएँ

उदयगिरी गुफाएँ पहाड़ी की ऊपरी चोटी पर स्थित हैं और यहाँ कुल 18 गुफाएँ हैं। इन गुफाओं में से कुछ का उपयोग ध्यान, पूजा, और साधना के लिए किया जाता था, जबकि अन्य गुफाएँ विश्राम स्थल के रूप में बनायीं गई थीं।

ओडिशा राज्य के भुवनेश्वर शहर के निकट स्थित उदयगिरी और खंडगिरी गुफाएँ प्राचीन भारतीय कला, संस्कृति और धार्मिकता का अद्भुत उदाहरण हैं। ये गुफाएँ न केवल ऐतिहासिक दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं, बल्कि शिल्पकला और वास्तुकला के दृष्टिकोण से भी अत्यधिक मूल्यवान हैं। उदयगिरी और खंडगिरी गुफाएँ जैन धर्म से संबंधित हैं और ये गुफाएँ 2,000 साल पुरानी मानी जाती हैं। इन गुफाओं को देखकर हम प्राचीन भारत की धार्मिक आस्थाओं और उनकी जीवनशैली के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

उदयगिरी और खंडगिरी गुफाओं का इतिहास

उदयगिरी और खंडगिरी गुफाएँ मुख्य रूप से जैन साधुओं द्वारा vst शताब्दी ईसा पूर्व में बनाई गई थीं। इन गुफाओं का निर्माण शासक कुमारगुप्त I के शासनकाल में हुआ था, जो गुप्त साम्राज्य के सम्राट थे। यह गुफाएँ उनके द्वारा प्रोत्साहित किए गए धार्मिक और सांस्कृतिक उद्देश्यों के तहत बनाई गई थीं। उदयगिरी का नाम उदय यानी सूर्योदय से जुड़ा हुआ है, जबकि खंडगिरी का अर्थ है खंडित पर्वत , जो यहाँ की पर्वत श्रृंखलाओं की विशेषता को दर्शाता है।

उदयगिरी गुफाएँ

उदयगिरी गुफाएँ पहाड़ी की ऊपरी चोटी पर स्थित हैं और यहाँ कुल 18 गुफाएँ हैं। इन गुफाओं में से कुछ का उपयोग ध्यान, पूजा, और साधना के लिए किया जाता था, जबकि अन्य गुफाएँ विश्राम स्थल के रूप में बनायीं गई थीं। यहाँ की गुफाओं में जैन धर्म से संबंधित चित्रकला और मूर्तिकला का अद्भुत उदाहरण देखने को मिलता है।

उदयगिरी की गुफाओं में प्रमुख गुफा हाथी गुफा है, जिसका नाम यहाँ की हाथी के आकार की मूर्ति के कारण पड़ा। इसके अलावा, गांधार गुफा भी प्रसिद्ध है, जहां एक बड़ी मूर्ति और शिलालेख पाए जाते हैं। ये गुफाएँ जैन साधुओं द्वारा ध्यान और तपस्या के लिए इस्तेमाल की जाती थीं। यहाँ की दीवारों और छतों पर उकेरी गई मूर्तियाँ और चित्र आज भी उस समय के कला और शिल्प कौशल की गवाही देती हैं।

खंडगिरी गुफाएँ

खंडगिरी गुफाएँ उदयगिरी के पास स्थित हैं और यहाँ कुल 15 गुफाएँ हैं। इन गुफाओं का आकार उदयगिरी की गुफाओं से थोड़ा अलग है, और इनका निर्माण भी जैन साधुओं द्वारा ध्यान और पूजा के उद्देश्य से किया गया था। खंडगिरी गुफाओं की दीवारों पर जैन धर्म के अनुयायियों के जीवन और उनके अनुशासन की छवियाँ उकेरी गई हैं। खंडगिरी की एक प्रसिद्ध गुफा रानी गुफा है, जिसे शाही गुफा भी कहा जाता है। यह गुफा अपनी सुंदर वास्तुकला के लिए जानी जाती है। इसमें एक शाही परिवार की मूर्तियाँ और चित्रकला देखने को मिलती हैं। यहाँ की अन्य गुफाओं में साधारण साधुओं के चित्र और मूर्तियाँ हैं जो उनके जीवन की गाथाएँ बयान करती हैं।

शिल्पकला और मूर्तिकला

उदयगिरी और खंडगिरी गुफाओं की दीवारों पर उकेरी गई मूर्तियाँ और चित्र शिल्पकला और मूर्तिकला का अद्वितीय उदाहरण प्रस्तुत करती हैं। यहाँ पर जैन धर्म से संबंधित कई दृश्य और भगवान महावीर की मूर्तियाँ, जो कि जैन धर्म के प्रमुख तीर्थंकर हैं, देखने को मिलती हैं। गुफाओं में शिलालेख भी पाए जाते हैं, जो उस समय की धार्मिक और सांस्कृतिक जीवनशैली के बारे में जानकारी प्रदान करते हैं।

इन गुफाओं की शिल्पकला में रचनात्मकता और सूक्ष्मता दिखाई देती है। उदाहरण के लिए, उदयगिरी की हाथी गुफा में उकेरी गई हाथी की मूर्ति और खंडगिरी की रानी गुफा में शाही सजावट इसकी विशेषता हैं।

उदयगिरी और खंडगिरी गुफाओं का धार्मिक महत्व

इन गुफाओं का धार्मिक महत्व बहुत अधिक है, खासकर जैन धर्म के अनुयायियों के लिए। इन गुफाओं में ध्यान और साधना के लिए विशेष स्थान बनाए गए थे। यहाँ की मूर्तियाँ और चित्र जैन धर्म के अनुयायियों के जीवन और उनकी आस्थाओं को व्यक्त करते हैं। इन गुफाओं के माध्यम से हम जैन धर्म के इतिहास, विचारधारा और आस्था को समझ सकते हैं।

मुंबई इंडियंस को हराकर प्लेऑफ की उम्मीदें मजबूत करना चाहेगी पंजाब

धर्मशाला (एजेंसी)। पंजाब किंग्स की टीम आईपीएल मुकाबले में गुरुवार को यहां मुम्बई इंडियंस के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी। इस सत्र की शुरुआत में नंबर एक पर रही पंजाब की टीम पिछले चार मैच में लगातार हार से अंक तालिका में चौथे स्थान पर खिसक गयी है। उसके अब तक 13 अंक हैं, ऐसे में प्लेऑफ में पहुंचने के लिए उसे ये मैच हर हाल में जीतना होगा। कप्तान श्रेयस अय्यर की पंजाब के पास अच्छे बल्लेबाज और गेंदबाज हैं पर उसे पिछले मैचों में की गयी गलतियों से बचना होगा। उसके ऊपर दबाव भी रहेगा और ऐसे में अब देखना होगा कि वह किस प्रकार से खेलती है। इस मैच में उसे अपनी गेंदबाजी और फील्डिंग में जल्द से जल्द सुधार करना होगा। पिछले मैच में उसे इन दोनो क्षेत्रों की कमजोर से हार का सामना करना पड़ा था। उसे प्लेऑफ में जगह बनाने बचे हुए दो मैचों को हर हाल में जीतना होगा।

टीम का अब तक का सफर उतार-चढ़ाव से भरा रहा है। उसे शुरुआत में लगातार जीत मिली पर फिर टीम एकाएक हारने लगी।

टूर्नामेंट के पहले भाग में बल्लेबाजों के शानदार प्रदर्शन से गेंदबाजी विभाग की कमजोरियां नजर नहीं आई पर बल्लेबाजी के असफल होने ही टीम हारने लगी। दिल्ली के खिलाफ मैच में टीम जीत के करीब पहुंच गई थी पर अंतिम पांच ओवरों में तेज गेंदबाज अपनी लेंथ बरकरार नहीं रख पाये। अर्शदीप सिंह सहित अन्य गेंदबाजों का इकॉनमी रेट सबसे खराब रहा है। जहां पहले हाफ में जेवियर बार्टलेट और अर्शदीप ने नई गेंद से अच्छा संयोजन प्रदान किया। वहीं लॉकी फर्ग्यूसन की वापसी के बाद इसमें अस्थिरता देखने को मिली है। पंजाब ने पिछले मैच में बेन ड्वार्शियस सहित बाएं हाथ के तीन तेज गेंदबाजों को मैदान पर उतारा पर ये सभी महंगे साबित हुए। अर्शदीप ने जिन 11 मैचों में हिस्सा लिया है, उनमें से अधिकांश में उन्होंने प्रति ओवर 10 से अधिक रन दिए हैं।

इसके अलावा टीम की फील्डिंग भी खराब रही है। वहीं अगर पंजाब की बल्लेबाजी की बात करें तो प्रभसिमरन सिंह को निरंतरता रखते हुए लंबी पारी खेलनी होगी जिससे वह शीर्ष क्रम में प्रियांश आर्य के साथ बड़ी साझेदार कर सकें। टीम ने पिछले मैचों में काफी कैच

छोड़े हैं जिससे भी टीम को नुकसान हुआ है।

वहीं दूसरे और मुंबई इंडियंस पहले ही पलेऑफ की दौड़ से बाहर हो गयी है। ऐसे में वह इस मैच में बिना किसी दबाव के उतरेगी। उसके बल्लेबाज और गेंदबाज बेहतर प्रदर्शन कर लय हासिल करने उतरेंगे। ऐसे में वह बेहतर प्रदर्शन कर पंजाब के प्लेऑफ का समीकरण बिगाड़ सकती है। जिसको ध्यान में रखते हुए पंजाब को सतर्क रहना होगा।

मुम्बई के कप्तान हार्दिक पंड्या चोटिल होने के कारण पिछले दो मैच में नहीं खेल पाए थे और इस मैच में उनके उतरने की संभावना है। वहीं आंकड़ो पर नजर डालें तो दोनो के बीच अबतक 34 मैच हुए हैं जिसमें से मुम्बई ने 17 जबकि पंजाब ने 16 जीते हैं।

टीम इस प्रकार है

पंजाब किंग्स: श्रेयस अय्यर (कप्तान), प्रियांश आर्य, हरनूर सिंह, प्रभसिमरन सिंह, मिचेल ओवेन, नेहल वढेरा, अजमतुल्लाह उमरजई, मार्को यानसन, मुशीर खान, शशांक सिंह, मार्कस स्टोइनिस, सूर्यांश शेडगे, अर्शदीप सिंह, जेवियर बार्टलेट, युजवेंद्र चहल, लॉकी फर्ग्यूसन, हरप्रीत बराड़, विजयकुमार विशाक, यश ठाकुर, कूपर कोनोली, बेन ड्वार्शियस, पाइला अविनाश, विष्णु विनोद, प्रवीण दुबे, विशाल निषाद।

मुंबई इंडियंस: हार्दिक पंड्या (कप्तान), नमन धीर, शेरफेन रदरफोर्ड, रियान रिकेल्टन, रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, राज बावा, विल जैक, कॉर्बिन बॉश, तिलक वर्मा, ट्रेंट बोल्ट, अश्विनी कुमार, जसप्रीत बुमराह, दीपक चाहर, मयंक मारकंडे, शार्दुल ठाकुर, क्विंटन डीकॉक, दानिश मालेवार, अथर्व अंकोलेकर, एएम ग़ज़नफ़र, मयंक रावत, रघु शर्मा, मोहम्मद सलाउद्दीन इज़हार, रॉबिन मिंज।

थाईलैंड ओपन के दूसरे दौर में पहुंचे श्रीकांत और सिंधु

बैंकाक (एजेंसी)। भारत के किदाम्बी श्रीकांत और पीवी सिंधु यहां खेले जा रहे थाईलैंड ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में जीत के साथ ही दूसरे दौर में पहुंच गये हैं। पुरुष एकल में पूर्व विश्व नंबर-1 श्रीकांत ने सिंगापुर के आठवीं वरीयता प्राप्त लो कीन यू को 21-14, 21-15 से सीधे सेटों में हराया। श्रीकांत ने अपनी आक्रामक शैली से लो कीन यू को वापसी का कोई अवसर नहीं दिया। अब अगले दौर में उनका सामना चीनी ताइपे के सू लि यांग से होगा। वहीं महिला एकल में, भारत की स्टार शटलर पीवी सिंधु ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए चीनी ताइपे की तुंग सियू तोंग को सीधे गेम में आसानी से हरा दिया। सिंधु ने अपने स्मैश और तेज रिटर्न से विरोधी खिलाड़ी को कोई अवसर नहीं दिया। अब उनका मुकाबला डेनमार्क की अमेली शूल्ज से होगा।

वहीं युवा खिलाड़ी आयुष शेट्टी को जापान के छठी वरीयता प्राप्त कोडाइ नराओका के खिलाफ 13-21, 21-17, 4-21 से हार का सामना करना पड़ा है। इसी तरह, तरुण मन्नेपल्ली भी जापान के कोकी वातानाबे से 12-21, 16-21 से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गए। महिला एकल में भी भारत की ऊन्नति हुड्डा को थाईलैंड की चौथी वरीयता प्राप्त पोर्नपावी चोचुवोंग ने 11-21, 21-17, 21-16 से हराया। भारत के ही अनमोल खरब का मुकाबला चीन के चेन यू फेई के खिलाफ 19-21, 21-13, 21-18 से हार का सामना करना पड़ा है।

सुदर्शन ने लगातार तीसरे आईपीएल सत्र में 500 से अधिक रन बनाये

-विराट के रिकार्ड की बराबरी पर आये

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात टाइटंस के सलामी बल्लेबाज साई सुदर्शन ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ हुए मुकाबले में अपनी अर्धशतकीय पारी के साथ ही एक अहम रिकार्ड भी अपने नाम कर लिया है। सुदर्शन आईपीएल सत्र में लगातार तीसरी बार 500 से अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गये हैं। इसी के साथ ही सुदर्शन ने आईपीएल में विराट कोहली के रिकार्ड की बराबरी कर ली है। विराट ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरीबी) की ओर से लगातार तीन सत्र में 500 से अधिक रन बनाये हैं।

सुदर्शन ने 2024 और 2025 के बाद अब 2026 में यह शानदार कारनामा किया है। है। इसी के साथ ही वह विराट के साथ तीसरे पायदान पर संयुक्त रूप से आ गये हैं। विराट ने साल 2023, 2024 और 2025 में यह रिकार्ड बनाया था। वहीं वेस्टइंडीज के पूर्व विस्फोटक बल्लेबाज क्रिस गेल ने साल 2011, 2012, 2013 और पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने साल 2019, 2020 और 2021 में भी लगातार तीन बार 500 से अधिक रन बनाये हैं।

हालांकि, आईपीएल में सबसे ज्यादा बार 500 से अधिक रन बनाने का ओवरऑल रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज डेविड वॉर्नर के नाम दर्ज है, जिन्होंने छह बार यह उपलब्धि हासिल की है।

इस सत्र में साई सुदर्शन का प्रदर्शन बेहद प्रभावशाली रहा है। उन्होंने अब तक 12 मैचों में 41.75 की शानदार औसत से कुल 501 रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने पांच अर्धशतक और एक शतक लगाया है। वह ऑरेंज कैप की दौड़ में अभी दूसरे पायदान पर हैं, जहां सनराइजर्स हैदराबाद के हेनरिक क्लासेन 12 मैचों में 50.80 के औसत से 508 रन बनाकर उनसे थोड़ा आगे हैं। वहीं, विराट कोहली इस सूची में 13वें स्थान पर हैं, जिन्होंने 11 मैचों में 42.11 के औसत से 379 रन बनाए हैं, जिसमें तीन अर्धशतक शामिल हैं।

टी20 क्रिकेट में बल्लेबाज हो रहे हावी, गेंदबाजों को करने होंगे बदलाव : द्रविड़

डबलिन (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने कहा है कि आजकल के क्रिकेट जिस दौर में पहुंच गया है वहां बल्लेबाज हावी नजर आते हैं और गेंदबाजों की भूमिका उनके मुकाबले कमजोर नजर आती है। द्रविड़ के अनुसार इस प्रकार के हालातों में अपना दबदबा फिर से बनाने के लिए गेंदबाजों को अपने में बदलाव करना होगा। तभी वे बदलते हुए दौर में टिक पायेंगे। इस पूर्व कप्तान मानना है कि पिछले कुछ वर्षों में बल्लेबाजों ने खेल को पूरी तरह से बदल दिया है, जबकि गेंदबाज अभी भी उस स्तर तक पहुंचने के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

डबलिन में यूरोपीय टी20 प्रीमियर लीग (ईटीपीएल) से जुड़े एक कार्यक्रम के दौरान द्रविड़ ने कहा कि टी20 क्रिकेट में बल्लेबाजी का स्तर लगातार ऊंचा होता जा रहा है। साथ ही कहा, पिछले दो-तीन साल में बल्लेबाजी में जिस तरह का बदलाव आया है, उसे देखते हुए मुझे लगता है कि गेंदबाजों को उस स्तर तक पहुंचने के लिए अब काफी मेहनत करनी होगी। द्रविड़ ने विशेष रूप से युवा भारतीय बल्लेबाजों की भी प्रशंसा करते हुए कहा है कि इन लोगों ने पावरप्ले में बल्लेबाजी के अंदाज को ही बदल दिया है। उन्होंने अभिषेक शर्मा, वैभव सूर्यवंशी, आयुष मात्रे और प्रियांश आर्य जैसे खिलाड़ियों का जिक्र किया, जो अब मैदान के हर हिस्से में बड़े शॉट खेलते हैं।

द्रविड़ ने साथ ही कहा कि आजकल बल्लेबाजी कौशल, छक्के लगाने की क्षमता और मैदान के अलग-अलग हिस्सों में शॉट खेलने की कला पहले से कहीं बेहतर हुई है, जिसने गेंदबाजों को परेशानी में डाल दिया है। साथ ही कहा कि आज के इस दौर में गेंदबाजों को भी विविधता लानी होगी । उन्होंने कहा, अगर संतुलन की बात करें तो फिलहाल बल्लेबाज, गेंदबाजों की तुलना में टी20 क्रिकेट की मांगों के हिसाब से ज्यादा बेहतर तरीके से ढले हैं। हालांकि, द्रविड़ को उम्मीद है कि आने वाले समय में गेंदबाज इसका सामना बेहतर तरीके से कर सकेंगे।

द्रविड़ ने इस बात पर भी जोर दिया कि सपाट पिचों पर गेंदबाजों के लिए लगातार सफल होना आसान नहीं है और उन्हें कुछ अतिरिक्त सहायता की जरूरत होगी। इसके लिए विकेट को थोड़ा चुनौतीपूर्ण बनाना होगा ताकि गेंदबाजों को भी सहायता मिले। साथ ही कहा कि कोई भी ऐसा बदलाव जो गेंदबाजों की सहायता करें वह किया जाना चाहिये। तभी गेंद और बल्ले में संतुलन आयेगा।

उन्होंने कहा कि क्रिकेट पूरी तरह से बल्लेबाजों या गेंदबाजों के पक्ष में झुका नजर नहीं आना चाहिये। उन्होंने खेल में संतुलन के महत्व पर बल दिया और कहा, हम नहीं चाहते कि संतुलन किसी एक तरफ बहुत ज्यादा झुक जाए। खेल तभी रोमांचक होगा जब दोनो के बीच संतुलन रहेगा।

बीसीसीआई ने कमिंस पर जुर्माना लगाया

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में धीमी ओवर गति के लिए सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान पैट कमिंस पर जुर्माना लगाया है। कमिंस पर बोर्ड ने 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। कमिंस पर ये जुर्माना मंगलवार को अहमदाबाद में गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच में धीमी ओवर गति के लिए लगाया गया है। बोर्ड ने इसे आईपीएल नियमों का उल्लंघन करार दिया है।

बीसीसीआई के नियमों के अनुसार, यदि क्षेत्ररक्षण करने वाली टीम निर्धारित समय सीमा के अंदर अपने 20 ओवर पूरे नहीं कर पाती है, तो उसे धीमी ओवर गति का दोषी माना जाता है। आईपीएल ने भी कमिंस पर जुर्माना लगाये जाने की पुष्टि की है। साथ ही कहा कि धीमी ओवर गति से संबंधित आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के तहत उनकी टीम का इस सीजन का यह पहला अपराध था, जिसके कारण कमिंस पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। यह इस सत्र में सनराइजर्स की पहली गलती थी। आईपीएल में धीमी ओवर गति के लिए जुर्माना कप्तानों पर लगाया जाता है जिससे खेल की गति बनी रहे। इस सत्र में अबतक दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के अक्षर पटेल पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) के श्रेयस अय्यर और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के अजिंक्य रहाणे पर भी जुर्माना लगा है।

जीत से उत्साहित शुभमन बोले हालातों के अनुसार बनाते हैं रणनीति

अहमदाबाद । गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ आईपीएल 2026 मुकाबले में मिली जीत पर खुशी जतायी है। शुभमन ने कहा कि टीम को ये शानदार जीत गेंदबाजों के बेहतर प्रदर्शन से मिली है। गुजरात ने जिस प्रकार से इस सत्र में उतार-चढ़ाव के बाद शीर्ष पर स्थान बनाया है उससे भी प्रशंसकों ने उसकी सराहना की है। वहीं शुभमन ने कहा कि उनकी टीम ने किसी खासा शैली को नहीं अपनाया है, उनकी टीम हालातों के अनुसार रणनीति बनाती है। इसी के साथ ही गुजरात ने लगातार पांचवां मुकाबला जीता। मैच के बाद शुभमन ने कहा, हमें अच्छी तरह पता था कि इस विकेट पर 170 का स्कोर बनाना काफी कठिन होगा और उसका बचाव करना उससे भी मुश्किल रहेगा। हमारे गेंदबाजों ने इस दौरान जबरदस्त खेल दिखाया। हमने मैच से पहले अपनी गेंदबाजी रणनीति को लेकर एक स्पष्ट योजना बनाई थी, जिसपर अमल करने में हम सफल रहे। विशेष रूप से देखा जाये तो हमारी गेंदबाजी बेहतीन रही। उन्होंने बल्लेबाजों साई सुदर्शन 61 और वाशिंगटन सुंदर 50 के अर्धशतकों की भी प्रशंसा की है। शुभमन के अनुसार इन शानदार पारियों से ही टीम 170 रन के अच्छे स्कोर तक पहुंची। साथ ही कहा, उनके बिना, 170 तक पहुंचना वाकई मुश्किल होता। अंकतालिका में शीर्ष पर पहुंचने के बारे में कप्तान ने बताया कि यह लगातार अच्छे प्रदर्शन से संभव हुआ है। अपनी टीम की पहचान को लेकर उन्होंने कहा, हम उस तरह की टीम नहीं हैं जो किसी खास स्टाइल या ब्रांड का क्रिकेट खेलती हो। हम एक ऐसी टीम बनना चाहते हैं जो हालातों का आंकलन करते हुए खेले। होल्डर के योगदान को लेकर उन्होंने कहा, वह बेहद अनुभवी खिलाड़ी हैं। जिस लेंथ पर वह गेंद फेंकते हैं, वह हमारे लिए बेहतरीन साबित होती है। होल्डर ने लगभग हर मैच में चार ओवर की गेंदबाजी की है, जो इस मौसम में बिल्कुल भी आसान नहीं है, लेकिन वह टीम के लिए लगातार शानदार प्रदर्शन कर

पंजाब किंग्स के खिलाफ मुकाबले से पहले अकेले अभ्यास करते दिखे पांड्या

मुम्बई (एजेंसी)। मुम्बई इंडियंस टीम का प्रदर्शन आईपीएल के इस सत्र में अच्छा नहीं रहा है और टीम प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गयी है। टीम को अब गुरुवार को बचे हुए लीग मैच में पंजाब किंग्स से खेलना है। मुम्बई की टीम इस मैच में जीत के साथ ही अपना खोया मनोबल हासिल करने का प्रयास करेगी। टीम के कप्तान हार्दिक पांड्या का प्रदर्शन भी इस सत्र में अच्छा नहीं रहा और वह आलोचकों के निशाने पर हैं। पांड्या फिट नहीं होने के कारण पिछले दो मैचों से बाहर थे। अब उनका लक्ष्य गुरुवार को पंजाब किंग्स के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन कर लय हासिल करना चाहेंगे। इसी को देखते हुए पांड्या अकेले ही नेट्स में अभ्यास करते दिखे। इससे साफ है कि वह पंजाब के खिलाफ मैदान पर उतरेंगे। इससे टीम और प्रशंसकों के बीच उम्मीदें जगी हैं। हालांकि फ्रेंचाइजी ने अभी तक उनकी उपलब्धता पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है। पांड्या ने अभ्यास का एक वीडियो

भी सोशल मीडिया पर जारी कर अपने फिट होने के संकेत दिये हैं।

हार्दिक इससे पहले रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ मैच में नहीं उतरे थे। पीठ की समस्या के कारण उनकी अनुपस्थिति ने टीम के संतुलन और प्रदर्शन को काफी प्रभावित किया है, खासकर जब टीम इस सीजन में लगातार संघर्ष कर रही है। अब, पंजाब किंग्स के खिलाफ महत्वपूर्ण मुकाबले से पहले उनके नेट्स में बल्लेबाजी अभ्यास करते हुए देखा जाना उनके फिटनेस हासिल करने का एक सकारात्मक संकेत है। मुंबई पहले ही आईपीएल 2026 के प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी है, जिसके बाद टीम के भीतर और बाहर कई सवाल उठे हैं। इन हालातों के बीच, पांड्या ने टीम के भविष्य और रणनीति पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा, टी20 क्रिकेट में उतार-चढ़ाव आना तय है। जब सीजन खत्म हो जाएगा, तब सही समय होगा कि क्या गलत हुआ, इसका सही आकलन किया जाए। लेकिन इस समय मेरी राय है कि सीनियर खिलाड़ियों ने अपनी पूरी कोशिश की है। पंजाब किंग्स के खिलाफ होने वाला यह मैच मुंबई इंडियंस के लिए अंक तालिका में केवल एक औपचारिकता है। मुंबई का लक्ष्य अब सम्मानजनक प्रदर्शन करते हुए अपने अभियान का अंत करना होगा, जिससे अगले सीजन के लिए एक मजबूत नींव रखी जा सके। दूसरी ओर, चार लगातार हार झेल चुकी सैम कुरेन की अगुवाई वाली पंजाब किंग्स के लिए यह मुकाबला बेहद महत्वपूर्ण है। पंजाब को अपनी स्थिति सुधारने और टूर्नामेंट में कुछ सकारात्मक हासिल करने के लिए जीत की सख्त जरूरत है।

इम्पैक्ट प्लेयर नियम को हटा दिया जाना चाहिये : मांजरेकर

मुम्बई । पूर्व क्रिकेटर से कमेंटेटर बने संजय मांजरेकर ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में इम्पैक्ट प्लेयर नियम पर सवाल उठाते हुए कहा है कि इसे हटा दिया जाना चाहिये। मांजरेकर के अनुसार इस नियम से खिलाड़ियों के ऑलराउंड विकास में बाधा आ रही है क्योंकि खिलाड़ी एक ही काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस नियम के तहत ज्यादातर खिलाड़ियों को बल्लेबाज के रूप में रखा जाता है। जिससे उनको केवल बल्लेबाजी का ही अनुभव होता है जबकि खेल में सभी क्षेत्रों का अनुभव होना जरुरी है। इससे पहले भी कई दिग्गजों ने स नियम पर सवाल उठाये थे। अधिक लोगों का मानना है कि यह नियम मुख्य रूप से बल्लेबाजों को ही फायदा पहुंचा रहा है और खेल में संतुलन बिगाड़ रहा है। मांजरेकर ने कहा, मैं अब यह सोचने लगा हूं कि हमें इम्पैक्ट सब्स्टीट्यूट नियम समाप्त कर देना चाहिए। उन्होंने कहा कि इससे किसी भी बल्लेबाज का एक ही पक्ष सामने आता है।वहीं एक क्रिकेटर केवल बल्लेबाजी नहीं क्योंकिं उसे फील्डिंग भी करनी होती है। मांजरेकर ने कहा कि खेल का असली दबाव और उसकी समझ मैदान पर फील्डिंग करने से ही आती है। उन्होंने कहा, अगर वह (वैभव) शानदार बल्लेबाज है, लेकिन फील्डिंग में कमजोर है, तो मैं देखना चाहूंगा कि विरोधी टीम उस कमजोरी का फायदा कैसे उठाती है। कैच छोड़ने का दबाव क्या होता है, यह हर खिलाड़ी को महसूस करना चाहिए। सिर्फ बल्लेबाजी करके आराम करना क्रिकेट के सबसे बड़े स्तर पर सही नहीं है। उनका मानना है कि यह नियम खिलाड़ियों को खेल के हर विभाग में अपने को परखने और सुधारने का मौका नहीं देता।

दक्षिण अफ्रीकी महिला तेज गेंदबाज शबनम इस्माइल संन्यास से वापसी कर रहीं

जोहांसबर्ग । इग्लैंड में होने वाले आगामी आईसीसी महिला टी20 विश्व कप महिला विश्वकप क्रिकेट से ठीक पहले दक्षिण अफ्रीका की अनुभवी तेज गेंदबाज शबनम इस्माइल ने खेल में वापसी की घोषणा कर दी है। शबनम की वापसी से दक्षिण अफ्रीकी टीम का गेंदबाजी आक्रमण बेहतर हुआ है। एक रिपोर्ट के अनुसार शबनम ने दक्षिण अफ्रीका के निदेशक एनोक न्कवे और मुख्य कोच मंडला माशिम्बी के साथ बातचीत के बाद वापसी की बात कही है। कोच माशिम्बी ने कहा, सच कहूं तो, हमारी गेंदबाजी में इस्माइल जैसी बेहतरीन खिलाड़ी का होना बहुत अच्छा होगा। गौरतलब है कि शबनम इस्माइल ने साल 2023 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। तब उन्होंने दक्षिण अफ्रीका को अपने ही धरती पर टी20 विश्व कप के फाइनल तक पहुंचाया था। वहीं उनके जाने के बाद से ही टीम की गेंदबाजी कमजोर हुई है। टीम तभी से उनकी जैसी गेंदबाज को शामिल करना चाह रही थी पर सफल नहीं हो रही थी। माशिम्बी ने हाल के महीनों में माना था कि टीम के पास तेज गेंदबाजी के अच्छे विकल्प नहीं हैं। इस साल की शुरुआत में न्यूजीलैंड के दौरे के बाद उन्होंने फिर से दोहराया था कि टीम की गेंदबाजी में और ज्यादा तेजी की जरूरत है। उन्होंने इशारों-इशारों में यह भी कहा था कि उन्हें उम्मीद है कि इस्माइल अपने संन्यास के फैसले पर दोबारा विचार करेंगी। उनकी यह उम्मीद अब एक वास्तविकता में बदल गई है।

अच्छे प्रदर्शन के बावजूद विदेशी कोच के लिये हॉकी इंडिया ने मुझे हटाया : पीआर श्रीजेश

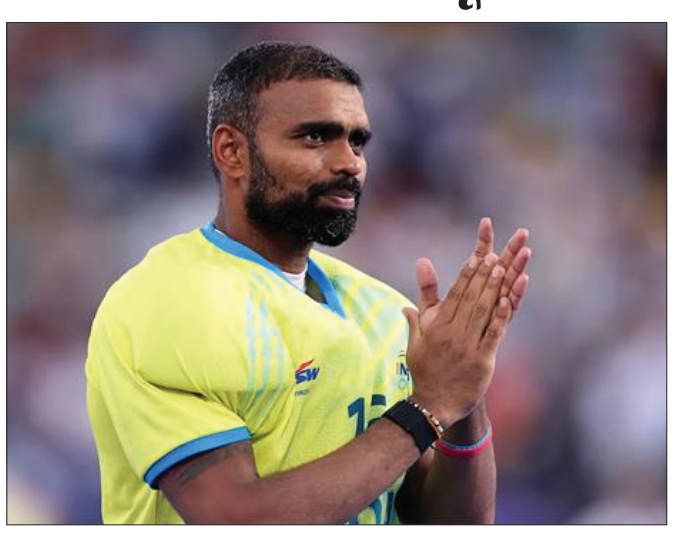

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारत के महान गोलकीपर पी आर श्रीजेश ने विदेशी कोचों को तरजीह देने के हॉकी इंडिया के रवैये पर सवाल उठाते हुए कहा कि अच्छे प्रदर्शन के बावजूद जूनियर टीम के कोच के पद से उन्हें हटा दिया गया । सोशल मीडिया पर मंगलवार को एक पोस्ट में दो बार के ओलंपिक कांस्य पदक विजेता श्रीजेश ने लिखा कि अच्छे प्रदर्शन के बावजूद उन्हें हटाया गया क्योंकि हॉकी इंडिया जूनियर स्तर पर भी विदेशी कोच चाहता है।

श्रीजेश ने 'एक्स'' पर लिखा, ''लगता है कि मेरा कोचिंग कैरियर डेढ साल के बाद ही खत्म हो गया है जिसमें हमने पांच टूर्नामेंट खेले और जूनियर विश्व कप समेत पांच बार पोडियम पर रहे।' उन्होंने कहा, 'मैने सुना है कि खराब प्रदर्शन के बाद कोचों को हटाया जाता है लेकिन पहली बार विदेशी कोच की नियुक्ति के लिये मुझे हटाया जा रहा है।' श्रीजेश ने कहा, 'हॉकी इंडिया अध्यक्ष का कहना है कि सीनियर पुरूष टीम के मुख्य कोच जूनियर स्तर पर भी विदेशी कोच चाहते हैं क्योंकि उनका मानना है कि इससे जूनियर स्तर से सीनियर स्तर पर भारतीय हॉकी के विकास में मदद मिलेगी।'

भारत की जूनियर टीम के कोच के रूप में श्रीजेश का कार्यकाल दिसंबर 2025 में खत्म हो गया था और उन्होंने इस पद के लिए पुनः आवेदन किया था। भारतीय पुरूष हॉकी टीम के मुख्य कोच दक्षिण अफ्रीका के क्रेग फुल्टोन हैं जबकि महिला टीम के कोच नीदरलैंड के शोर्ड मारिन हैं। श्रीजेश पेरिस ओलंपिक 2024 में कांस्य पदक जीतने के बाद अंडर 21 पुरूष टीम के मुख्य कोच बने थे जिनके कार्यकाल में टीम ने जूनियर एशिया कप में स्वर्ण, जूनियर विश्व कप और जोहोर कप में कांस्य पदक जीता था। श्रीजेश ने आगे लिखा, 'क्या भारतीय कोच भारतीय हॉकी का विकास नहीं कर सकते।'

उन्होंने कहा कि खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने भी कहा था कि देश को उनके जैसे कोचों की जरूरत है लेकिन हॉकी इंडिया का भरोसा सिर्फ विदेशी कोचों पर है। उन्होंने कहा, 'सात मार्च 2026 को माननीय खेलमंत्री श्री मनसुख मांडविया के साथ एक मुलाकात में मुझे कहा गया था कि 2036 ओलंपिक की तैयारी के लिये श्रीजेश हमें तुम्हारे जैसे कोचों की जरूरत है।' श्रीजेश ने कहा, 'लेकिन हॉकी इंडिया का भरोसा चारों टीमों के लिये भारतीय कोचों की बजाय विदेशी कोचों पर है।' उन्होंने इस पोस्ट में खेलमंत्री, पीएमओ, हॉकी इंडिया, भारतीय खेल प्राधिकरण और हॉकी इंडिया अध्यक्ष दिलीप टिर्की को टैग किया है।

टेनिस खिलाड़ी पुरस्कार राशि के मामले में अब पीछे नहीं हटेंगे : पेगुला

खिलाड़ियों को टूर्नामेंट के कुल राजस्व का बड़ा हिस्सा मिले

रोम । टेनिस जगत में खिलाड़ियों की पुरस्कार राशि बढ़ाने की मांग अब जोर पकड़ने लगी है। अब इस अभियान का नेतृत्व कर रही अमेरिकी महिला टेनिस खिलाड़ी जेसिका पेगुला ने कहा है कि खिलाड़ी अब अपनी इस मांग से पीछे नहीं हटेंगे। पेगुला ने कहा कि यह सही समय है जब खिलाड़ियों को टूर्नामेंट के कुल राजस्व में एक बड़ा मिलना चाहिए। वहीं इससे पहले विश्व नंबर-1 पुरुष टेनिस खिलाड़ी यानिक सिनर और महिला वर्ग की नंबर-1 खिलाड़ी एरीना सबालेंका ने भी कहा था कि पुरस्कार राशि बढ़ायी जानी चाहिये। पेगुला खिलाड़ियों को इस मामले को लेकर एक मंच पर लाने का प्रयास भी कर रही हैं। ।उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों से इस मामले में सीधे बात करने और उन्हें एकसाथ लाने में उन्हें कोई परेशानी नहीं है। पेगुला ने कहा, मैं किसी भी खिलाड़ी के पास जाकर पूछ सकती हूं कि क्या वह इस मामले में हमसे सहमत है या नहीं । साथ ही कहा कि कुछ खिलाड़ी शायद इस पर ज्यादा ध्यान नहीं देते पर बड़ी संख्या में खिलाड़ी पूरी तरह से समर्थन में हैं। वह पुरुष और महिला दोनों वर्गों के खिलाड़ियों से लगातार संपर्क कर रही हैं और उन्हें इस अभियान में शामिल कर रही हैं। पेगुला ने संकेत दिया कि अन्य प्रमुख पेशेवर खेलों की तुलना में टेनिस खिलाड़ियों को उनके योगदान के बदले काफी कम हिस्सा मिलता है।

प्रियदर्शन के साथ काम करना मेरे करियर का सबसे शानदार अनुभव

मशहूर प्रोड्यूसर एकता कपूर इन दिनों हालिया रिलीज फिल्म 'भूत बंगला' को लेकर काफी चर्चा में बनी हुई है। उन्होंने फिल्म के निर्देशक प्रियदर्शन के साथ काम करने के अनुभव को सोशल मीडिया पर शेयर किया। एकता ने इंस्टाग्राम पर प्रियदर्शन के साथ कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं। प्रोड्यूसर ने अपनी पोस्ट में बताया कि कैसे दो अलग और मजबूत विचारधारा वाले लोगों ने आपसी सम्मान के साथ एक बेहतरीन प्रोजेक्ट पर काम किया। एकता ने लिखा, 'मैं एक ऐसे इंसान के साथ काम कर रही थी, जो अपनी 100वीं फिल्म बना रहे थे। लोगों को लगा था कि हम दोनों जैसे मजबूत सोच वाले लोग साथ आएंगे तो शायद टकराव होगा लेकिन उन्होंने यह नहीं देखा कि हमारे बीच कितना गहरा सम्मान था। मुझे नहीं लगता कि मैंने प्रियदर्शन के साथ काम करने जितना मजा किसी और के साथ किया है।' एकता ने एक दिलचस्प वाक्य शेयर करते हुए बताया कि काम शुरू करने से पहले ही प्रियदर्शन ने उनसे एक बेहद खास सवाल पूछा था। प्रियदर्शन ने उनसे पूछा, 'एकता, क्या तुम इस फिल्म से पैसा कमा रही हो? मैं उस फिल्म पर काम नहीं करता जिसमें प्रोड्यूसर को फायदा न हो।'
एकता ने लिखा, 'उनकी सोच और काम करने का तरीका बहुत खास है। वह हमेशा यह सुनिश्चित करते हैं कि प्रोड्यूसर सुरक्षित रहे। तभी मुझे भरोसा हो गया था कि फिल्म और कंपनी का पैसा दोनों सही हाथों में हैं।' एकता ने उनके अनुशासन और विजन की तारीफ करते हुए उन्हें धन्यवाद देते हुए लिखा, 'ऐसा नहीं है कि हमारे बीच कभी मतभेद नहीं हुए लेकिन हर बार बात सम्मान के साथ हुई।

बेबाक अंदाज पर उर्वशी रौतेला अब नहीं देतीं सफाई

किस कारण से बदली सोच

उर्वशी रौतेला अपनी बोल्ड और उल्टी-सीधी बातों के किए हमेशा सुर्खियों में रहती हैं। फिल्मों में उनके अभिनय को लेकर कम ही चर्चा होती है। हाल ही में इस पूरी कंडीशन पर उर्वशी रौतेला ने एक इंटरव्यू में बातचीत की है। उनका कहना है कि वह दूसरों के सामने अब खुद को सही साबित करने की कोशिश नहीं करती है, अपनी बातों पर कोई सफाई नहीं देती है।

उर्वशी की नजर में महत्वकांक्षा को दिखावा समझा जाता है

जब उर्वशी से पूछा गया कि उनकी कही बातों और दावों का लोग मजाक बनाते हैं। उनके बारे में गलतफहमी पैदा होती है? तो वह क्या करती हैं? इस पर की गई बातचीत में उर्वशी रौतेला कहती हैं, 'मुझे लगता है कि लोग कभी-कभी महत्वाकांक्षा को दिखावा समझ लेते हैं। खासकर तब जब कोई महिला पब्लिक स्पेस में बहुत ज्यादा नजर आती है।' उर्वशी आगे कहती हैं, 'अक्सर यह मान लिया जाता है कि अगर कोई ग्लैमर को अपनाता है या फैशन का शौकीन है, तो वह बहुत ज्यादा फोकस्ड होगा।'

लोगों की सोच पर क्या बोलीं उर्वशी रौतेला

उर्वशी रौतेला का कहना है कि वह अब खुद को साबित करने पर जोर नहीं देती हैं। एक्ट्रेस ने कहा, 'पहले मुझे यह साबित करने की जरूरत महसूस होती थी कि मैं उस इमेज से कहीं ज्यादा हूं जो लोग देखते हैं। लेकिन अब मुझे समझ आ गया है कि आप अपनी जिंदगी सिर्फ लोगों की सोच को लगातार ठीक करने में नहीं गुजार सकते हैं।' उर्वशी आगे कहती हैं, 'मैंने खुद को ज्यादा समझाने की कोशिश करना छोड़ दिया है। मैं तो बस आगे बढ़ती रहूंगी और समय को ही यह बताने दूंगी कि मैं असल में कौन हूं।'

उर्वशी रौतेला का करियर फ्रंट

जल्द ही उर्वशी रौतेला सीरीज 'इंस्पेक्टर अविनाश' में नजर आएंगी। इस सीरीज में लीड रोल में रणदीप हुड्डा हैं। यह सीरीज अपराध और राजनीति की कहानी को कहती है। यह सीरीज का दूसरा सीजन है। इसके अलावा वह सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं, अपने फैंस के साथ जुड़ी रहती हैं।

धमाल मचाने को तैयार सूर्या और तृषा कृष्णन

फिल्म 'करुप्पु' को सेंसर बोर्ड से मिली हरी झंडी

सूर्या की आगामी फिल्म 'करुप्पु' ने अपनी सेंसर प्रक्रिया पास कर ली है और इसे पास कर दिया गया है। यह फिल्म 14 मई को रिलीज होने जा रही है। सेंसर बोर्ड से हरी झंडी मिलने के बाद यह फिल्म अपने तय समय पर रिलीज को तैयार है। इसमें सूर्या के साथ तृषा की जोड़ी जमेगी।

वर्ल्डवाइड रिलीड होगी फिल्म

आरजे बालाजी द्वारा निर्देशित एक्टर सूर्या की फिल्म 'करुप्पु' एक एक्शन ड्रामा मूवी है। यह वर्ल्डवाइड रिलीज होगी। सेंसर प्रक्रिया से गुजरने के बाद फिल्म को 'U/' सर्टिफिकेट मिल गया है। फिल्म के टीजर और अन्य प्रमोशनल वीडियो ऑनलाइन रिलीज होने के बाद से ही इसने लोगों में काफी दिलचस्पी जगाई है। इस फिल्म में अभिनेत्री तृषा फीमेल लीड रोल कर रही हैं। वे एक वकील की भूमिका निभा रही हैं। इसमें उनका नाम प्रीति है।

प्रमोशन में व्यस्त हैं मेकर्स

इस फिल्म में कई वर्षों बाद सूर्या और तृषा की रीयूनियन भी होने जा रही है। इससे इसकी रिलीज को लेकर लोगों का ध्यान और भी ज्यादा बढ़ गया है। सर्टिफिकेशन से जुड़ा अपडेट ऑनलाइन शेयर करते हुए मेकर्स ने लिखा, 'फिल्म 'करुप्पु' को UA सर्टिफिकेट मिला है और यह 14 मई से दुनियाभर के सिनेमाघरों में धूम मचाने के लिए तैयार है'। फिलहाल मेकर्स इसके प्रमोशन में जुटे हैं।

ये सितारे भी हैं फिल्म का हिस्सा

सूर्या के साथ-साथ, फिल्म में इंद्रन्स, नैटी, योगी बाबू, स्वासिका, शिवदा, अनघा माया रवि, सुप्रीत रेड्डी और अन्य कलाकार भी हैं। फिल्म का संगीत साई अभ्यंकर ने तैयार किया है। सिनेमैटोग्राफी जीके विष्णु ने की है। फिल्म के स्टंट सीक्वेंस विक्रम मोर ने कोरियोग्राफ किए हैं। एक्शन, ड्रामा और आध्यात्मिकता से भरपूर इस फिल्म को लेकर दर्शक उत्साहित हैं।

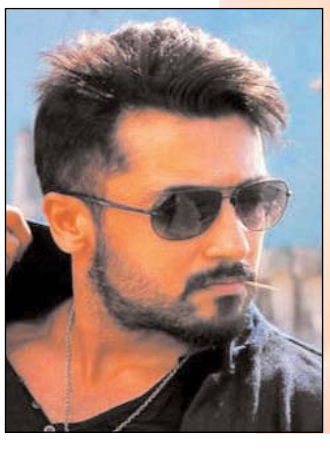

बॉक्स ऑफिस नंबर और लोगों की राय अस्थायी

बॉलीवुड अभिनेत्री अदा शर्मा का मानना है कि उनके लिए सफलता केवल बॉक्स ऑफिस के आंकड़ों या समीक्षकों की तारीफ तक ही सीमित नहीं है, बल्कि उनके लिए यह मायने रखता है कि वह अपने अभिनय से दर्शकों पर एक स्थायी प्रभाव छोड़ पा रही हैं।

जब अदा शर्मा से पूछा गया कि करियर के इस पड़ाव पर वह सफलता को कैसे मापती हैं, तो उन्होंने जवाब में बताया, 'बॉक्स ऑफिस उस शोर मचाने वाले दोस्त की तरह है जो चिल्लाता है 'द केरल स्टोरी ने 375 करोड़ कमाए, यह फिल्म महिला प्रधान की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म है', और निश्चित रूप से जब ऐसा होता है तो मैं बहुत शुक्रगुजार भी महसूस करती हूं, लेकिन आपके काम की आलोचनात्मक समीक्षा उस बुद्धिमान मित्र की तरह है जो ज्यादा नहीं बोलता, लेकिन जब वह तारीफ करता है तो आपको ऐसा लगता है जैसे आपने कोई परीक्षा पास कर ली है।' 2008 में हिंदी हॉरर फिल्म '1920' से बॉलीवुड में करियर की शुरुआत करने वाली एक्ट्रेस किया था। अभिनेत्री ने आगे कहा, 'संख्याएं और राय आती-जाती रहती हैं; मेरे लिए जो मायने रखता है वह यह है कि दर्शक दृश्यों पर कैसी प्रतिक्रिया देते हैं, प्रदर्शन और संवादों को कैसे याद रखते हैं।'

'द केरल स्टोरी' से अपार सफलता हासिल करने वाली अभिनेत्री ने बताया कि उनके प्रशंसक आज भी 1920 और सनफ्लावर जैसी फिल्मों में उनके अभिनय के बारे में बात करते हैं। उन्होंने कहा, 'मुझसे मिलने वाले बहुत से लोग मुझे बताते हैं कि 1920 ने उन्हें कैसे डरा दिया, सनफ्लावर ने उन्हें कैसे हंसाया और द केरल स्टोरी ने उन्हें कैसे रुलाया। अदा राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेता मनोज बाजपेयी अभिनीत फिल्म 'गवर्नर: द साइलेंट सेवियर' की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रही हैं। खबरों के मुताबिक, यह फिल्म एस. वेंकिटरमणन से प्रेरित है, जिन्होंने भारत के 1991 के आर्थिक संकट के दौरान आरबीआई गवर्नर के रूप में कार्य किया और देश के वित्तीय बचाव काल से उनका गहरा संबंध था। हालांकि, फिल्म निर्माताओं ने अभी तक इन दावों की पुष्टि नहीं की है और यह भी स्पष्ट नहीं किया है कि फिल्म वाकई उन्हीं पर आधारित है या नहीं। यह फिल्म 12 जून को रिलीज होगी। उन्हें आखिरी बार विक्रम भट्ट की फिल्म 'तुमको मेरी कसम' में देखा गया था, जो इंदिरा आईवीएफ के संस्थापक डॉ. अजय मुर्डिया के जीवन से प्रेरित है। इस फिल्म में अनुपम खेर, इश्वक सिंह, अदा शर्मा और ईशा देओल भी मुख्य भूमिकाओं में हैं।

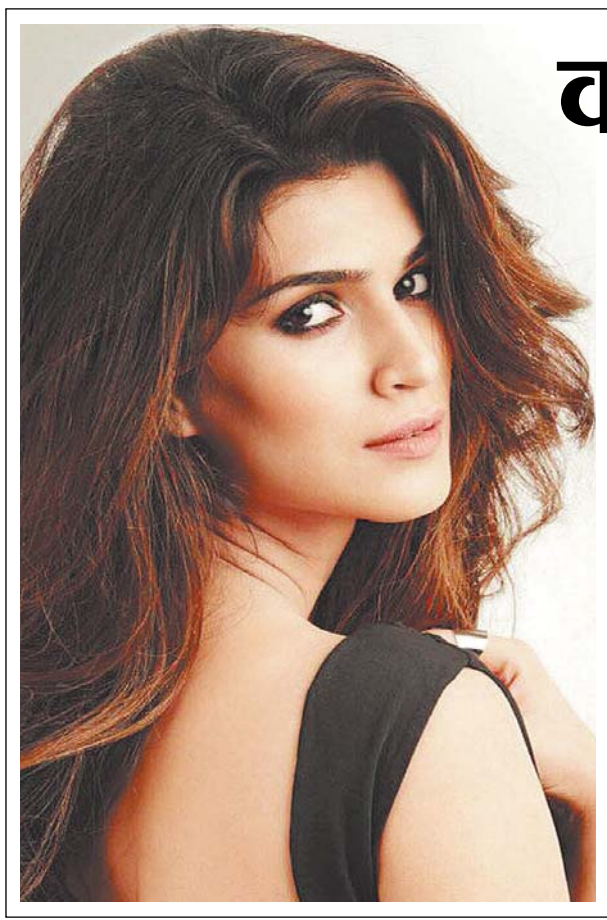

कृति सेनन ने रश्मिका के साथ काम करने के अनुभव को साझा किया

अभिनेत्री कृति सेनन इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'कॉकटेल 2' को लेकर चर्चाओं में हैं। फिल्म का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस फिल्म में उनके साथ रश्मिका मंदाना और शाहिद कपूर भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। पहली बार कृति सेनन और रश्मिका मंदाना साथ में नजर आएंगी। अक्सर जब दो ए लिस्ट एक्ट्रेस एक ही फिल्म में आती हैं, तो चर्चाएं बटोरती हैं। अब हाल ही में कृति ने रश्मिका के साथ काम करने के अनुभव को साझा किया है।

रश्मिका बहुत अच्छी हैं

हाल ही में एक अवॉर्ड इवेंट में कृति सेनन ने रश्मिका मंदाना के साथ 'कॉकटेल 2' में काम करने के अनुभव के बारे में बताया। एक्ट्रेस ने कहा कि रश्मिका बहुत ही सच्ची, दयालु, प्यारी और मिलनसार हैं। उनमें जरा भी इनसिक्योरिटी नहीं है। बस अच्छाई ही अच्छाई है और मुझे लगता है कि मैं पॉजिटिव एनर्जी से अट्रैक्ट होती हूं। अगर मुझे किसी की ऊर्जा और पॉजिटिविटी महसूस होती है, तो मैं उसकी ओर आकर्षित हो जाती हूं। मुझे उनके साथ काम करके बहुत मजा आया, और वह कमाल की हैं। मैं उन्हें बहुत पसंद करती हूं।

यह सीक्वल नहीं है

कृति ने 'कॉकटेल 2' और 2012 में आई 'कॉकटेल' के बीच होने वाली तुलना पर भी बात की। एक्ट्रेस ने स्पष्ट किया कि यह 'कॉकटेल' का सीधा सीक्वल नहीं है। यह एक अलग कहानी और किरदारों वाली फ्रेंचाइज फिल्म है। तुलनाओं के बारे में बात करते हुए कृति ने कहा कि मुझे यकीन है कि तुलना तो होगी ही, लेकिन अच्छी बात यह है कि यह कोई सीक्वल नहीं है। यह एक फ्रेंचाइज है। इसलिए यह एक अलग ही माहौल वाली फ्रेंचाइज है और इसके किरदार अलग-अलग हैं।

2021 में आई थी 'कॉकटेल'

साल 2012 में आई 'कॉकटेल' में सैफ अली खान, दीपिका पादुकोण और डायना पेंटी प्रमुख भूमिका में नजर आए हैं। 'कॉकटेल' अपने संगीत, किरदारों और आधुनिक रिश्तों के ड्रामे के लिए कई साल से एक कल्ट फिल्म बन गई है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर भी सफल रही थी और इसे पसंद किया गया था।

19 जून को रिलीज होगी

होमी अदजानिया द्वारा निर्देशित 'कॉकटेल 2' 19 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फिल्म की शूटिंग से जुड़ी कई तस्वीरें और वीडियो ऑनलाइन सामने आने के बाद से ही दर्शकों में उत्सुकता बढ़ गई है। कई लोगों का मानना है कि फिल्म शाहिद कपूर, कृति सैनन और रश्मिका मंदाना के बीच लव ट्रायंगल पर आधारित होगी। निर्देशक होमी अदजानिया ने भी इन अफवाहों पर मजाकिया प्रतिक्रिया दी थी। फिल्म का गाना 'जब तलक' भी काफी पॉपुलर हो रहा है।

संक्षिप्त समाचार

नीदरलैंड में सत्ताधारी पार्टी के दफ्तर पर बम हमला, आतंकवादी मंशा का आरोप

हेग , एजेंसी। नीदरलैंड की राजधानी हेग में सत्ताधारी पार्टी डी66 के मुख्यालय पर हुए बम हमले को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है। अधिकारियों ने कहा है कि इस मामले में गिरफ्तार 37 वर्षीय आरोपी पर आतंकवादी मंशा से हमला करने का आरोप लगाया गया है। अदालत ने आरोपी को दो सप्ताह की अतिरिक्त हिरासत में भेज दिया है। यह धमाका 8 मई को उस समय हुआ जब एक व्यक्ति ने पार्टी कार्यालय के लेटर बॉक्स के जरिए बम अंदर फेंक दिया। उस समय इमारत में पार्टी की युवा शाखा के लगभग 30 सदस्य बैठक कर रहे थे। धमाके से वहां अफरा-तफरी मच गई, लेकिन किसी के घायल होने की खबर नहीं है। डच प्रधानमंत्री रोब जेट्टेन ने कहा कि इस तरह की घटनाओं से नेताओं को डराने की कोशिश बेकार है। अभियोजन पक्ष के अनुसार, किसी राजनीतिक दल के कार्यालय को निशाना बनाना लोगों में भय पैदा करता है, इसलिए इसे आतंकवादी गतिविधि माना गया है। गौरतलब है कि पिछले एक साल में यह दूसरी बार है जब इस कार्यालय को निशाना बनाया गया। इससे पहले सितंबर में भी चुनावों से पहले हिंसक प्रदर्शन के दौरान दफ्तर में तोड़फोड़ की गई थी।

अमेरिका में सामूहिक गोलीबारी का आरोपी किशोर गिरफ्तार

आयोवा, एजेंसी। अमेरिका के आयोवा सिटी में पिछले महीने हुई सामूहिक गोलीबारी के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। अमेरिकी मार्शलों ने 17 वर्षीय आरोपी डामारियन एम. जोन्स को जॉर्जिया के अटलांटा के पास गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी पर पांच लोगों की हत्या की कोशिश समेत कई गंभीर आरोप लगाए गए हैं। पुलिस के अनुसार, 19 अप्रैल की रात यूनिवर्सिटी ऑफ आयोवा के पास स्थित एक व्यस्त इलाके में बड़ी लड़ाई हुई थी। वहां कई दुकानें, बार और रेस्टोरेंट मौजूद हैं। इसी दौरान आरोपी ने भीड़ की ओर छह गोलियां चलाईं और मौके से फरार हो गया। इस गोलीबारी में पांच लोग घायल हुए थे। एक व्यक्ति के सिर में गोली लगी, जबकि अन्य लोगों के हाथ, पैर, छाती और पेट में गोलियां लगीं। अधिकारियों ने बताया कि घायलों में से एक अब भी अस्पताल में भर्ती है। आरोपी को फिलहाल जॉर्जिया की जेल में रखा गया है और जल्द ही उसे आयोवा लाया जाएगा। पुलिस ने अभी यह नहीं बताया है कि आरोपी को कैसे पकड़ा गया। मामले की जांच जारी है और पुलिस इस हमले के पीछे की पूरी साजिश पता लगाने में जुटी है।

ट्रंप प्रशासन ने सार्वजनिक जमीन संरक्षण से जुड़ा बड़ा नियम खत्म किया

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में ट्रंप प्रशासन ने एक बड़ा फैसला लेते हुए उस नियम को खत्म कर दिया है, जिसमें सार्वजनिक जमीनों के संरक्षण को विकास कार्यों के बराबर महत्व दिया गया था। यह नियम पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन के कार्यकाल में 2024 में लागू किया गया था। इस नियम के तहत सरकारी जमीनों को पर्यावरण संरक्षण और बहाली के लिए भी लीज पर दिया जा सकता था, ठीक वैसे ही जैसे तेल कंपनियों को ड्रिलिंग के लिए जमीन दी जाती है। लेकिन ट्रंप प्रशासन का कहना है कि इससे ऊर्जा उत्पादन, लकड़ी उद्योग और पशुपालन पर असर पड़ रहा था। अमेरिकी गृह मंत्री डौग बर्गम ने कहा कि यह नियम लाखों एकड़ जमीन तक उद्योगों की पहुंच रोक सकता था। रिपब्लिकन नेताओं और उद्योग समूहों ने भी इसका विरोध किया था। अमेरिका की बड़ी सरकारी जमीनें अलास्का, कैलिफोर्निया, यूटा और वायोमिंग जैसे राज्यों में फैली हैं। ट्रंप प्रशासन अब इन इलाकों में तेल, गैस, खनन और लकड़ी उत्पादन को बढ़ावा देने की दिशा में तेजी से कदम उठा रहा है।

नेपाल :भारत की सहायता से बनने वाले स्कूल की रखी नींव

कैलाली , एजेंसी। नेपाल के सुदूरपश्चिम प्रांत के कैलाली जिले में सोमवार को सिद्धनाथ माध्यमिक विद्यालय के निर्माण कार्य का शुभारंभ हुआ। काठमांडो स्थित भारतीय दूतावास के प्रथम सचिव नारायण सिंह ने स्कूल की आधारशिला रखी। भारत सरकार इस सामुदायिक विकास परियोजना के लिए 3.6 करोड़ नेपाली रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान कर रही है। यह परियोजना नेपाल के विकास के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

पाकिस्तान : खाई में गिरी वैन शादी में जा रहे 11 की मौत

स्वात , एजेंसी। उत्तर-पश्चिम पाकिस्तान के स्वात जिले में सोमवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में 11 लोगों की मौत हो गई। मलम जबा के पहाड़ी इलाके में शादी समारोह में जा रही एक वैन अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरी। बचाव अधिकारियों के अनुसार, मृतकों में दूल्हे की मां सहित कई महिलाएं और बच्चे शामिल हैं। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने बचाव अभियान शुरू किया, जिसके बाद घायलों को सैदू शरीफ अस्पताल पहुंचाया गया। प्रशासन ने दुर्घटना के सटीक कारणों का पता लगाने की जांच शुरू कर दी है।

नूर खान एयरबेस का सीक्रेट खुला ! ईरान के विमानों को छिपा रहा था पाकिस्तान, भड़का अमेरिका

इस्लामाबाद, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच जारी युद्ध के दौरान पाकिस्तान की भूमिका पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। एक ताजा अमेरिकी रिपोर्ट के मुताबिक, एक तरफ जहां पाकिस्तान दोनों देशों के बीच शांति के लिए 'मध्यस्थ' होने का दिखावा कर रहा था, वहीं दूसरी तरफ उसने ईरानी सैन्य विमानों को संभावित अमेरिकी हवाई हमलों से बचाने के लिए अपने एयरबेस पर छिपने की जगह दी। इस खुलासे के बाद वाशिंगटन में तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिली है।

नूर खान एयरबेस पर उतारे गए ईरानी विमान : सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट में अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से बताया गया है कि 8 अप्रैल को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा युद्धविराम की घोषणा करने के कुछ ही समय बाद, ईरान ने अपने कई विमानों को पाकिस्तान के 'नूर खान एयरबेस' पर शिफ्ट कर दिया था। इन विमानों में ईरानी वायुसेना का एक आरसी-130 टोही और खुफिया जानकारी जुटाने वाला विमान भी शामिल था। गौरतलब है कि अमेरिका और ईरान के बीच यह युद्ध 28 फरवरी को शुरू हुआ था।

भड़का अमेरिका, सीनेटर ने की पाकिस्तान के रोल की समीक्षा की मांग

इस रिपोर्ट के सामने आने के बाद अमेरिकी सांसदों ने इस्लामाबाद की तटस्थता पर सवाल उठाए हैं। रिपब्लिकन सीनेटर लिंडसे ग्राहम ने इस संकट में पाकिस्तान की कूटनीतिक भूमिका का फिर से आकलन करने की

मांग की है।

सीनेटर ग्राहम की दो टूक: उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा- अगर यह रिपोर्ट सही है, तो अमेरिका, ईरान और अन्य पक्षों के बीच पाकिस्तान की मध्यस्थ की भूमिका का पूरी तरह से पुनर्मूल्यांकन करना होगा। इजरायल का किया जिक्र: उन्होंने यह भी कहा कि इजरायल को लेकर पाकिस्तानी रक्षा अधिकारियों के पहले के बयानों को देखते हुए, अगर यह खबर सच साबित होती है तो उन्हें कोई हैरानी नहीं होगी।

पाकिस्तान ने दावों को किया खारिज : दूसरी ओर, एक वरिष्ठ पाकिस्तानी अधिकारी ने इन आरोपों को पूरी तरह से नकार दिया है। ब्लूम्बर्ग न्यूज से बात करते हुए पाकिस्तानी अधिकारी ने कहा कि नूर खान बेस शहर के बिल्कुल बीचों-बीच और घनी आबादी वाले इलाके में स्थित है। अधिकारी के मुताबिक, वहां विमानों के एक बड़े बेड़े को खड़ा करना और उसे आम जनता की नजरों से छिपाना नामुमकिन है।

क्या अफगानिस्तान में भी छिपाए गए नागरिक विमान : रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि युद्ध के दौरान ईरान ने अपने नागरिक विमानों को पड़ोसी देश अफगानिस्तान में भी भेजा था। एक अफगान नागरिक उड्डयन अधिकारी के अनुसार, युद्ध शुरू होने से ठीक पहले महान एयर का एक ईरानी विमान काबुल में उतरा था और ईरानी हवाई क्षेत्र बंद होने के बाद वहीं रुक गया। अफगान अधिकारियों के मुताबिक, बाद में जब पाकिस्तान ने अफगानिस्तान पर हमले किए, तो इस विमान को ईरानी सीमा के पास हेरात में शिफ्ट कर दिया गया। हालांकि, तालिबान के प्रवक्ता जबीउल्लाह मुजाहिद ने इन दावों को झूठा बताते हुए कहा, 'नहीं, यह सच नहीं है और ईरान को ऐसा करने की कोई जरूरत नहीं है।'

शांति प्रस्ताव पर टूंप बोले- ईरान लाइफ सपोर्ट पर है : यह पूरा विवाद ऐसे समय में सामने आया है जब पाकिस्तान वाशिंगटन और तेहरान के बीच अपने रिश्ते संतुलित करने की कोशिश कर रहा है। सीजफायर के बावजूद अमेरिका और ईरान के बीच तनाव अब भी चरम पर है। ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने युद्ध समाप्त करने के तेहरान के ताजा प्रस्ताव को 'उचित' बताया। लेकिन, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ओवल ऑफिस से बोलते हुए इस ईरानी प्रतिक्रिया को 'कचरा' करार देकर सिरे से खारिज कर दिया। ट्रंप ने कहा, 'उनके भेजे गए उस कचरे को पढ़ने के बाद, मैंने उसे पूरा भी नहीं पढ़ा। वे (ईरान) लाइफ सपोर्ट पर हैं। यह सीजफायर भी भारी लाइफ सपोर्ट पर है।' ईरान ने भी साफ कर दिया है कि भविष्य की किसी भी बातचीत में यूरेनियम संवर्धन और परमाणु तकनीक पर कोई समझौता नहीं होगा।

चीन के लिए जासूसी कर रहीं थी कैलिफोर्निया शहर की मेयर, एफबीआई की जांच में चौंकाने वाले खुलासे

वाशिंगटन, एजेंसी। फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (एफबीआई) ने सोमवार को एक बड़ी जानकारी साझा की है। उन्होंने बताया, कैलिफोर्निया के अर्कांडिया शहर की मेयर ईलिंग वांग पर संघीय अदालत में चीन की अवैध एजेंट के रूप में काम करने का आरोप लगा है।

एफबीआई के ने क्या कहा : साल 2020 के अंत से 2022 तक ईलिंग वांग और याओनिंग माइक सन ने चीनी सरकार के अधिकारियों के निर्देशों पर काम किया। इन लोगों ने अमेरिका में चीन के हितों को बढ़ावा देने के लिए कई गतिविधियों को अंजाम दिया। उन्होंने यूएस न्यूज सेंटर नाम की एक वेबसाइट के माध्यम से अमेरिका में चीन के समर्थन वाला प्रोपेगेंडा फैलाया। यह वेबसाइट खुद को स्थानीय चीनी-अमेरिकी समुदाय के लिए एक समाचार स्रोत बताती थी। असल में, वांग और उनके साथी चीनी अधिकारियों से निर्देश लेते थे और वेबसाइट पर उनके मनमुताबिक सामग्री पोस्ट करते थे।

न्याय विभाग ने एक उदाहरण देते हुए बताया कि जून 2021 में एक चीनी अधिकारी ने वांग और अन्य लोगों से संपर्क किया था। यह संपर्क वीचैट नाम के एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग ऐप के जरिए किया गया था। उस अधिकारी ने उन्हें पहले से लिखे हुए समाचार लेख भेजे थे ताकि उन्हें वेबसाइट पर प्रकाशित किया जा सके।

दस साल तक हो सकती है सजा : रिपोर्टों के अनुसार, 58 वर्षीय वांग ने गंभीर अपराध के आरोप में दोषी ठहराए जाने पर सहमति जताई है, जिसके लिए अधिकतम 10 साल की जेल की सजा हो सकती है। न्याय विभाग के बयान के अनुसार, वांग आज दोपहर लॉस एंजिल्स की जिला अदालत में पेश होंगी। उम्मीद है कि वह आने वाले हफ्तों में आधिकारिक तौर पर अपना गुनाह कबूल कर लेंगी। वांग नवंबर 2022 में अर्कांडिया सिटी काउंसिल के लिए चुनी गई थीं। इस पांच सदस्यीय परिषद में मेयर का पद बारी-बारी से मिलता है। अब उन्होंने सिटी काउंसिल और मेयर पद से इस्तीफा दे दिया है। नेशनल सिक्योरिटी के असिस्टेंट अटॉर्नी जनरल जॉन ए ईसेनबर्ग ने इस मामले को बेहद चिंताजनक बताया है। उन्होंने कहा कि यह दुखद है कि सार्वजनिक भरोसे वाले पद पर बैठा व्यक्ति विदेशी सरकार के निर्देशों का पालन कर रहा था। फर्स्ट असिस्टेंट यूएस अटॉर्नी बिल एसायली ने कहा कि जो लोग गुप्त रूप से विदेशी सरकारों के इशारे पर काम करते हैं, वे हमारे लोकतंत्र को नुकसान पहुंचाते हैं। यह चीन की उन कोशिशों के खिलाफ हमारी जीत है, जिनके जरिए वह हमारे संस्थानों को भ्रष्ट करना चाहता है।

स्कॉटलैंड में भारतीय ने रचा इतिहास: छात्र वीजा पर पहुंचे क्यू मणिवन्नन बने संसद सदस्य, पहचान पर छिड़ी बहस

एडिनबर्ग, एजेंसी। महज चार वर्ष पूर्व छात्र वीजा पर स्कॉटलैंड पहुंचे तमिलनाडु के एक भारतीय डॉक्टरेट छात्र क्यू मणिवन्नन ने स्थानीय चुनाव में अपनी जीत को ब्रिटेन की राजनीति में आप्रवासन, पहचान और प्रतिनिधित्व के व्यापक मुद्दे में बदल दिया है। वह खुद को नॉन-बाइनरी मानते हैं और सत्ता में विविधता का प्रतिनिधित्व करने का दावा करते हैं। क्यू मणिवन्नन, स्कॉटिश संसद (होलीरूड) के नए सदस्यों में से एक हैं। डॉक्टरेट छात्र मणिवन्नन को स्कॉटिश ग्रीन्स की एडिनबर्ग और लोथियंस ईस्ट क्षेत्रीय सूची से स्कॉटिश संसद के लिए चुना गया। अपने समर्थकों के बीच खड़े मणिवन्नन ने कहा, मैं एक ट्रांसजेंडर तमिल अप्रवासी हूं। इस देश में कुछ लोगों के लिए मैं वह सब कुछ हूं जिससे नफरत करने वाले घृणा करते हैं और मैं आज यहां आपके एमएसपी (स्कॉटिश संसद सदस्य) के रूप में पूरी सावधानी के साथ खड़ा हूं। उनके चुनाव की आप्रवासन विरोधी आवाजों ने उन नियमों को लेकर आलोचना की है जो स्कॉटलैंड में रहने वाले कुछ विदेशी नागरिकों को चुनाव लड़ने की अनुमति देते हैं। नियम परिवर्तन के तहत संभव हुआ उम्मीदवारी राष्ट्रमंडल नागरिक होने के नाते नियम परिवर्तन के तहत संभव हुई, जो अल्पकालिक वीजा पर रहने वाले या स्थायी निवास वालों को भी स्कॉटलैंड में चुनाव के योग्य बनाता है। आप्रवासन पर अंकुश लगाने को अभियान चलाने वाले माइग्रेशन वॉच ने कहा, राजनेताओं को ब्रिटिश चुनावों में राष्ट्रमंडल नागरिकों के स्वतः मतदान के अधिकार व गैर-ब्रिटिश नागरिकों के चुनावों में खड़े होने की क्षमता खत्म करना चाहिए। स्कॉटिश ग्रीन्स की सह-नेता, गिलियन मैके ने कहा, पार्टी नए वीजा आवेदन की प्रक्रिया में मणिवन्नन का समर्थन करेगी। ग्रीन्स पार्टी ने कहा, इस प्रक्रिया को संसद के सत्र के दौरान पूरा करना होगा। मणिवन्नन के चुनावी पर्चे में उन्हें राजनीति में पीएचडी छात्र, कला कार्यकर्ता, स्कॉटिश ग्रीन पार्टी के फलस्तीन एकजुटता समूह के सह-संयोजक, संयुक्त राष्ट्र के पूर्व स्वास्थ्य कार्यकर्ता के रूप में वर्णित किया है।

युद्ध में यूएई भी कर रहा था ईरान पर हमला, तेल ठिकानों को बनाया निशाना: रिपोर्ट से सनसनी

अबू धाबी, एजेंसी। ईरान पर अमेरिकी और इजरायली हमलों के बाद शुरू हुए हालिया युद्ध के बाद पश्चिम एशिया में तनाव चरम पर पहुंच गया। बीते फरवरी महीने में शुरू हुआ युद्ध अब तक खत्म नहीं हो पाया है। अमेरिका और इजरायल के बीच कुछ हफ्तों के लिए लागू हुआ सीजफायर टूटने की कगार पर है। ऐसे में खाड़ी में एक बार फिर जंग छिड़ सकती है। इस बीच एक रिपोर्ट में हुए खुलासे ने सनसनी मचा दी है। रिपोर्ट के मुताबिक पिछले महीने जंग के दौरान यूएई ने ईरान पर हमला किया था। वॉल स्ट्रीट जर्नल की इस रिपोर्ट में और भी कई खुलासे किए गए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक अमीरात ने ईरान पर गुप्त तरीके से यह हमला किया था। इसमें कहा गया है कि यूएई ने ईरान के 'लवन द्वीप' स्थित एक प्रमुख तेल रिफाइनरी को निशाना बनाया था।

यह हमला उस समय हुआ जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप सीजफायर की घोषणा करने वाले थे। बता दें कि यह रिफाइनरी ईरान की 10वीं सबसे बड़ी रिफाइनरी है और रोजाना करीब 60,000 बैरल कच्चे तेल का उत्पादन होता है। जानकारी के मुताबिक हमला 8 अप्रैल की सुबह हुआ था। ईरानी ब्रॉडकास्टर आईआरआईबी ने एक बयान में बताया था कि लवन द्वीप के तेल ठिकानों पर कायराना हमला हुआ है। हालांकि यह नहीं कहा गया था कि हमले किसने किए थे, लेकिन ईरान ने पलटवार की धमकी दी थी। इसके कुछही घंटों बाद ईरान ने यूएई और कुवैत पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए थे। यूएई ने तब दावा किया था कि उस पर 17 ईरानी मिसाइलों और 35 ड्रोनों से हमला किया गया है। यह इसीलिए अहम है क्योंकि यह अब तक इस युद्ध में यूएई की सीधी एंट्री की जानकारी दुनिया को नहीं थी। ईरान ने अपने ऊपर हुए हमलों के बाद से खाड़ी देशों को लगातार निशाना बनाया है। ईरान ने यूएई, कतर, सऊदी अरब, कुवैत जैसे देशों पर ड्रोन और मिसाइलें बरसाई हैं। हालांकि इन देशों ने पलटवार नहीं किया था।

ट्रंप कराएंगे सालाना मेडिकल चेकअप, सेना के जवानों और कर्मचारियों से भी करेंगे मुलाकात

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप 26 मई को वॉल्टर रीड नेशनल मिलिट्री मेडिकल सेंटर जाएंगे। व्हाइट हाउस ने बताया कि इस दौरे के दौरान ट्रंप अपना सालाना डेंटल और मेडिकल चेकअप करवाएंगे। इसके साथ ही वह अमेरिकी सेना के जवानों और वहां के कर्मचारियों से भी मुलाकात करेंगे। व्हाइट हाउस के अनुसार, यह दौरा राष्ट्रपति की नियमित स्वास्थ्य देखभाल का हिस्सा है। ट्रंप की सामान्य मेडिकल और डेंटल जांच की जाएगी, ताकि उनकी सेहत पर नजर रखी जा सके। बयान में कहा गया कि ट्रंप वॉल्टर रीड में तैनात सैनिकों और स्टाफ के साथ समय बिताएंगे और देश के लिए उनकी सेवा, पेशेवर कामकाज और समर्पण की सराहना करेंगे। हालांकि, अभी यह नहीं बताया गया है कि राष्ट्रपति वहां कितनी देर रहेंगे। यह भी साफ नहीं किया गया कि जांच के बाद राष्ट्रपति के डॉक्टर उनकी मेडिकल रिपोर्ट सार्वजनिक करेंगे या नहीं। व्हाइट हाउस ने कहा है कि राष्ट्रपति के कार्यक्रम से जुड़ी बाकी जानकारी बाद में साझा की जाएगी। मैरीलैंड के बेथेस्डा शहर में स्थित वॉल्टर रीड नेशनल मिलिट्री मेडिकल सेंटर अमेरिकी सेना का प्रमुख अस्पताल माना जाता है। यहां अक्सर अमेरिकी राष्ट्रपतियों और बड़े सरकारी अधिकारियों की मेडिकल जांच और इलाज होता है। यह अस्पताल युद्ध क्षेत्रों से लौटने वाले घायल सैनिकों के इलाज के लिए भी जाना जाता है। इसके अलावा यहां पूर्व सैनिकों, सक्रिय सैन्य कर्मियों और उनके परिवारों को भी चिकित्सा सेवाएं दी जाती हैं। अमेरिका में राष्ट्रपति की मेडिकल जांच हमेशा चर्चा का विषय रहती है, क्योंकि इससे लोगों को देश के सर्वोच्च नेता की सेहत और फिटनेस के बारे में जानकारी मिलती है। ट्रंप पहले भी कह चुके हैं कि वॉल्टर रीड में उनकी मेडिकल जांच उनकी नियमित स्वास्थ्य प्रक्रिया का हिस्सा है। पिछले साल इसी अस्पताल में जांच के बाद उन्होंने पत्रकारों से कहा था, 'मुझे लगता है कि मैं बहुत अच्छी शारीरिक स्थिति में हूं, लेकिन मैं आपको इस बारे में बाद बताऊंगा। शारीरिक रूप से, मैं बहुत अच्छा महसूस कर रहा हूं। मानसिक रूप से भी, मैं बहुत अच्छा महसूस कर रहा हूं। पिछले साल जारी एक मेडिकल रिपोर्ट में बताया गया था कि ट्रंप की एडवांस इमेजिंग, लैब टेस्ट और कई स्वास्थ्य जांच की गई थीं। रिपोर्ट में कहा गया था कि उनके मेटाबॉलिक, हेमेटोलॉजिक और कार्डियक पैरामीटर्स (हृदय संबंधी मानक) स्थिर पाए गए। राष्ट्रपति के डॉक्टर कैप्टन सीन बारबाबेला की ओर से जारी रिपोर्ट में कहा गया था कि ट्रंप की कुल स्वास्थ्य स्थिति काफी अच्छी है।

होर्मुज स्ट्रेट को सुरक्षित और खुला बनाए रखने पर जोर, रुबियो ने की यूके और ऑस्ट्रेलिया से बातचीत

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने ऑस्ट्रेलिया और ब्रिटेन के वरिष्ठ नेताओं से अलग-अलग बातचीत की। इन चर्चाओं में मुख्य रूप से ईरान और होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों की आवाजाही को सुरक्षित और खुला बनाए रखने पर जोर दिया गया। अमेरिकी विदेश विभाग ने इसकी जानकारी दी है। मार्को रुबियो ने ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री पेनी वोंग और ब्रिटेन की विदेश सचिव यवेट कूपर से बातचीत की। अमेरिका इस समय अपने करीबी सहयोगी देशों के साथ क्षेत्रीय सुरक्षा और समुद्री स्थिरता को लेकर लगातार चर्चा कर रहा है। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता टॉमी पिगॉट के मुताबिक, रुबियो और पेनी वोंग ने 'स्वतंत्र और खुले इंडो-पैसिफिक क्षेत्र' को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा कि रुबियो ने अमेरिका-ऑस्ट्रेलिया गठबंधन को क्षेत्र की सुरक्षा और स्थिरता के लिए बेहद महत्वपूर्ण बताया। दोनों नेताओं ने ईरान और होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों की आवाजाही को सामान्य और सुरक्षित बनाए रखने की कोशिशों पर भी चर्चा की।

इसके अलावा, रुबियो ने ब्रिटेन की विदेश सचिव इवेट कूपर से भी अलग से बात की। इस बातचीत में भी ईरान और होर्मुज स्ट्रेट में समुद्री मार्गों को खुला रखने का मुद्दा प्रमुख रहा। हालांकि, अमेरिकी विदेश विभाग ने यह नहीं बताया कि इन

अहम समुद्री रास्तों में गिना जाता है। यह संकरा समुद्री मार्ग फारस की खाड़ी को ओमान की खाड़ी और अरब सागर से जोड़ता है। दुनिया भर में भेजे जाने वाले तेल का बड़ा हिस्सा इसी रास्ते से होकर गुजरता है। अगर इस समुद्री रास्ते में किसी तरह की रुकावट आती है, तो उसका असर दुनिया के तेल बाजार और अंतरराष्ट्रीय व्यापार पर तेजी से पड़ सकता है। भारत भी इस क्षेत्र पर करीबी नजर रखता है, क्योंकि यह अपनी जरूरत का काफी कच्चा तेल खाड़ी देशों से आयात करता है।

ऑस्ट्रेलिया इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में अमेरिका का बड़ा सहयोगी माना जाता है। वह क्वाड समूह का भी सदस्य है, जिसमें भारत, जापान और अमेरिका शामिल हैं। वहीं, ब्रिटेन ने भी पिछले कुछ वर्षों में इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में अपनी रणनीतिक मौजूदगी बढ़ाई है और वह अमेरिका का अहम सुरक्षा साझेदार बना हुआ है। इसी बीच, मार्को रुबियो ने इथियोपिया के विदेश मंत्री गेदियन तिमोथियोस से भी मुलाकात की। यह बैठक अमेरिका-इथियोपिया द्विपक्षीय वार्ता के दौरान हुई। अमेरिकी विदेश विभाग के अनुसार, रुबियो ने पूर्वी अफ्रीका में संघर्ष कम करने और विवादों के समाधान में इथियोपिया की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया।

मैंने नहीं की ट्रंप की हत्या की कोशिश, आरोपी का साफ इनकार

वॉशिंगटन, एजेंसी। वाइट हाउस संवाददाताओं के रात्रिभोज समारोह में हथियारों के साथ घुसने के आरोपी ने ट्रंप की हत्या के प्रयास के आरोप से इनकार किया है। साथ ही उसने यह भी मानने से मना किया है कि उसने खुफिया सेवा के एक अधिकारी पर गोली चलाई। कोल थॉमस एलन को सोमवार को एक संघीय अदालत में पेश किया गया। एलन ने संक्षिप्त सुनवाई के दौरान कुछ नहीं कहा। उसके एक वकील ने उसकी ओर से याचिका दायर की। इससे पहले एलन पर एक नए आरोप में अभियोग दर्ज किया गया। दावा किया जा रहा था कि हमलावर ने हमले के दौरान सीक्रेट सर्विस के एक अधिकारी पर शॉटगन से गोली चलाई थी और इसी दावे के आधार पर यह नया अभियोग लगाया गया है।

सीक्रेट सर्विस के बुलेटप्रूफ जैकेट पहने एक अधिकारी को गोली लगी। इस हमले के कारण संवाददाताओं के रात्रिभोज का कार्यक्रम बाधित हुआ और आखिरकार उसे समय से पूर्व समाप्त करना पड़ा। अधिकारियों ने बताया कि एलन बंदूकों और चाकुओं से लैस था। वह एक सुरक्षा चौकी से भागा और उसने एक अधिकारी पर अपनी बंदूक तान दी थी। न्यूयॉर्क पोस्ट की एक रिपोर्ट के मुताबिक, 31 वर्षीय एलन पर कई आरोप हैं। इनमें राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हत्या का प्रयास करना, कानून प्रवर्तन अधिकारियों पर हमला करना, राज्य सीमाओं के पार अपराध करने के इरादे से हथियार ले जाना और हिंसक अपराध के दौरान हथियार चलाना शामिल हैं। एलन पर आरोप साबित होते हैं तो उसे अधिकतम

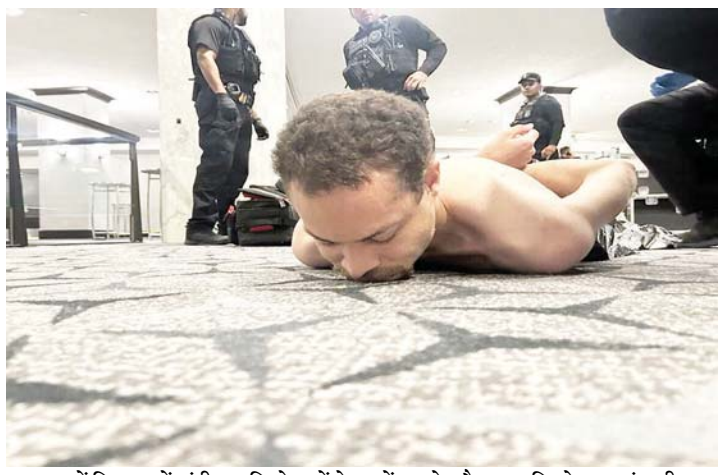

बता दें कि बाद में संघीय अभियोजकों ने उस घटना का वीडियो जारी किया था। इसमें में घुसने और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हत्या का प्रयास करने की कोशिश करता नजर आ और एक अधिकारी की ओर हथियार तानते हुए दिखाया गया है, जिसके बाद अधिकारी ने पांच गोलियां चलाईं। वीडियो में यह स्पष्ट नहीं है कि एलन ने कब गोली चलाई।

कौन है एलन : कैलिफोर्निया के टॉरेंस का निवासी एलन एक टेस्ट प्रेप कंपनी में अंशकालिक ट्यूटर के रूप में काम करता था। इसके अलावा वीडियो गेम तैयार करना उसका शौक है। अभियोजकों के अनुसार, एलन (31 वर्ष) ने हमले से कुछ मिनट पहले अपने होटल के कमरे में तस्वीर ली थी और उसके पास हथियार, गोला-बारूद बैग, शोल्डर गन होल्स्टर और चाकू मौजूद था। अधिकारियों के अनुसार, संदेशों में उसने खुद को 'फ्रेंडली फेडरल एसेसिन' बताया और ट्रंप प्रशासन की नीतियों को लेकर नाराजगी का संकेत

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.